सुविचार
जिंदगी अगर अपने हिसाब से जीनी हैं तो कभी किसी के फैन मत बनो।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का हिस्सा...

Ranchi ● Thursday, 21 September 2023 ● Year : 01 ● Issue : 244 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	66,800.84
निफ्टी	:	19,901.40

SARAFA

सोना	:	5,675
चांदी	:	78.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पास, पक्ष में पड़े 454 वोट, आज राज्यसभा में होगा पेश

विधेयक के विरोध में सिर्फ 2 वोट, शाह बोले- चुनाव के बाद परिसीमन-जनगणना होगी

AGENCY NEW DELHI : संसद के विशेष सत्र के तीसरे दिन बुधवार को लोकसभा में महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन विधेयक) पास हो गया। पर्ची से हुई वोटिंग में बिल के समर्थन में 454 और विरोध में 2 वोट डले। अब गुरुवार को यह बिल राज्यसभा में पेश होगा। वहां से पास होने के बाद राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए जाएगा। राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद यह कानून बन जाएगा। बिल पर चर्चा में 60 सांसदों ने अपने विचार रखे। राहुल गांधी ने कहा- ओबीसी आरक्षण के बिना यह बिल अधूरा है, जबकि अमित शाह ने कहा- यह आरक्षण सामान्य, एससी और एसटी में समान रूप से लागू होगा। चुनाव के बाद तुरंत ही जनगणना और डिलिमिटेशन होगा और महिलाएं की भागीदारी जल्द ही सदन में बढ़ेगी। विरोध करने से रिजर्वेशन जल्दी नहीं आएगा। राहुल गांधी ने कहा- देश को चलाने वाले 90 में से सिर्फ 3 सेक्रेटरी ही ओबीसी हैं, इसके जवाब में शाह ने राहुल नाम लिए बिना कहा कि देश को सरकार चलाती है, सचिव नहीं। कोई एनजीओ चिट बनाकर दे देता है तो बोल देते हैं। कुल भाजपा सांसदों में 85 ओबीसी से हैं। कुल भाजपा विधायकों में 27% ओबीसी से हैं। कुल भाजपा एमएलसी में 40% एमएलसी हैं। कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि मैं राजनीति में आने से पहले आईएएस था। 1992 बैच का अफसर सेक्रेटरी बनेगा। उस समय किसकी सरकार थी। राहुल गांधी अपनी ही सरकार को कोस रहे हैं। सबसे पहले कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने सदन को बिल के बारे में बताया। उनके बाद कांग्रेस की ओर से सोनिया गांधी ने 10 मिनट तक अपनी बात कही। चर्चा के दौरान टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने मुस्लिम महिलाओं को भी आरक्षण देने की मांग की। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने महुआ मोइत्रा का नाम लिए बगैर कहा- मुस्लिम आरक्षण मांगने वालों को मैं बताना चाहती हूं कि संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण वर्जित है।

राहुल गांधी ने की बिल को तत्काल लागू करने की मांग

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महिला आरक्षण से संबंधित ऐतिहासिक विधेयक का बुधवार को लोकसभा में समर्थन किया। हालांकि बिल पर बहस के दौरान उन्होंने ओबीसी कार्ड खेला। उन्होंने कहा, इस बिल में अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) की महिलाओं के लिए अलग आरक्षण का प्रावधान होना चाहिए क्योंकि इसके बिना यह विधेयक अधूरा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक को तत्काल लागू किया जा सकता है और इसके लिए नई जनगणना एवं परिसीमन की कोई जरूरत नहीं है। उनका कहना था, दो ऐसी चीजें है जो मुझे अजीबो-गरीब लगती हैं। एक यह कि विधेयक को लागू करने के लिए ताजा जनगणना की जरूरत बतायी गयी है। दूसरा यह कि विधेयक को लागू करने के लिए नए परिसीमन की जरूरत है। मेरा विचार है कि यह विधेयक आज ही लागू हो सकता है।

अमित शाह के बोलते ही हंगामा, कहा- डरो मत

अमित शाह डिबेट का जवाब देने आए। उन्होंने कहा- संविधान के संशोधित करने वाले 128वें संशोधन पर बात करने के लिए मैं यहां खड़ा हूं। ये कहते ही विपक्ष का हंगामा शुरू कर दिया। इस पर शाह मुस्कुराते हुए राहुल गांधी की तरह बोले- डरो मत। शाह ने कहा- महिला आरक्षण बिल युग बदलने वाला विधेयक है। कल का दिन भारतीय संसद के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा। कल नए सदन का पहली बार श्री गणेश हुआ, कल गणेश चतुर्थी थी और पहली बार कई सालों से लंबित पड़े बिल को पास किया गया। देश में एससी-एसटी के लिए जितनी सीटें आरक्षित हैं, उनमें से भी 33 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। कुछ लोगों के लिए महिला सशक्तीकरण चुनाव जीतने का मुद्दा हो सकता है, लेकिन मेरी पार्टी और मेरे नेता मोदी के लिए यह मुद्दा राजनीति नहीं, बल्कि मान्यता का मुद्दा है। मोदी ने ही भाजपा में महिलाओं को पार्टी पदों पर 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाया। पीएम मोदी को देश की जनता ने सीएम के बाद प्रधानमंत्री बनाया। 30 साल बाद उनके नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की भाजपा की सरकार बनाई। उस समय फिर जाहिर सी बात है कि पीएम मोदी ने सीएम के पद से इस्तीफा दिया।

राजीव गांधी का सपना था महिला आरक्षण विधेयक : सोनिया गांधी

NEW DELHI : कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा सदस्य सोनिया गांधी ने बुधवार को कहा कि महिला आरक्षण विधेयक राजीव गांधी का सपना था। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों में स्त्रियों की भागीदारी तय करने वाला संविधान संशोधन विधेयक पहली बार उनके जीवनसाथी राजीव गांधी ही लाए थे। सोनिया गांधी ने लोकसभा में "नारी शक्ति वंदन विधेयक- 2023" पर चर्चा में कहा कि वह कांग्रेस की ओर से इस विधेयक का समर्थन करती हैं। यह उनकी जिंदगी का बहुत ही मार्मिक क्षण है। आज देशभर के स्थानीय निकायों के जरिए हमारे पास 15 लाख चुनी हुई महिला जनप्रतिनिधि हैं। यह राजीव गांधी की पहल से ही संभव हो पाया था। जब यह कानून पूर्णरूप से लागू हो जाएगा तो राजीव गांधी का सपना भी पूरा हो जाएगा। सोनिया ने कहा कि पिछले 13 वर्षों से भारतीय स्त्रियां अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी का इंतजार कर रही हैं। अब उन्हें और इंतजार करने को कहा जा रहा है। क्या भारत की स्त्रियों के साथ यह बर्ताव उचित है? सोनिया ने कहा कि भारत की स्त्री के हृदय में महासागर जैसा धीरज है। उसने खुद के साथ हुई बेईमानी की शिकायत नहीं की और सिर्फ अपने फायदे के बारे में कभी नहीं सोचा।

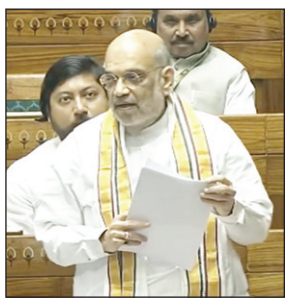

BRIEF NEWS

अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो कल से हड़ताल पर जाएंगे राज्यभर के डाक्टर

RANCHI : महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कालेज अस्पताल जमशेदपुर के पीजी छात्र डॉ. कमलेश उरांव से हुई मारपीट को लेकर आईएमए ने इसे गंभीरता से लिया है। प्रदेश आईएमए के सचिव डॉ. प्रदीप सिंह ने कहा है कि लगातार डाक्टरों के साथ हो रही मारपीट की घटना अब बरदाश्त नहीं की जाएगी। मारपीट करने वाले अपराधियों को अगर पुलिस प्रशासन 21 सितंबर तक गिरफ्तार नहीं करती है तो 22 सितंबर से झारखंड भर के 12000 से अधिक डाक्टर चिकित्सीय सेवा ठप कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। सिर्फ इमरजेंसी सेवा बहाल रहेगी। इस पूरे आंदोलन में आईएमए के साथ झासा, जूनियर डाक्टर एसोसिएशन सहित निजी डाक्टरों का समर्थन है। जिसके बाद रिम्स सहित सभी मेडिकल कालेज, सदर अस्पताल व निजी क्लिनिक व अस्पताल में मरीजों को नहीं देखा जाएगा। मालूम हो कि जमशेदपुर में बुधवार से ही डाक्टर हड़ताल पर चले गए हैं।

कनाडा में रहने वाले भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी

CANADA : खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मुद्दे पर भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। कनाडा ने मंगलवार को अपने नागरिकों को भारत के कुछ खास हिस्सों में न जाने के लिए एडवाइजरी जारी की। बुधवार को भारत ने भी इसी तरह की एडवाइजरी जारी कर दी। कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर लगाते हुए हमारे एक डिप्लोमैट को निकाल दिया। जवाब में भारत ने भी कनाडा के एक डिप्लोमैट को एक्सपेल कर दिया। मंगलवार को कनाडा की तरफ से जारी एडवाइजरी के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने भी कनाडा में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की। कहा- कनाडा में जारी भारत विरोधी एक्टिविटीज के मद्देनजर वहां रहने वाले या वहां की यात्रा पर जाने वाले नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वो बहुत सतर्कता बरतें। बता दें कि कनाडा में मौजूद इंडियन डिप्लोमैट्स और इंडियन कम्युनिटी के एक खास तबके को धमकियां दी जा रही हैं।

कुड़मियों ने दिखाया दमखम, दो घंटे वार्ता के बाद आंदोलन खत्म, 17 ट्रेनें रहीं प्रभावित

मांगें नहीं मानी गईं तो इससे भी बड़ा आंदोलन करेंगे : अजित महतो

PHOTON NEWS RANCHI : कुड़मी समाज को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग पर झारखंड और ओडिशा में छह जगहों पर चल रहा रेल टेका यानी रेल रोको आंदोलन बुधवार की शाम को खत्म हो गया। इस आंदोलन की वजह से काफी संख्या में ट्रेनों को रद्द करना पड़ा। कई ट्रेनों को डायवर्ट किया गया और 17 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट करना पड़ा। इस दौरान रेल यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। आंदोलन को खत्म करने के लिए आंदोलनकारियों के साथ एडीएम लॉ एंड ऑर्डर ने दो घंटे तक वार्ता की। वार्ता खत्म होने के बाद अजित महतो ने रेल ट्रैक पर बैठे अपने समर्थकों और मीडियाकर्मियों को संबोधित किया। इसमें उन्होंने कहा कि दो घंटे की वार्ता हुई है। इसमें तय हुआ है कि झारखंड के मुख्य सचिव और टीआरआई के निदेशक के साथ 25 सितंबर को रांची में वार्ता होगी। इस बैठक में अगर उनकी मांगों पर सकारात्मक फैसला नहीं हुआ, तो वे एक बार फिर इससे भी बड़ा आंदोलन करेंगे। कुड़मी नेताओं ने बताया कि आज यानी 20 सितंबर को उन्होंने झारखंड और ओडिशा में छह जगहों पर रेल टेका यानी रेल का चक्का जाम कर दिया। कहा कि झारखंड में मुरी, गोमो, गिरिडीह और घाघरा के अलावा ओडिशा के खेमाशुली और भोजपुरा में रेल रोका। अजित महतो ने कहा कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, आदिवासी मामलों के मंत्री, केंद्रीय गृह मंत्रालय, मुख्य न्यायाधीश, राज्यों के मुख्य सचिव और मुख्यमंत्रियों के सामने हम अपनी मांग रखेंगे। सभी को हमने चिट्ठी लिखी और जब हमारी मांगों पर कोई विचार नहीं हुआ, तब हम रेल ट्रैक पर उतरे हैं। उन्होंने आंदोलन कर रहे लोगों से कहा

धनबाद के गोमो स्टेशन में ट्रैक पर ढोल मांदर लेकर पहुंचे आंदोलनकारी।

इन ट्रेनों का नहीं हुआ परिचालन

- रांची-आसनसोल पैसेंजर ट्रेन
- रांची-दुमका एक्सप्रेस
- हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस
- भागलपुर-रांची एक्सप्रेस
- कामख्या-रांची एक्सप्रेस
- हटिया-हावड़ा क्रियायोग एक्सप्रेस
- गोडडा-रांची एक्सप्रेस
- हावड़ा- हटिया क्रिया योग एक्सप्रेस
- बरकाकाना-आद्रा स्पेशल ट्रेन
- टाटानगर-बरकाकाना स्पेशल
- रांची-बोकारो स्टील सिटी स्पेशल
- हटिया- टाटा स्पेशल
- रांची-भागलपुर एक्सप्रेस
- हटिया-पटना एक्सप्रेस
- रांची गोडडा एक्सप्रेस

कांके गोलीकांड का खुलासा 12 अपराधी चढ़े पुलिस के हत्थे

चितरंजन की पत्नी ने रची थी हत्या की साजिश

CRIME REPORTER RANCHI : जिले के कांके थाना क्षेत्र के कांके ब्लॉक चौक के पास बीते 14 सितंबर को जमीन कारोबारी अवधेश यादव को गोली मार दी गई थी। एसएसपी के निर्देश पर गठित पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पंकज कुमार गुप्ता, अभिलाषा देवी, अमन कुमार जगदेव प्रसाद वर्मा, हर्षराज नवाज अख्तर, सोनू कुमार सिंह, अंकित कुमार, बसंत अब्राहम लुगुन, मिनहाजद्दीन अली, सरफराज आलम और तौहिद अंसारी शामिल हैं। इनके पास से पुलिस ने दो फॉर्च्यूनर कार, एक टाटा सफारी कार, एक बाइक, एक पिस्टल, एक देशी कट्टा, 11 जिंदा कारतूस और 16 मोबाइल फोन बरामद किये हैं। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि भू माफिया चितरंजन कुमार और अवधेश कुमार के बीच कांके रोड स्थित जगतपुरम कॉलोनी में जमीन को लेकर विवाद था। जिसे लेकर चितरंजन कुमार के द्वारा साजिश के तहत अपने गुर्गों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि अवधेश कुमार के पार्टनर चितरंजन कुमार की पत्नी अभिलाषा देवी, हर्षराज, अमन कुमार, अंकित कुमार, जगदेव प्रसाद मिलकर हत्या षड़यंत्र अपने घर में रची और शूटर को अपने घर में ठहराया। इसके अलावा साक्ष्य छुपाने के लिये षड़यंत्र पूर्वक सीसीटीवी का डीवीआर को नष्ट कर दिया। पुलिस ने नवाज अख्तर और सरफराज के पास से घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद किया।

प्रेस कांफ्रेंस कर गिरफ्तार आरोपियों के बारे में जानकारी देते रांची के एसएसपी।

डीजीपी का पुलिस की मीडिया नीति से संबंधित आदेश जारी, प्राधिकृत पुलिस प्रवक्ता ही संबंधित जानकारी दे सकेंगे

अब अपने स्तर से मीडिया से संवाद नहीं कर सकेंगे पुलिस अधिकारी

PHOTON NEWS RANCHI : डीजीपी अजय कुमार सिंह ने पुलिस की मीडिया नीति से संबंधित आदेश जारी किया है। इसके तहत अब पुलिस अधिकारी और थाना प्रभारी मीडिया से संवाद नहीं करेंगे। इसका मकसद है कि पुलिस विभाग की नीति के अनुसार उस समय मीडिया को संबंधित सूचना सही समय पर उपलब्ध कराई जाए जब अनुसंधान की प्रक्रिया प्रतिकूल रूप से बाधित न हो और पुलिस अभियान में बाधा उत्पन्न ना हो। साथ ही पुलिसकर्मियों की सुरक्षा खतरे में ना हो। पीड़ित और आरोपी के कानूनी और मूलभूत अधिकारों का हनन ना हो। इससे राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। आदेश में कहा गया है कि पुलिस मुख्यालय के लिए डीजीपी और उनके जरिये प्राधिकृत पुलिस प्रवक्ता ही पुलिस से संबंधित मीडिया को जानकारी दे सकेंगे। प्रत्येक जिले के कार्यालय में एक मीडिया सेल की शाखा होगी, जिसके प्रभारी मुख्यालय स्थित एएसपी और डीएसपी होंगे। जिले में एसपी और प्रभारी मीडिया के जरिये संबंधित जानकारी मीडिया को दी जाएगी। सामान्य रूप से मीडिया ब्रीफिंग का स्थान कार्यालय कक्ष होगा और प्रतिदिन निर्धारित समय शाम के चार बजे से छह बजे के बीच निर्धारित होगा। इसकी सूचना यथा समय सभी मीडियाकर्मियों को दी जायेगी। किसी बड़े आयोजन और आकस्मिक घटना स्थल पर जहां मीडियाकर्मी उपस्थित हों, वहीं वरीय पुलिस पदाधिकारी और उनके जरिये निर्देशित पुलिस पदाधिकारी, जो कम से कम पुलिस डीएसपी रैंक के राजपत्रित पदाधिकारी होंगे उनके द्वारा ही मीडिया ब्रीफिंग का कार्य किया जायेगा। प्राधिकृत पुलिस प्रवक्ता पुलिस से संबंधित जानकारी मीडिया को दे सकेंगे। पुलिस मुख्यालय के लिए एडीजी और आईजी रैंक के पदाधिकारी को डीजीपी द्वारा पुलिस प्रवक्ता नियुक्त किया जायेगा। पुलिस मुख्यालय के लिए डीजीपी और फिर उनके द्वारा प्राधिकृत पुलिस प्रवक्ता पुलिस से संबंधित जानकारी मीडिया को दे सकेंगे। प्रत्येक जिला के कार्यालय में एक मीडिया सेल शाखा होगी, जिसके प्रभारी मुख्यालय स्थित एएसपी या डीएसपी होंगे। जिलों में एसपी के जरिये और प्रभारी मीडिया सेल शाखा द्वारा संबंधित जानकारी मीडिया को दी जा सकेगी।

कुछ मामलों में एसपी स्तर के अधिकारी प्रेस कांफ्रेंस कर दे सकेंगे जानकारी

इसके अलावा पुलिस से संबंधित मामलों जैसे बड़ी आपराधिक और विधि-व्यवस्था की घटना, महत्वपूर्ण उद्भेदन-गिरफ्तारी, बरामदगी एवं अन्य उपलब्धि पर स्वयं जिला एसपी की ओर से मीडिया से वार्ता की जायेगी। जिला एसपी की ओर से मीडिया सेल शाखा में घटना की परिस्थिति के अनुसार घटनास्थल, थाना या अन्य कार्यालय में प्रेस से संवाद किया जा सकता है। एसपी और प्रभारी मीडिया सेल शाखा वर्दी में ही मीडिया के साथ बातचीत करेंगे। किसी अपराध के दर्ज होने के 48 घंटों के भीतर केवल इतनी ही सूचना साझा की जायेगी जो घटना के तथ्यों को प्रकट करे और आश्वस्त कर सके कि मामले को गंभीरता से किया जा रहा है। किसी अपराध के संबंध में गुप्त और तकनीकी सूत्रों को मीडिया के समक्ष प्रकट नहीं किया जायेगा। ना ही अनुसंधान की दिशा और तकनीकों का खुलासा किया जाएगा। यौन हिंसा के पीड़ितों और बच्चों की पहचान को मीडिया के सामने खुलासा नहीं किया जायेगा। आरोपितों की गिरफ्तारी होने पर मीडिया को बताया जायेगा लेकिन उन्हें मीडिया के समक्ष पेश नहीं किया जायेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा से संबंधित और अन्य प्रकार के मामलों में किसी समय चलाए जा रहे पुलिस ऑपरेशन की ताजा स्थिति साझा नहीं की जायगी, बल्कि ऑपरेशन पूर्ण होने के बाद अपराधियों एवं बरामद वस्तुओं की तथ्यात्मक जानकारी दी जायेगी। अनुसंधान के दौरान समय-समय पर आवश्यक मीडिया को केवल तथ्यों पर आधारित जानकारी दी जायगी। अनुसंधान पूर्ण होने पर आरोप पत्र के तथ्यों की जानकारी एवं न्यायिक विचारण के परिणाम की जानकारी मीडिया को दी जा सकती है।

गोरा संजय, काला संजय को ED ने भेजा समन

27 सितंबर को पूछताछ के लिए बुलाया

CRIME REPORTER RANCHI : अवैध खनन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने साहिबगंज के गोरा संजय और काला संजय को एक नया समन जारी किया है। ईडी ने उन्हें साहिबगंज के अवैध खनन मामले में 27 सितंबर को ईडी के रांची जोनल ऑफिस में उपस्थित होने को कहा है। इससे पहले भी ईडी ने दोनों को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन दोनों उपस्थित नहीं हुए थे। गोरा संजय और काला संजय बच्चू यादव का भांजा है। ईडी को जानकारी मिली है कि बच्चू यादव की अवैध खनन से अर्जित संपत्ति का निवेश उसके दोनों रिश्तेदारों ने किया है। ईडी ने बैंक खातों के ट्रांजेक्शन से जुड़े साक्ष्य और निवेश की जानकारी जुटायी है। इसी आधार पर दोनों को ईडी ने समन किया है।

प्रेम प्रकाश की बेल याचिका खारिज

RANCHI : ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत ने बुधवार को जमीन घोटाले के आरोपी प्रेम प्रकाश की जमानत याचिका खारिज कर दी। इससे पूर्व 14 सितम्बर को सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। मामले में अदालत ने आज फैसला सुनाते हुए जमानत याचिका खारिज कर दी। प्रेम प्रकाश की ओर से अधिवक्ता विक्रांत सिन्हा और स्नेह सिंह ने बहस की। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक रमित सत्येंद्र ने बहस की। प्रेम प्रकाश पर चेशायर होम रोड स्थित एक एकड़ जमीन और बरियातू स्थित सेना की जमीन की खरीद-बिक्री करने का आरोप है। इसके अलावा प्रेम प्रकाश अवैध खनन के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग करने के केस में भी आरोपी है।

BRIEF NEWS

ट्रेन की चपेट में आने से बच्ची की मौत

DUMKA : हंसडीहा थाना क्षेत्र के चोरबटिया गांव के समीप ट्रेन की चपेट में आने से एक 12 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की पहचान गोड्डा जिले के पोड़ैयाहाट थाना क्षेत्र के चरकटांड गांव निवासी रामदुलार सिंह की पुत्री पिंकू कुमारी के रूम में की गई। जानकारी के अनुसार बच्ची बुधवार सुबह शोच के लिए निकली थी। इसी बीच ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने हंसडीहा पुलिस को दी। सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंच शव को पोस्टमार्टम के लिए दुमका भेज दिया।

विशेष जागरूकता शिविर सह आउटरीच कार्यक्रम का शुभारंभ

LOHARDAGA : लोहरदगा व्यवहार न्यायालय परिसर में 100 दिवसीय विशेष जागरूकता शिविर सह आउटरीच कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। 17 सितंबर से 25 दिसंबर तक 100 दिवसीय विशेष जागरूकता शिविर सह आउटरीच कार्यक्रम की शुरूआत की गई है, जिसके तहत लोहरदगा जिले के प्रत्येक गांव में महिलाओं, बालकों, दिव्यांग जनों, अपराध पीड़ितों, वृद्धजनों,अनुसूचित जनजाति के लोगों एवं अन्य के बीच जाकर के विभिन्न कानूनों, एवं सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी दी जानी है। इस कार्यक्रम के तहत प्रभात फेरी निकाला गया जिसे जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेंद्र बहादुर पाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

गिरिडीह पुलिस ने 40 गोवंश लदे कंटेनर को किया जब्त

GIRIDIH : कंटेनर में पशु तस्करी के लिए लेकर जा रहे 40 गोवंश को गिरिडीह के बगोदर थाना पुलिस ने तस्करों से मुक्त कराया है। एसपी दीपक कुमार शर्मा ने गुप्त सूचना के आधार पर बगोदर थाना प्रभारी नीतीश कुमार के नेतृत्व में बुधवार को गोवंश लोड कंटेनर को जीटी रोड के समीप जब्त किया। पुलिस गाड़ी को देखते ही कंटेनर चालक ने फरार होने का प्रयास किया। लेकिन थाना प्रभारी ने दौड़ा कर गोवंश लोड कंटेनर को जीटी रोड के समीप पकड़ कर गोवंश पचम्बा गोपाल गोशाला में भेज दिया।

बड़ी मात्रा में अवैध डीजल के साथ दो वाहन जब्त

DUMKA : जिले के सरैयाहाट पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अवैध रूप से डीजल पेट्रोल की खरीद बिक्री करने वाले कारोबारी प्रकाश मंडल के चरकापाथर स्थित घर पर छापामारी कर बड़ी मात्रा में डीजल सहित दो वाहनों को जब्त किया है। जानकारी के अनुसार सरैयाहाट पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी की प्रकाश मंडल अपने चरकापाथर स्थित मकान से अवैध रूप से डीजल पेट्रोल की खरीद बिक्री करता है। इसके बाद पुलिस बल के साथ एएसआई कामता राम मौके पर पहुंचे तो एक बंद कमरे में रखा हुआ करीब सात सौ लीटर डीजल अलग अलग डब्बे में पाया गया। वहीं मकान परिसर में खड़ी एक पिकअप ट्रक में रखें ड्रम से करीब तीन सौ लीटर डीजल बरामद किया गया। पुलिस ने प्रकाश के मकान परिसर से एक और मिनी टेंकर को जब्त किया है। मिनी टेंकर में भी डीजल है या खाली है पुलिस इसकी जांच में जुटी हुई है।

पश्चिम सिंहभूम में रेड क्रॉस सोसाइटी का चुनाव 30 को

CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम के उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देश पर जिला अंतर्गत रेडक्रॉस सोसाइटी के पुनर्गठन से संबंधित निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इस प्रक्रिया के तहत त्रिसदस्यीय निर्वाचन संचालन समिति में जिले के अपर उपायुक्त सहित जिला परिवहन पदाधिकारी व स्थापना उप समाहर्ता को सदस्य के तौर पर नामित किया गया है। प्रबंधन समिति के गठन हेतु विभिन्न पद यथा अध्यक्ष (निर्वाचित) एकल पद, उपाध्यक्ष (निर्वाचित) एकल पद, कोषाध्यक्ष (निर्वाचित) एकल पद तथा प्रबंधन समिति के सदस्य (निर्वाचित) 7 पद पर निर्वाचन किया जाना है। इसके निमित्त मतदाता सूची को अपर उपायुक्त पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा कार्यालय के सूचना पट्ट पर प्रकाशित किया गया है। निर्वाचन प्रक्रिया अंतर्गत उम्मीदवारों के लिए नामांकन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 20 सितंबर तक अध्यक्ष (निर्वाचित) एकल पद के लिए 2 प्रपत्र, उपाध्यक्ष (निर्वाचित) एकल पद के लिए 1 प्रपत्र, कोषाध्यक्ष (निर्वाचित) एकल पद के लिए 1 प्रपत्र तथा प्रबंधन समिति के सदस्य (निर्वाचित) 7 पद के लिए 9 प्रपत्रों की बिक्री हुई है।

सिसई से बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा का पांचवां चरण शुरू

अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर मरांडी ने सरकार पर बोला हमला

PHOTON NEWS GUMLA : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने संकल्प यात्रा के पांचवें चरण की शुरूआत बुधवार को सिसई विधानसभा क्षेत्र की जनसभा से की। मरांडी ने जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने हेमंत सरकार को अपराध, लूट, भ्रष्टाचार का संरक्षक बताया। साथ ही कहा कि हेमंत सरकार से विकास की उम्मीद बेमानी है। इसे उखाड़ कर फेंके बिना राज्य को भ्रष्टाचार मुक्त और विकास युक्त नहीं बनाया जा सकता।

उन्होंने कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवा के विकास के लिए संकल्पित है। नए संसद भवन को मोदी ने नारी शक्ति के वंदन एवं उनके सशक्तिकरण को समर्पित किया। बिल के माध्यम से लोकसभा एवं विधानसभाओं में महिलाओं के 33 प्रतिशत सीट आरक्षित होने से नारी शक्ति की अपार ऊर्जा संसदीय प्रणाली से जुड़कर देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभायेगी।

जनसभा को संबोधित करते बाबूलाल मरांडी व उपस्थित अन्य नेता। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा इसके पूर्व भी शौचालय निर्माण, स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, तीन तलाक की समाप्ति जैसे अनेक महत्वपूर्ण कदमों से मोदी सरकार ने नारी सशक्तिकरण की दिशा में कीर्तिमान स्थापित किए हैं। मरांडी ने कहा कि दूसरी तरफ राज्य की हेमंत सरकार ने राज्य को लूट, अपराध और भ्रष्टाचार का केंद्र बना दिया है। राज्य में रोज हत्या, अपहरण, डकैती की घटनाएं हो रही हैं। व्यवसायी वर्ग दहशत में हैं। बहन-बेटियों की इज्जत घरों में भी सुरक्षित नहीं। ऐसे में पुलिस अपराधियों को दंडित करने में नहीं, बल्कि अपराधियों को बचाने में लगी है। पुलिस का काम अब केवल वसूली करना रह गया है।

उन्होंने कहा कि राज्य में खान खनिज ,पत्थर बालू ,जमीन और गरीबों के अनाज लूटे जा रहे। मुख्यमंत्री लुटेरों के सरगना बन गए हैं। महाजन प्रथा का विरोध करते करते मुख्यमंत्री का परिवार आज सबसे बड़ा महाजन बन गया। उन्होंने कहा कि गैर मजरूआ जमीन को दलाल बिचौलिए बेच रहे और आदिवासी विधवा का प्रधानमंत्री आवास को पदाधिकारी बुलडोजर से तुड़वा रहे और मुख्यमंत्री मौन साधे बैठे रहे।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सभी सरकारों ने राज्य के विकास के लिए काम किए। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा संबंधी कार्य हुए। आज यह सरकार सड़क की मरम्मत नहीं करा पा रही। विद्यालयों में शिक्षक नहीं, अस्पताल में डॉक्टर्स नहीं, दवाई नहीं, एंबुलेंस नहीं, नर्स नहीं। मोदी सरकार द्वारा स्थापित मेडिकल कॉलेज भी ठीक से नहीं चला पा रही। उन्होंने कहा कि राज्य से भ्रष्टाचार, लूट, अपराध को समाप्त करने के लिए भाजपा को मजबूत करना जरूरी है। भाजपा ही राज्य को अपराध भ्रष्टाचार से मुक्ति दिला सकती है।

जिरवाबाड़ी में युवक की गोली मारकर हत्या

PHOTON NEWS SAHIBGANJ : अपराधियों ने बुधवार की रात गोली मारकर साक्षरता चौक स्थित पुराना खादी भंडार के पास रहनेवाले 28 वर्षीय युवक राकेश शर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना रात करीब साढ़े आठ बजे की बतायी जा रही है। बताया जाता है कि युवक को गंभीर अवस्था में लेकर कुछ लोग सदर अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद उसे लेकर आने वाले लोग भाग गए। सूचना मिलने पर युवक के स्वजन सदर अस्पताल पहुंचे। उधर, सूचना मिलने पर जिरवाबाड़ी ओपी प्रभारी प्रणीत पटेल, मुफस्सिल थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश, सब इंस्पेक्टर सौरभ कुमार आदि घटनास्थल पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। सदर अस्पताल पहुंचे स्वजनों ने उसे गोली मारनेवाले का नाम भी पुलिस को बताया है। इस आधार पर पुलिस आरोपितों की धड़ पकड़ के लिए विभिन्न जगह पर छापेमारी कर रही है। गुरुवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव स्वजनों को सौंपा जाएगा। घटना के बाद सदर अस्पताल के साथ-साथ घटनास्थल के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है।

झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा ने 17 सूत्रीय मांगों को लेकर किया धरना प्रदर्शन

PHOTON NEWS LOHARDAGA : 17 सूत्रीय मांगों को लेकर झारखंड आंदोलनकारी महासभा लोहरदगा जिला समिति के तत्वावधान में समाहरणालय के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन हुआ। इसमें मुख्य रूप से विधायक सह झारखंड बचाओ मोर्चा के संयोजक लोबिन हेम्ब्रम, पूर्व मंत्री सधनु भगत, केन्द्रीय अध्यक्ष राजू महतो सहित अन्य लोग मौजूद थे।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के बोरियो विधायक लोबिन हेंब्रम अपनी ही सरकार और पार्टी नेतृत्व पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि

धरना-प्रदर्शन करते झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

जनता से जिस वादे और संकल्प के साथ हेमंत सोरेन सत्ता में आये थे, आज उन वादों और संकल्प को भूल गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि यहां के आदिवासियों और मूलवासियों के पास जमीन ही नहीं बचेगी तो आदिवासी मूलवासियों कहां जाएंगे। जब 2019 में चुनाव प्रचार हो रहा था, उस वक़्त हेमंत सोरेन ने कहा था कि हमारी सरकार बनेगी तो सीएनटी और एसपीटी एक्ट और पेशा एक्ट को लागू करेंगे लेकिन सत्ता में आने के बाद हेमंत सोरेन उस वादे को भूल गए हैं। आज आदिवासी मूलवासी समाज अपने ही राज्य में उपेक्षित होता जा रहा है। आंदोलनकारी एवं झारखंड बचाओ मोर्चा इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

सभा को राजू महतो, कयूम खान, अश्विनी कुजूर, किशोर किस्कू, लाल अजय नाथ शाहदेव, अरुण कुमार दुबे, आजम अहमद, शंखनाद सिंह, विनिता खलखो, इसरार अहमद, संयोजक प्रो. विनोद भगत, भुनेश्वर सेनापति, राजकिशोर महतो ने भी संबोधित किया।

हत्या का आरोपी पुलिस कस्टडी से फरार छह पुलिसकर्मी निलंबित, थानेदार लाइन

PHOTON NEWS PAKUR : पत्नी की हत्या के आरोप में पकड़ा गया कबीरुल शेख मंगलवार देर रात पुलिस कस्टडी फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है लेकिन अबतक कोई सुराग नहीं मिला है। इस मामले में थानेदार समेत सात पुलिसकर्मी लापरवाही के दोषी पाये गए हैं। दोषी दो हवलदार समेत छह पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया है। थानेदार को फिलहाल लाइन हाजिर किया गया है।

पाकुड़ एसपी हरदीप पी जनार्दन ने बुधवार को बताया कि हत्या के आरोप में मालपहाड़ी ओपी पुलिस ने आरोपित कबीरुल शेख को गिरफ्तार किया था, जो मंगलवार की रात फरार हो गया। थानेदार समेत अन्य पुलिसकर्मी की लापरवाही सामने आयी है। एसडीपीओ अजीत कुमार विमल मामले की जांच कर रहे हैं।

एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने बताया कि जांच रिपोर्ट सौंप दी गई है। थानेदार समेत सात पुलिसकर्मी लापरवाही के दोषी पाये गए है। दोषी दो हवलदार समेत छह पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया है। थानेदार को फिलहाल लाइन हाजिर किया गया है।

बताया गया है कि बीते मंगलवार को चेंगाडांगा गांव निवासी सुंदरी का निकाह पास के ही गांव ऑटोगली के कबीरुल शेख के साथ हुआ था। सुंदरी वर्तमान में मायके में रह रही थी। मंगलवार को सुंदरी का पति कबीरुल चेंगाडांगा गांव पहुंचा और पत्नी के गले पर स्क्रू ड्राइवर से वार कर हत्या कर दिया। आसपास के लोगों को जब घटना की जानकारी मिली तबतक आरोपित फरार हो गया।

ग्रामीणों ने घटना की सूचना मालपहाड़ी ओपी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस घटनास्थल से एक स्कू ड्राइवर जब्त किया। मालपहाड़ी ओपी पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्यारोपी पति कबीरुल शेख को गिरफ्तार कर लिया लेकिन कबीरुल देर रात पुलिसकर्मियों एवं अधिकारियों को चकमा देकर हाजत से फरार हो गया।

कुदाल से जानलेवा हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS CHAIBASA : तांतनगर ओपी अतंर्गत संकोसाई में भाई पर कुदाल से जानलेवा करने के आरोपी बड़े भाई डुबलिया सावैंया को पुलिस ने गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपी डुबलिया को मंगलवार रात उसके घर से गिरफ्तार किया। गौरतलब है कि संकोसाई में डुबलिया का अपने छोटे भाई पूर्णचन्द्र सावैंया से खेतों में पानी ले जाने को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर गुस्साए डुबलिया ने कुदाल से भाई पर जानलेवा हमला कर दिया था।

हाइवा के धक्के से बिहार के बाइक सवार की मौत

PHOTON NEWS PALAMU : हाइवा के धक्के से बिहार के बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना हरिहरगंज थाना क्षेत्र के ढाब चौखटवा के समीप-98 पर बुधवार को हुई। हाइवा की टक्कर से बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गयी। बता दें कि चार दिन के भीतर दूसरे युवक की हादसे में जान गई है। मृत की पहचान सीमावर्ती बिहार के ढिबरा थाना क्षेत्र क्षेत्र के बरना गांव निवासी स्व. गणेश सिंह के पुत्र आशुतोष कुमार सिंह (43) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार आशुतोष कुमार सिंह अपनी बाइक से छतरपुर की ओर जा रहा था। तभी विपरीत दिशा से आ रहे हाइवा ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वही हाइवा चालक घटनास्थल पर ही गाड़ी छोड़कर फरार हो गया।

घटना के तुरंत बाद प्रभारी थाना प्रभारी निर्भय कुमार सिंह, एसआई शिवशंकर उरांव, अनूप कुमार व एएसआई संजय कुमार सिंह सदलबल के साथ मौके पर पहुंचे एवं युवक को घायलावस्था में सीएचसी में ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस ने हाइवा (जेएच 03 एएल 1442) को जब्त कर अग्रेतर कार्रवाई में जुट गयी है।

हरिहरगंज शहर के हीरो शोरूम के समीप एनएच-98 पर शनिवार की देर शाम एक ट्रेलर की चपेट में आकर बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गयी थी। मृतक की पहचान सीमावर्ती बिहार के अंबा थाना क्षेत्र के विराज बिगहा गांव निवासी सरोज पांडेय (45) के रूप में हुई थी।

मणिपुर और मध्यप्रदेश की घटना के विरोध में झामुमो ने निकाली आक्रोश रैली

PHOTON NEWS KHUNTI : झामुमो के जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद और रनिया प्रखंड अध्यक्ष रेमिश कंडुलना के नेतृत्व में मणिपुर और मध्यप्रदेश के आदिवासी महिला-पुरुषों पर अत्याचार और यूसीसी के विरोध में बुधवार को रनिया में आक्रोश मार्च निकाला गया।

आक्रोश मार्च ब्लॉक मैदान से बाजार टांड़ तक निकाला गया। आक्रोश रैली में कार्यकताओं ने केंद्र सरकार और मणिपुर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध किया। जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद ने कहा कि न वोट डालने का दिन है और न चुनाव का दिन है, लेकिन केंद्र सरकार ने जो माहौल बनाया है, उसे लेकर आदिवासी, मूलवासी,

आक्रोश रैली में शामिल महिला-पुरुष। ● फोटोन न्यूज

दलित को एकजुट होने की आवश्यकता है। केंद्र की भाजपा सरकार साजिश के तहत फुट डालो और राज करो की नीति के तहत सरना को ईसाई से हिंदू को मुस्लिम से लड़ाने का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार थी, तो खजाना खाली करके छोड़ दिया था। आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोरोना काल रहते हुए भी स्थिति को संभाला और हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज में चढ़ाने का काम किया है। हम सभी को एकजुट रहना है और आदिवासी मूलवासी का एकता का हमेशा परिचय देते रहना है, नहीं तो भाजपा वाले हमें लूट खाएंगे।

सिर्फ तेरह वर्ष की उम्र में हाफिज ए कुरान बने मोहम्मद मुजम्मिल रजा

PHOTON NEWS PALAMU : मो. मोजम्मिल रजा मदरसा जियाउल इस्लाम सतबरवा में पढ़ाई करते हैं। लातेहार जिले के मनिका प्रखंड के कुई गांव के रहने वाले इस बच्चे ने सिर्फ 13 साल की उम्र में हाफिजे कुरान बनने का मुकाम हासिल किया है। बुधवार को मोहम्मद मुजम्मिल को सतबरवा मदरसा में सम्मानित किया गया।

बताया गया कि ऐसा कारनामा बहुत कम लोग ही कर पाते हैं। हाफिज ए कुरान बनने का मतलब पूरी कुरान को कंठस्थ याद कर लेना होता है। इस बच्चे का दाखिला सन 2018 में मदरसा जियाउल इस्लाम सतबरवा में हुआ था। मुजम्मिल ने बताया कि हाफिज ए कुरान बनने के बाद अब प्रोफेसर बनने का सपना है।

सम्मान समारोह में उपस्थित मो. मुजम्मिल रजा व अन्य। ● फोटोन न्यूज

प्रोफेसर बनकर शिक्षा का अलग जागना चाहता हैं।

मौके पर जश्ने मुस्तफा कांफ्रेंस कमिटी ने मुजम्मिल रजा को सम्मानित किया। मौलाना तौफिक आलम मिस्बाही ने कहा कि दीनी शिक्षा कभी भी दुनियावी (स्कूली) शिक्षा के आड़े नहीं आती। बहुत सारे ऐसे बच्चे हैं जो हाफिज ए कुरान बनने के बाद भी डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर और आईएएस बनकर देश की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बच्चे ने कामयाबी के पीछे खुद को अपनी मेहनत तथा मदरसे के आलिम मौलाना तौफीक आलम मिस्बाही, मौलाना सरफराज रहबर तथा मदरसा जियाउल इस्लाम के आलिम ए दीन की टीम को श्रेय दिया है।

अव्यवस्था के खिलाफ नंगे पांव प्रदर्शन करते डीसी आवास पहुंचीं कस्तूरबा की छात्राएं

DC शशि रंजन ने व्यवस्था में सुधार का दिया आश्वासन

PHOTON NEWS PALAMU : कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में वैसी बच्चियों को शिक्षा दी जाती है, जो गरीब परिवार से आती हैं। रहने के साधन के साथ साथ भोजन की भी व्यवस्था विद्यालय परिसर में ही की गयी है। सारे संसाधनों को लेकर शिक्षा विभाग बड़ी बड़ी बातें करता है, लेकिन बुधवार को इन तमाम दावों की पोल कस्तूरबा चैनपुर की छात्राओं ने खोल कर रख दी।

अव्यवस्था के खिलाफ विद्यालय की दर्जनों छात्राएं स्कूल

नंगे पांव उपायुक्त आवास पहुंची कस्तूरबा की छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

से निकल कर सड़क पर आ गई और तीन किलोमीटर प्रदर्शन करते हुए छहमुहान स्थित उपायुक्त शशि रंजन के आवासीय परिसर में पहुंच गयी। उपायुक्त से मिली और पूरी स्थिति से उन्हें अवगत कराया। उपायुक्त ने उन्हें भरोसा दिलाते हुए कहा कि आप सभी स्कूल जाएं, मामले की जांच करायी जायेगी। व्यवस्था में सुधार हर हाल में होगा।

इधर उपायुक्त के निर्देश पर सदर एसडीओ राजेश साह के नेतृत्व में तीन से चार पदाधिकारियों ने मामले की जांच की। उनकी जांच में पानी की समस्या नजर आई। लो वोल्टेज के कारण मोटर नहीं चली थी। इसके लिए बिजली विभाग से बात कर निर्देशित किया गया। वार्डन को स्कूल में ही रहने की हिदायत दी गयी। इसी तरह छात्राओं की सभी मांगों पर अविलंब सुधार करने का निर्देश वार्डन को दिया गया।

प्रदर्शन करने वाली छात्राओं चंचला कुमारी, रूखसाना परवीण, जमीना खातून, राधिका कुमारी, साजिया परवीण, नूरजहां खातून, मुस्कान कुमारी, एकता कुमारी, विद्या कुमारी सहित अन्य ने आरोप लगाते हुए कहा कि स्कूल में ना तो संसाधान बेहतर मिलते हैं और ना ही पढ़ाई हो पाती है। रात 11 बजे भोजन दिया गया। कई दिनों से पानी नहीं मिल रहा है।

मुंडा ने खूंटी मुख्य डाकघर को प्रधान डाकघर बनाने के लिए लिखा पत्र

PHOTON NEWS KHUNTI : जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री और खूंटी के सांसद अर्जुन मुंडा ने केंद्रीय संचार मंत्री को पत्र लिखकर खूंटी के मुख्य डाकघर को प्रधान डाकघर में उन्नत कर नया खूंटी मंडल बनाने का आग्रह किया है।

संचार मंत्री को लिखे पत्र में अर्जुन मुंडा ने कहा कि खूंटी जिले में डाक सेवा रांची मंडल के अधीन संचालित है। इसके कारण इस क्षेत्र के लोगों और कर्मचारी तथा ग्रामीण डाक सेवकों को हर छोटे-बड़े विभागीय कार्य और विशेष सेवाओं के लिए रांची जाना पड़ता है। ऐसे में क्षेत्र के लोगों, डाक कर्मचारी और डाक सेवकों को बेहतर सुविधा पर प्रदान करने तथा उनके कार्य क्षमता बढ़ाने के लिए एक नए डाक मंडल के सृजन की आवश्यकता है।

जनजातीय मंत्री ने पत्र में कहा कि एक लंबे कालखंड तक खूंटी क्षेत्र वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित रहा है। वामपंथी उग्रवाद ने इस क्षेत्र में हो रहे विकास कार्य में सदैव व्यवधान डालने का प्रयास किया, जिसका नतीजा यह हुआ कि विकास के कई मानकों में यह क्षेत्र पीछे छूट गया। हाल के दिनों में डाक विभाग ने अपने को काफी रूपांतरित किया है और पत्र वितरण के साथ-साथ बीमा और बैंकिंग जैसी सुविधाएं भी जन-जन तक पहुंच रही है। ऐसी स्थिति में खूंटी क्षेत्र के लिए एक अलग डाक मंडल की मांग लगातार उठ रही है, ताकि गांव के लोगों को बेहतर डाक सेवा मिल सके।

BRIEF NEWS

राज्य के चार उपायुक्तों को मिली आपराधिक गतिविधियों को रोकने की शक्ति

RANCHI : बढ़ते अपराध और नक्सल गतिविधियों को लगाम के लिए चार जिलों के उपायुक्तों को शक्ति दी गयी है। जमशेदपुर, सिमडेगा, रामगढ़ व गढ़वा जिले के उपायुक्तों सह जिला दंडाधिकारी के पत्र के आलोक में यह कार्रवाई की गयी है। गृह विभाग के इस स्तर पर विमर्श हुआ, जिसमें यह बात सामने आयी कि इन जिलों में सामान्य दंड संहिता के सिर्फ उपयोग से अपराध या नक्सल गतिविधियों में शामिल लोगों पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता है। इसलिए अपराध नियंत्रण अधिनियम 2002 का उपयोग करते हुए चारों जिलों के डीसी को धारा 12 (2) से सीसीए लगाने का अधिकार दिया गया है। इस संबंध में बुधवार को अधिसूचना जारी की गयी है।

राज्यपाल को डीजीपी ने दिया पुलिस इ्यूटी मीट का आमंत्रण

RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से बुधवार को डीजीपी अजय कुमार सिंह ने राज भवन में भेंट की । अधिकारियों ने "पुलिस ड्यूटी मीट" में सम्मिलित होने के लिए राज्यपाल को आमंत्रित किया। रांची के डोरंडा स्थित पुलिस ड्यूटी मीट झारखंड सशस्त्र पुलिस बल जैप-1 में चार अक्टूबर से सात अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर डीजी सीआईडी अनुराग गुप्ता और आईजी सीआईडी असीम विक्रांत मिंज मौजूद थे।

कांटाटोली फ्लाईओवर को लेकर हटाया गया अतिक्रमण

RANCHI : रांची के कांटाटोली फ्लाईओवर को लेकर दंडाधिकारी और पुलिस की मौजूदगी में बुधवार को अतिक्रमण हटाया गया। बताया गया कि फ्लाईओवर का निर्माण कार्य दो रैयतों के विरोध के कारण प्रभावित हो रहा था। यह फ्लाईओवर के निर्माण में बाधक बने दो रैयतों के कब्जे से छह साल बाद अतिक्रमण कर हटाया गया। एचपीसीएल पेट्रोल पंप और वाईएमसीए की बाउंड्री से सटे अतिक्रमण को जुडको ने जिला प्रशासन की मदद से हटाया। इस दौरान पुलिस भी तैनात थी।

खेलो इंडिया महिला साइकिलिंग लीग का उद्घाटन

RANCHI : खेलो इंडिया के तहत बुधवार को खेलगांव स्थित सिद्धू कान्हू वेलोड्रोम (साइकिलिंग स्टेडियम) में दो दिवसीय इंटर जोन महिला साइकिलिंग लीग का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन झारखंड ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष शिवेंद्र दुबे ने किया। झारखंड साइकलिंग संघ के महासचिव शैलेंद्र कुमार पाठक ने जानकारी दी, कि प्रतियोगिता में झारखंड के अलावा ओडिशा, बंगाल, बिहार, मणिपुर, असम के लगभग 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस दौरान साई के सुरेंद्र प्रसाद, पुष्पा हंसदा, मनीष शवान्य समेत कई खेल प्रेमी मौजूद रहे।

उदय शंकर ओझा की पुण्यतिथि पर कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

RANCHI : कांग्रेस नेता और सामाजिक कार्यकर्ता उदय शंकर ओझा की सातवीं पुण्यतिथि पर बुधवार को कृषि बाजार पंडरा में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित अन्य पार्टी नेताओं ने ओझा के चित्र पर मालार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर राजेश ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मजदूरों के शुभचिंतक और ट्रक एसोसिएशन एवं रांची महावीर मंडल के अध्यक्ष उदय शंकर ओझा मजदूरों, गरीबों, जरूरतमंदों के बहुत बड़े मसीहा थे।

atomy
ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

गुमशुदा बच्चों की बरामदगी जल्द सुनिश्चित करें : हाईकोर्ट

चाइल्ड ट्रैफिकिंग से जुड़े मामले में हुई सुनवाई, हाजिर हुए साहिबगंज एसपी

SPECIAL REPORTER RANCHI : साहिबगंज में चाइल्ड ट्रैफिकिंग से जुड़े एक मामले में आरोपी कुलदेव साह की दो क्रिमिनल अपील की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में साहिबगंज एसपी नौशाद आलम कोर्ट में सशरीर हाजिर हुए। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि एसआई और एएसआई के नेतृत्व में एक दल बनाकर बच्चों की खोज खबर के लिए उन्हें दिल्ली भेजा गया है। वे वहां की लोकल एजेंसी के साथ मिलकर लापता बच्चों को खोज कर रहे है, लेकिन अब तक बच्चों का सुराग नहीं मिल पाया है। मामले के सह आरोपी वीरेन साह एवं पप्पू साह को गिरफ्तार कर लिया गया है। वही कुलदेव साह को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। कोर्ट ने मामले मामले की गंभीरता को देखते हुए सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन को बुलाया। कोर्ट ने एसपी साहिबगंज को निर्देश दिया कि जिन तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है उन्हें कस्टडी में लेकर लापता बच्चों

के बारे में जानकारी इकट्ठा करें और उसे दिल्ली भेजे गए दल को बताएं ताकि बच्चों की जल्द सकुशल बरामद किया जा सके। वही महाधिवक्ता ने कोर्ट को आश्वस्त किया की गुमशुदा बच्चों की तलाशी के लिए कार्रवाई तेज की जाएगी। कोर्ट ने अगली सुनवाई में साहिबगंज एसपी एवं मामले के अनुसंधानकर्ता (आईओ) को फिर से सशरीर उपस्थित रहने का निर्देश देते हुए उन्हें बच्चों की बरामदगी को लेकर अबतक की गई कार्रवाई पर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई 6 अक्टूबर निर्धारित की है। मामले की सुनवाई हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। प्रतिवादी की ओर से अधिवक्ता प्रत्यूष लाला एवं दीपक साहू ने पर पैरवी की। प्रार्थी की ओर से कोर्ट से जमानत का आग्रह किया गया था । दरअसल, कुलदेव साह व वीरेंन साह के खिलाफ परिवादी एम हेंब्रम ने साहिबगंज कोर्ट में अपने बेटे की चाइल्ड ट्रैफिकिंग करने को लेकर कंप्लेंन केस संख्या 148/ 2022 दर्ज कराई थी। उनका बच्चा वर्ष 2018 से लापता है। वहीं बोरियो थाना में कुलदेव साह एवं पप्पू साह के खिलाफ दर्ज कांड संख्या 2020/ 2022 में बी हंसदा ने अपने छोटे भाई की वर्ष 2014 में लापता होने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

अमीषा पटेल से जुड़े चेक बाउंस मामले में हुई गवाही

29 को अभिनेत्री की ओर से होगा प्रतिपरीक्षण

SPECIAL REPORTER RANCHI : चेक बाउंस से जुड़े अभिनेत्री अमीषा पटेल के मामले में बुधवार को न्यायिक दंडाधिकारी डीएन शुक्ला की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह की ओर से गवाही हुई। मामले में प्रतिवादी बनाए गये कुणाल ग्रोमर की ओर से उसका प्रति परीक्षण किया गया। अमीषा के अधिवक्ता जय प्रकाश ने अदालत से मामले में समय की मांग की। अधिवक्ता ने अदालत से कहा कि मामले में सीनियर अधिवक्ता प्रति परीक्षण करेंगे। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यह अंतिम मौका दिया जा रहा है। इसके बाद अदालत ने 29 सितम्बर की तिथि निर्धारित की। 29 सितम्बर को अमीषा पटेल एवं अमीषा पटेल प्रोडक्शन की ओर से शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह का प्रति परीक्षण किया जायेगा। दूसरी ओर अजय कुमार सिंह के अधिवक्ता विजय लक्ष्मी श्रीवास्तव ने समय मांगे जाने का विरोध किया।

क्या है मामला

फिल्म मेकर अजय कुमार सिंह ने अभिनेत्री अमीषा पटेल पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। देशी मैजिक फिल्म बनाने के नाम पर अजय कुमार सिंह से अमीषा पटेल ने दो करोड़ रुपये लिया था लेकिन वह फिल्म नहीं बनी। लौटाने के लिए जो चेक दिया गया वह बाउंस कर गया। अजय कुमार सिंह के पैसा मांगने पर अमीषा पटेल ने दो चेक दिए। दोनों चेक बाउंस हो गए। इसके बाद अजय कुमार सिंह ने अमीषा पटेल के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला 2018 दर्ज कराया था।

कुपोषण से मुक्ति के लिए टेक होम राशन सुविधा : झा

प्रेस कांफ्रेंस कर पोषण माह की जानकारी जानकारी देते शशि प्रकाश झा।

PHOTON NEWS RANCHI : समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि हर साल की तरह इस वर्ष भी पोषण माह का आयोजन पूरे प्रदेश में प्रखंड स्तर तक किया जा रहा है। इस वर्ष का थीम सुपोषित झारखंड, साक्षर झारखंड और सशक्त झारखंड है। हमने भगवान बिरसा मुंडा के पवित्र गांव से इस मिशन की शुरूआत की है। वह बुधवार को प्रोजेक्ट बिल्डिंग स्थित नये सभागार में मीडिया को पोषण माह की जानकारी दे रहे थे। शशि प्रकाश ने बताया कि लक्षित लाभार्थियों का पोषण सुधारने के लिए हमारे यहां टीएचआर यानी टेक होम राशन में उचित पोषण सुनिश्चित किया गया है। हम हर महीने 38432 आंगनबाड़ी केन्द्रों द्वारा 34 लाख से अधिक लाभार्थियों को टीएचआर के तहत सेवा प्रदान कर रहे हैं। पोषण माह के दौरान हर गोदाम की निगरानी पोषण ट्रैकर में सभी लाभार्थियों की डिजिटल डेटा एंट्री भी सुनिश्चित की गयी है ताकि हम वास्तविक समय में निगरानी कर सकें और जान सकें कि किन लोगों को टीएचआर दिया गया है।

कुपोषण को दूर करने को सरकार के बढ़ते कदम

झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत लाभुकों की प्राथमिकता सूची तैयार की गयी है, जिसमें अति विशिष्ट पिछड़ी जाति, विधवा, परित्यक्ता, ट्रांसजेंडर, 40 प्रतिशत या उससे अधिक विकलांगता वाले व्यक्ति, कैंसर, एड्स, कुष्ठ या अन्य असाध्य रोग से ग्रसित व्यक्ति के लऐ स्कूल में मध्याह्न भोजन, खाद्य सुरक्षा अधिनियम राशन कार्ड की सेवाएं प्रदान की गयी हैं। आंगनबाड़ी केन्द्रों में गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं सहित 06 माह से 06 वर्ष तक के बच्चों को पोषाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। योजनाओं में पंचायत की भूमिका को पूरी तरह से सक्रिय किया गया है। व्यापक प्रचार प्रसार किया गया जा रहा है। साथ ही जिले की वेबसाइट पर भी इसका प्रकाशन सुनिश्चित किया गया है।

देश में कृषि विकास को दिशा देने में संस्थान ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका : सीपी राधाकृष्णन

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान ने हमारे देश में कृषि विकास को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईसीएआर-एनआईएसए की सफलता इसके वैज्ञानिकों, शोधकताओं और कर्मियों के समर्पित प्रयासों से ही संभव हो सका। कृषि के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के कारण कई सफलताएं और प्रगति हुई है।

राज्यपाल बुधवार को रांची के नामकुम स्थित राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान के 100वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन।

उन्होंने कहा कि संस्थान के जरिये न केवल पारंपरिक और नए मेजबान पौधों का उपयोग करके कुसुमी और लाह की खेती, संग्रह एवं प्रसंस्करण के वैज्ञानिक पद्धति विकसित किया गया है, बल्कि इसने लाह उत्पादकों और प्रसंस्करण से जुड़े व्यक्तियों के आर्थिक उत्थान के लिए इसे प्रसारित करने में भी अहम भूमिका निभाई है। इस संस्थान के जरिये विकसित प्रौद्योगिकियों के 80 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी छोटानागपुर क्षेत्र के गरीब और सीमांत जनजातीय किसान हैं। उन्होंने हर्ष प्रकट करते हुए कहा कि विगत 99 वर्षों में, संस्थान की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 10 लाख से अधिक व्यक्तियों को कौशल प्रदान कर उनके सामाजिक-आर्थिक उन्नयन के लिए प्रयास करना सराहनीय है।

राज्यपाल ने कहा कि आज हमारा देश कच्चे लाह के उत्पादन के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी उत्पादक है, जिसका वार्षिक उत्पादन 20,000 टन से अधिक है, जो विश्व के कुल उत्पादन का लगभग 80 प्रतिशत है।

नारी शक्ति वंदन बिल का प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा ने किया स्वागत, जमकर उड़े अबीर-गुलाल

महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पित मोदी सरकार : आरती

मिठाइयां बांटकर खुशियां मनाती प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा के सदस्य।

PHOTON NEWS RANCHI : प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा ने बुधवार को उत्सव मनाकर लोकसभा में पेश नारी शक्ति वंदन बिल का स्वागत किया। प्रदेश कार्यालय में मोर्चा ने गाजे-बाजे के साथ अबीर-गुलाल लगाकर एवं मिठाइयां बांटकर खुशियां मनाई। पत्रकारों को संबोधित करते हुए महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आरती कुजूर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने महिलाओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाईं हैं। साथ ही 11 महिलाओं को कैबिनेट में जगह भी दिया है। अब नारी शक्ति वंदन अध्यादेश लाकर आधी आबादी को जो सम्मान दिया, इसके लिए केंद्र सरकार आभार। राष्ट्रीय मंत्री महिला मोर्चा की आरती सिंह ने आधी आबादी को दिये गये इस सम्मान के लिए प्रधानमंत्री को झारखंड प्रदेश की तरफ से धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान, शौचालय निर्माण, गर्भवती माताओं का सहयोग, मातृत्व अवकाश की वृद्धि, तीन तलाक की समाप्ति, उज्जवला गैस योजना, बेटी बचाव-बेटी पढ़ाओ जैसे कार्यक्रम चलाकर महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़े कार्य किए।

जान दे देंगे, लेकिन खाली नहीं करेंगे हॉस्टल नंबर-4

PHOTON NEWS RANCHI : रांची विश्वविद्यालय के हॉस्टल नंबर चार को खाली करवाने की प्रशासन की कोशिश नाकाम हो गयी। हॉस्टल खाली करवाने गयी प्रशासन की टीम को सीधे मना कर दिया। छात्रों ने एक सुर में स्पष्ट कर दिया कि जान दे देंगे, लेकिन वे हॉस्टल खाली नहीं करेंगे। वहीं प्रशासन की टीम ने हॉस्टल खाली करवाने के लिए गुरुवार को फिर आने की बात कही है। हॉस्टल नंबर चार में लगभग 100 छात्र रहते हैं। दरअसल झारखंड शिक्षा विभाग और सीसीएल के सहयोग से एक लाइब्रेरी बननी है। जिसके लिए रांची विश्वविद्यालय के जमीन को चिंहित किया गया है। लगभग एक सप्ताह से हॉस्टल नंबर चार के पास की खाली जमीन की साफ सफाई की जा रही है। इसी दौरान हॉस्टल को भी तोड़ने की बात कही जा रही है। हॉस्टल में रहने वाले छात्र गरीब परिवार से हैं। हॉस्टल में रहने वाले छात्रों का कहना है कि ये विश्वविद्यालय की जमीन है और इस पर लाइब्रेरी रांची विश्वविद्यालय बनाए। विश्वविद्यालय लाइब्रेरी के साथ हॉस्टल भी बनाएं, ताकि यहां रहने वाले गरीब छात्र रह कर पढ़ाई कर सकें। छात्रों का कहना है कि यहां शिक्षा विभाग की लाइब्रेरी ना बनाएं।

सरकारी राशि के गबन मामले में सुनील कुमार पर चलेगा मुकदमा

सीएम ने सहायक अभियंता के खिलाफ अभियोजन की दी स्वीकृति

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बरही के भवन निर्माण कार्य के क्रियान्वयन में सरकारी पद का दुरुपयोग, आपराधिक षडयंत्र धोखाधड़ी एवं प्रक्रियाओं का उल्लंघन करते हुए सरकारी राशि के गबन करने के अभियुक्त सुनील कुमार, तत्कालीन सहायक अभियंता, ग्रामीण विशेष प्रमंडल के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति का आदेश दिया है। वादी दुमरीडीह कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग के बयान के आधार पर उपरोक्त वर्णित अभियुक्त के विरुद्ध हजारीबाग जिलान्तर्गत बरही थाना कांड संख्या-379/2013 धारा 406 के अंतर्गत दर्ज किया गया है। मामले में वादी द्वारा इस प्रमण्डल के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बरही के भवन निर्माण कार्य मद में विभागीय तौर पर अग्रिम राशि देकर कार्य कराया जा रहा था। अभियुक्त के द्वारा वर्णित कार्य के विरुद्ध एक करोड़ 27 लाख रुपये मात्र अग्रिम राशि ली गई थी। एक करोड़ 27 लाख रुपये अग्रिम के विरुद्ध एक करोड़ नौ लाख 84 हजार 837 सौ रुपये समायोजन किये जाने के 17,17,167 रुपये अभियुक्त के नाम पर अभी तक लंबित पाया गया।

अल्जाइमर के बढ़ रहे मरीज, सरकारी अस्पताल में इलाज की व्यवस्था नहीं

PHOTON NEWS RANCHI : किसी भी बात को समझने, सोचने और भूलने की बीमारी अल्जाइमर के मरीजों के लिए राजधानी रांची के सरकारी अस्पतालों में कोई व्यवस्था नहीं है। रिम्स को छोड़कर सदर अस्पताल में अभी तक न्यूरोलाजी विभाग तक नहीं खोला जा सका है, जिस वजह से यहां के मरीजों को या तो रिम्स पर निर्भर रहना पड़ता है या तो उन्हें दिल्ली या बेंग्लुरू तक का सफर तय करना पड़ रहा है। दूसरी ओर निजी अस्पतालों में अल्जाइमर जैसी बीमारी का इलाज उपलब्ध है लेकिन यहां इलाज के खर्च को तय करना एक बड़ी चुनौती है। रांची के सिविल सर्जन डा. प्रभात कुमार बताते हैं कि फिलहाल अल्जाइमर जैसी बीमारी का इलाज रिम्स में उपलब्ध तो नहीं है लेकिन जल्द ही न्यूरोलाजी विभाग खोलने की तैयारी है। जिसमें निजी डाक्टरों को अनुबंध में रख मरीजों का इलाज करवाया जाएगा। फिलहाल रिम्स के अलावा रिनपास और सीआईपी कांके में बीमारी के इलाज की व्यवस्था की जा रही है। राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स में अल्जाइमर के काफी मरीज इलाज के लिए आते हैं। पिछले एक माह में करीब 500 अल्जाइमर के मरीज रिम्स में इलाज करवाने पहुंचे। जिनमें बच्चे से लेकर बुजूर्ग वर्ग के मरीज शामिल हैं।

न्यूनतम तीन साल और अधिकतम नौ साल मिलेगा वेटेज, हाल ही में सभी को आईपीएस का मिला था रैंक, गृह मंत्रालय ने जारी किया आदेश

प्रमोशन पाकर IPS बने 25 पुलिस अधिकारियों का हुआ बैच अलॉटमेंट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड कैडर के 25 आईपीएस अधिकारियों की वरीयता (सीनियॉरिटी) तय हो गई है। झारखंड सरकार ने इस संबंध में केंद्र सरकार को 13 और 14 सितंबर को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि राज्य पुलिस सेवा (एसपीएस) के जिन अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में प्रोन्नत किया गया है, उनकी वरीयता/अलॉटमेंट का साल तय किया जाए। इन दोनों पत्रों के आलोक में केंद्र सरकार ने वर्ष 2016 से 2020 के बीच जिन लोगों को आईपीएस में प्रोन्नत किया था, उनकी वरीयता तय कर

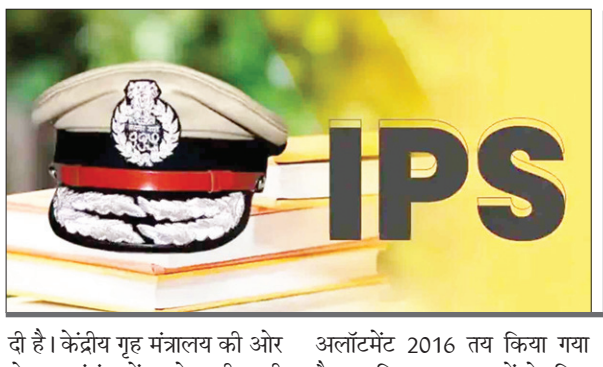

आईपीएस सरोजिनी लकड़ा को आवंटित हुआ 2014 बैच

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने झारखंड राज्य पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा में प्रोन्नत किए गए अधिकारियों के ईयर ऑफ अलॉटमेंट की लिस्ट भी जारी कर दी है। सरोजिनी लकड़ा को 2014 बैच मिला है। आनंद प्रकाश को 2012। एमेल्डा एक्का, सादिक अनवर रिजवी, अरविंद कुमार सिंह, विकास कुमार पांडेय और विजय आशीष कुजूर का ईयर ऑफ अलॉटमेंट 2014 तय किया गया है। गृह मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि उनकी सीनियॉरिटी क्या होगी। इसके मुताबिक, झारखंड कैडर के आनंद प्रकाश आईपीएस अधिकारी मोहम्मद अर्शी से जूनियर और झारखंड कैडर के वर्ष 2013 बैच के आईपीएस अंशुमान कुमार से सीनियर होंगे। अजय कुमार-1, आरिफ एकराम, डॉ बिमल कुमार, मनीष टोप्पो, कैलाश करमाली और पीतांबर सिंह खरवार को वर्ष 2017 बैच आवंटित हुआ है।

दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है। इस आदेश के मुताबिक, एक अधिकारी का ईयर ऑफ अलॉटमेंट 2012 तय किया गया है। छह का 2014, एक दर्जन अधिकारियों का ईयर ऑफ अलॉटमेंट 2016 तय किया गया है, जबकि छह अफसरों के लिए यह साल 2017 तय हुआ है। वर्ष 2016 बैच के अफसर का ईयर ऑफ अलॉटमेंट 2012 तय किया गया है, जबकि वर्ष 2017 बैच के छह अफसरों का 2014, वर्ष 2019 बैच के 12 अफसरों का वर्ष 2016 और वर्ष 2020 बैच के छह अफसरों का ईयर ऑफ अलॉटमेंट 2017 फिक्स किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आदेश में बताया गया है कि कितने साल की सेवा करने वालों को कितना वेटेज (वर्ष में) मिलेगा। इसके मुताबिक, 12 साल की सेवा पूरी कर चुके अधिकारियों को न्यूनतम तीन साल का वेटेज मिलेगा, जबकि 15 साल की सेवा पूरी करने वालों को चार साल, 18 साल की सेवा पूरी कर चुके अफसरों को पांच साल, 21 साल की सेवा वाले अधिकारियों को छह साल, 23 साल की सेवा वाले अफसरों को सात साल, 25 साल की सेवा पूरी कर चुके अधिकारियों को आठ साल और 27 साल की सेवा पूरी कर चुके अधिकारियों को नौ साल का वेटेज मिलेगा। इसमें कहा गया है कि किसी भी अधिकारी को अधिकतम नौ साल का ही वेटेज मिलेगा।

BRIEF NEWS

विरमित्रपुर में फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

ROURKELA : पश्चिम ओडिशा के पर्व नुआखाई उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विरमित्रपुर नगर पालिका अंतर्गत वार्ड नंबर 4 हल्दिया दफाई में एक फुटबॉल टूनामेंट का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एस दीप थे। कार्यक्रम का संचालन छात्र नेता चेतन तिवारी द्वारा किया गया। इस टूनामेंट को देखने के लिए भारी संख्या में लोग जुटे और खेल का आनंद लिया

मानसिक रूप से बीमार युवक लापता

CHAIBASA : चाईबासा के गाड़ीखाना निवासी शकुंतला करवा ने अपने 25 वर्षीय पुत्र अजय करवा की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करने के लिए सदर थाना प्रभारी को आवेदन दिया है। उन्होंने अपने आवेदन में कहा है उनका 25 वर्षीय पुत्र अजय करवा 18 सितंबर से लापता है। वह मानसिक रूप से बीमार है तथा उसका इलाज भी चल रहा है। उसे 18 सितंबर को बस स्टैंड में अंतिम बार देखा गया था। उसके बाद से वह लापता है। काफी खोजबीन करने के बाद भी उसका पता नहीं चला है। उन्होंने अपने आवेदन में कहा है कि उनके पुत्र के गुमशुदा होने से परिजन काफी चिंतित हैं। उन्होंने सदर थाना प्रभारी से अपने पुत्र को खोजने की गुहार लगाई है।

जायंट्स ग्रुप के सदस्यों ने किया 24 यूनिट रक्तदान

CHAIBASA : जायंट्स सेवा सप्ताह के दौरान बुधवार को जायंट्स ग्रुप ऑफ चाईबासा ने चौथे दिन सुबह 10 बजे से स्थानीय सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इसमें 24 यूनिट ब्लड जमा किया गया। रक्त दाता के रूप पंकज कुमार सिंह , मुकेश कुमार कालिंदी , गिरीश वेगड़, प्रकाश रजक, रिंकू महतो, मानसिंह बनरा, सिंगराई जमुदा, बिमलेश कुमार गोप, बबलू गोप, प्रेम निषाद, गणेश सोय, जयचंद सिंह , शलमी देवी एवं अन्य भी थे। इससे पहले तीसरे दिन 19 सितंबर को जायंट्स ग्रुप ने 200 लोगों को खाना का पैकेट बांटा। उल्लेखनीय है कि जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन प्रतिवर्ष 17 सितंबर से 23 सितंबर तक जायंट्स सेवा सप्ताह मना रहा है। इसमें भारत ही नहीं अपितु विदेशों में भी मौजूद जायंट्स ग्रुप के सदस्य सामाजिक कार्यों को करने को प्रतिबद्ध हैं। यह अभियान जायंट्स ग्रुप ऑफ चाईबासा की रश्मि आहूजा और पंकज कुमार सिंह के नेतृत्व में हुआ। साथ ही फेडरेशन अधिकारी आफताब आलम, टी जानकी राव, गिरीश वेगड़, सौरव कुमार गुप्ता, सुभाष पोद्दार, विवेक दोदराजका, रवि साव एवं अन्य सदस्यों ने भी अपनी भागीदारी निभाई।

मझगांव प्रखंड के घोड़ाबंधा पंचायत स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए विधायक, बोले

आदिवासी का बेटे HEMANT SOREN को भाजपा परेशान कर सकती है, पराजित नहीं : निरल पूर्ति

PHOTON NEWS CHAIBASA : मझगांव प्रखंड झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड समिति की ओर से घोड़ाबंधा पंचायत के हेपरबुरु स्कूल मैदान में पंचायत स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में मझगांव विधानसभा के विधायक निरल पूर्ति शामिल हुए।

विधायक निरल पूर्ति ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सीबीआई, ईडी के द्वारा एक आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रताड़ित करने का काम कर रही है। जिस तेजी के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड राज्य में आदिवासियों के हित में कम कर रहे हैं, इससे भाजपा की केंद्र सरकार को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। भाजपा की ओर से दो आदिवासी सीएम रह चुके। उसमें पहला मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी खुद थे। उन्होंने आदिवासियों के लिए क्या किया। आज संकल्प यात्रा निकालकर आदिवासियों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन जो लकीर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा आदिवासी के हित में खींच दिया गया है उसको पार करना किसी की बस की बात नहीं है। आप आदिवासी के बेटे को परेशान कर सकते हैं पराजित नहीं।

कार्यकर्ता सम्मेलन में जनसभा को संबोधित करते विधायक निरल पूर्ति। • फोटोन न्यूज

कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधायक निरल पूर्ति ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए कार्यकर्ता सक्रिय हो जाए। झामुमो कार्यकर्ता एक-एक पंचायत और एक-एक बूथ को मजबूत करने में लगें। हर बूथ में कम से कम 10 सक्रिय कार्यकर्ता निश्चित रूप से होना चाहिए। जिससे आने वाले चुनाव में हम हर बूथ पर झामुमो की मजबूत पकड़ रहे।

सभी झामुमो सक्रिय कार्यकर्ता झारखंड सरकार की ओर से चलाई जा रही है जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाये। साथ ही जिनको भी जरूरत हो उन्हें सरकारी लाभ दिलाने का प्रयास करें । झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का प्रयास है कि समाज में अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचे। इसी को देखते हुए आपकी योजना, आपके द्वार, आपकी सरकार जैसे बड़े कार्यक्रम आयोजित कर गांव-गांव में लोगों को लाभ पहुंचाने का काम किया गया। यह झारखंड का इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ है। जो जनता अपने पेंशन, राशन कार्ड, आधार कार्ड, जाति, आय समेत अन्य चीजों के लिए पंचायत और प्रखंड कार्यालय का लगातार चक्कर लगाते थे। उनके द्वार पर ही सरकार ने योजना का लाभ पहुंचा दिया। सर्वजन पेंशन योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थियों को उनका हक देने का काम किया है।

इसके अलावा सभी बीपीएल परिवार को धोती साड़ी योजना, सावित्रीबाई फुले योजना, बकरी पालन, गाय पालन समेत दर्जनों योजना जनता की सुविधा के लिए सरकार ने उनके घर तक पहुंचा। वर्तमान समय ही प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन कर बीमार व्यक्ति और परिवार को उनके घर में इलाज सुनिश्चित किया जा रहा है।

इन योजनाओं की जानकारी हम विधानसभा के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाएं। झारखंड सरकार ने आदिवासी दलित गरीब परिवार के होनहार छात्रों के लिए विदेश में पढ़ाई का पूरा खर्च उठा रही है। उनकी जानकारी हम गांव-गांव तक पहुंचाएं। जिससे प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को विदेश में मुफ्त में पढ़ने का मौका मिल सके।

इस मौके पर जिला परिषद सदस्य पूनम जेराई, प्रखंड प्रमुख सरस्वती चातार, मुखिया विवेक पूर्ति, सोनासिंह पिंगुआ , राजेश पिंगुआ शोभन पूर्ति, गोकुल पोलाई, शेख अजीजुल, मुजाहिद अहमद ,जावेद अहमद समेत अन्य झामुमो कार्यकर्ता मौजूद थे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत बैकुंठ घाट की हुई सफाई

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला इस्पात संयंत्र के इंजीनियरिंग विभाग की जन स्वास्थ्य इकाई ने बुधवार को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में सक्रिय रूप से शामिल हुआ। मुख्य महा प्रबंधक पीके स्वाईं ने हाल ही में बैकुंठ घाट क्षेत्र, सेक्टर-20 में आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम की अध्यक्षता की। स्थानीय निवासियों ने वरिष्ठ तकनीशियन निरंजन धल के नेतृत्व में स्वेच्छापूर्वक बैकुंठ घाट की सफाई की। साथ ही घाट और आसपास के इलाकों की भी सफाई की। उन्होंने पास की नदी तल में जमा कूड़ा-कचरा हटाया। क्षेत्र को स्वच्छ और मच्छर मुक्त बनाने के लिए पेड़ों की छंटाई की गई और झाड़ियाँ एवं लकड़ियों को काटा गया।

घाट की सफाई करते कार्यकर्ता। • फोटोन न्यूज

18.89 किलोग्राम गांजा के साथ एक गिरफ्तार

ROURKELA : राउरकेला आबकारी विभाग के कर्मियों ने 18.89 किलोग्राम गांजा बुधवार को जब्त किया है। टिम्बर कॉलोनी के पास बाइक में 'गांजा' ले जा रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया। बाइक जब्त की गई जिसका इस्तेमाल गांजा परिवहन में किया गया था। राउरकेला सेक्टर-6 के आरोपी गोंगा सूना को न्यायालय में पेश किया गया।

राउरकेला पहुंची वंदे भारत एक्सप्रेस, सफल रहा ट्रायल रन

PHOTON NEWS ROURKELA : दक्षिण पूर्व रेलवे जोन का तीसरा वंदेभारत एकसप्रेस पुरी-राउरकेला रूट पर शुरू होने जा रही है। पुरी-राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस का ट्रायल रन बुधवार को हुआ। यह सेमी-हाई स्पीड ट्रेन सुबह 5 बजे पुरी से रवाना हुई और 12:45 बजे राउरकेला पहुंची। बाद में ट्रेन दोपहर दो बजे राउरकेला से पुरी के लिए रवाना हुई। उम्मीद है कि 30 सितंबर से बंदे भारत एक्सप्रेस नियमित रूप से चलेगी। ट्रेन खुर्दा रोड, भुवनेश्वर, कटक, ढेंकनाल, अंगुल, संबलपुर, झारसुगुड़ा और अंत में राउरकेला में रूकेगी।

वंदे भारत एक्सप्रेस राउरकेला पहुचने पर लगी भीड़। • फोटोन न्यूज

कुआरमुंडा ब्लॉक में ड्रैगन फ्रूट की खेती, बाजार में मांग भी बेहतर

PHOTON NEWS ROURKELA : सुंदरगढ़ जिले के कुआरमुंडा ब्लॉक में ड्रैगन फ्रूट की खेती खूब हो रही है। पहले ड्रैगन फ्रूट की खेती ओडिशा के विभिन्न जिलों में हो रही थी, लेकिन अब सुंदरगढ़ जिले में इसकी शुरूआत हो गई है। कुआरमुंडा ब्लॉक की कुमझरिया पंचायत के राईचपला खेती शुरू हुई है। राउरकेला के एक किसान ने सबसे पहले एक एकड़ जमीन पर ड्रैगन फ्रूट की खेती की है। फल मई महीना से अक्टूबर के बीच फलता है। अपने औषधीय गुणों और अच्छे स्वाद के कारण राउरकेला बाजार में 200 से 250 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रहा है। ड्रैगन फ्रूट की खेती पहले कर्नाटक राज्य में बड़े पैमाने पर की जाती थी। अब यह ओडिशा के कोरापुट, कंधमाल, गजपति, बरगढ़ जिलों में किया जा रहा था वहीं अब यह सुंदरगढ़ जिले में शुरू हो गया है।

खेत में लगे ड्रैगन फ्रूट। • फोटोन न्यूज

उत्साह के साथ मना नुआखाई, मंदिरों में हुई पूजा-अर्चना

ROURKELA : पश्चिम ओडिशा का पर्व नुआखाई उत्साह और उमंग के साथ बुधवार को मनाया गया। शहर के मां समलेई मंदिर में पूजा-अर्चना हुई। हनुमान बाटिका में नुआखाई उत्सव भारी उत्साह और विभिन्न कार्यक्रम के साथ हुए। भक्तों ने मां का आशीर्वाद लिया और नबन्ना प्रसाद का सेवन किया।

बकाया भुगतान को लेकर मजदूरों ने रोका निर्माण कार्य, पांच दिनों में राशि निर्गत करने का निर्देश

विधायक के हस्तक्षेप के बाद सुलझा मजदूरों के बकाया भुगतान का मामला

PHOTON NEWS CHAIBASA : सदर प्रखंड अंतर्गत उलीझारी गांव में बन रहे मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण कार्य को मजदूरों ने ठप कर दिया। वहां कार्यरत मजदूरों ने अपनी बकाया मजदूरी भुगतान को लेकर आंदोलनरत थे। चुकी कई मजदूरों को कंपनी के ठेकेदारों द्वारा करीब 3 माह का मजदूरी भुगतान नहीं किया गया है। यही नहीं कंपनी के ठेकेदार वहां से गायब हो गए हैं। जिस कारण वहां कार्यरत मजदूरों की स्थिति दयनीय हो गई है। इससे नाराज व आक्रोशित मजदूरों ने विगत मंगलवार से निर्माण कार्य को ठप कर दिया है। मंगलवार को सदर अंचल अधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी मजदूरों को समझाने पहुंचे हुए थे।

मामले को सुलझाने पहुंचे विधायक व अन्य। • फोटोन न्यूज

लेकिन मजदूर टस से मस तक नहीं हुए। आक्रोशित मजदूरों ने बुधवार को भी कंपनी के मुख्य द्वार पर चूल्हा चौकी जलाकर आवागमन को ठप कर दिया।

इसकी खबर पाकर सदर अंचल के सीओ, सदर एसडीपीओ दिलीप खलको, इंस्पेक्टर खुर्शीद आलम समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी पहुंच गए। उन्होंने मजदूरों को समझाने का प्रयास किया। इसकी जानकारी पाकर विधायक दीपक बिरुवा भी वहां पहुंच गए। जहां उनके हस्तक्षेप के बाद मामला को सुलझाया गया। विधायक जी ने मजदूरों को समझाने-बुझाने के बाद बकाया भुगतान दिलाने का भरोसा दिया।

वहीं विधायक ने निर्माण कंपनी के पदाधिकारियों के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए 5 दिन के अंदर बकाया मजदूरी भुगतान करने का सख्त निर्देश दिया। साथ ही निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के साथ गलत व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी एवं ससमय मजदूरी भुगतान करने का निर्देश दिया। कंस्ट्रक्शन कंपनी के लोगों ने विधायक की बातों को मानते हुए 5 दिनों के अंदर बकाया भुगतान करने का आश्वासन दिया। इसके बाद मजदूर भी मान गए और आगे का कार्य को जारी रखने का निर्णय लिया। मौके पर सदर एसडीपीओ दिलीप खलको, जिला बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति सदस्य सुभाष बनर्जी समेत अन्य शामिल थे।

XLRI में सीएचआरओ कॉन्क्लेव क्रोनोस 2023 का समापन, वक्ताओं ने कहा एचआर सिस्टम में AI का बढ़ेगा दखल

भविष्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का, डेटा संरक्षण सबसे महत्वपूर्ण, टाटा समूह की हर पॉलिसी बेहतरीन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : एक्सएलआरआइ में सीएचआरओ कॉन्क्लेव क्रोनोस 2023 का समापन बुधवार को हो गया। इस एचआर कॉन्क्लेव में दुनिया भर की कंपनियों में एचआर के क्षेत्र में होने वाली बेस्ट प्रैक्टिस पर सभी वक्ताओं ने चर्चा की। आई एंड मेटावर्स इनोवेशन थीम पर आयोजित तीन सत्रों में कॉन्क्लेव आयोजित हुआ। पहले पैनल डिस्कशन का शीर्षक 'एचआर में एआई एथिक्सः स्ट्राइकिंग द बैलेंस' था। जिसमें वक्ता के रूप में टाटा स्टील लांग प्रोडक्ट्स के चीफ पीपुल ऑफिसर मोहम्मद राशिद जाफरी ने एचआर में डेटा ड्रिवेन डिसीजन मेकिंग व टेक्नोलॉजी में होने वाले बदलावों में गोपनीयता और संस्कृति के महत्व पर बल दिया। उन्होंने टाटा घराने के बेहतरीन एचआर सिस्टम का भी उदाहरण प्रस्तुत किया। मौके पर होमफर्स्ट के सीएचआरओ रामकृष्ण व्यामजाला ने एचआर रणनीतियों पर एआई के प्रभाव पर चर्चा की, जिसमें नई नियुक्तियों के साथ मौजूदा प्रतिभा को संतुलित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

एक्सएलआरआई में कार्यक्रम के बाद ग्रुप फोटो के लिए एकत्र हुए वक्त और श्रोता। • फोटोन न्यूज

डिजिटल डेटा की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण : रुचिरा भारद्वाज, सीएचआरओ, कोटक लाइफ ने एआई से उत्पन्न पूर्वाग्रहों और सहयोग और डिजिटल डेटा सुरक्षा की आवश्यकता को संबोधित किया। अभिषेक तिवारी, सीनियर वीपी एचआर, टेक महिंद्रा, ने प्रतिभा अधिग्रहण, आभासी कार्यालयों और प्रदर्शन प्रबंधन प्रणालियों में एआई की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया, व्यक्तिगत सीखने और कार्यबल रुझानों पर नजर रखने पर जोर दिया। नेहा दीक्षित, वीपी-एचआर, सिंपल, ने व्यक्तिगत प्रशिक्षण और एचआर में ड्राइविंग निष्कर्षों के लिए डार्क डेटा के उपयोग पर जोर दिया। शनील वर्मा, सीएचआरओ, टर्टलमिंट ने संगठनों में एक स्क्रीनिंग टूल, कानूनी ढांचे और गोपनीयता संबंधी चिंताओं के रूप में एआई पर चर्चा की।

कर्मचारियों का प्रशिक्षण बेहद जरूरीः रूचि धवन

मेटावर्स युग में अपस्किलिंग और रीस्किलिंग₹ शीर्षक वाले दूसरे पैनल चर्चा में निम्नलिखित वक्ता शामिल थे, रूपेश त्रिपाठी, पार्टनर एचआर, केपीएमजी जीएस, ने चुनौतीपूर्ण वातावरण में दूरस्थ प्रशिक्षण के लिए मेटावर्स के उपयोग और व्यक्तिगत सीखने के लिए एआर/वीआर की क्षमता पर प्रकाश डाला। रुचि धवन शर्मा, वीपी और हेड एचआर, इंडिगो ने विमानन में प्रौद्योगिकी अपनाने और ग्राहक सेवा एजेंटों को प्रशिक्षित करने में एआर/वीआर की भूमिका पर प्रकाश डाला। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के मानव संसाधन निर्देशक आशीष भल्ला ने लगातार बदलते परिवेश, सरेंखण और आरओआई संकेतकों में कौशल बढ़ाने पर जोर दिया। गौरव सैनी, सीएचआरओ, एचएमडी ग्लोबल नोकिया फोन्स- एपीएसी और एमईए ने विभिन्न भूमिकाओं के लिए अलग-अलग योग्यता हासिल करने और कौशल बढ़ाने के बारे में बात की। ट्राइडेंट लिमिटेड के प्रतिभा अधिग्रहण निर्देशक गुंजन जोशी ने विनिर्माण क्षेत्र के उदाहरणों के साथ अनावश्यक नौकरियों को हटाने में प्रौद्योगिकी की दक्षता पर चर्चा की। करण लखानी, सीएचआरओ, टाटा स्टील डाउनस्ट्रीम प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने मानव प्रशिक्षण के साथ प्रौद्योगिकी के एकीकरण और प्रशिक्षण पैकेजों के लिए वीआर + एआई की क्षमता पर चर्चा की।

भविष्य में एआई की भूमिका होगी महत्वपूर्ण : तीसरे पैनल चर्चा, 'वर्चुअल वर्क स्पेस में विविधता और समावेशन का प्रबंधन' में निम्नलिखित वक्ता जयदीप चटर्जी, सीएचआरओ, एसआरईआई ने जटिल संस्कृतियों में एआई और मेटावर्स समाधान और ऑडिट और वित्तीय जोखिम विश्लेषण के लिए उनकी प्रासंगिकता पर चर्चा की। सौमित्र दास, ग्लोबल सीएचआरओ, रेडिंगटन लिमिटेड ने आभासी कार्यक्षेत्र, संस्कृति और नेतृत्व में प्रतिस्पर्धात्मकता और रुझानों के लिए डिजिटल एल्गोरिदम पर जोर दिया। कंचन बनर्जी, सीएचआरओ, वेदांत फैशन- मान्यवर मोहे, ने निर्णय लेने और मानव संसाधन प्रबंधन में एआई की भूमिका के बारे में बताते हुए कहा कि भविष्य एआई का होगा। प्रिया रंजन, वीपी एचआर, जेएसडब्ल्यू स्टील ने डेटा-संचालित अंतर्दृष्टि और विविधता और समावेशिता में एआई की भूमिका पर चर्चा की।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टोंटो को जल्द मिलेगी एम्बुलेंस : विधायक

दीप जलाकर मेले का उद्घाटन करते विधायक दीपक बिरुवा। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम का सुदूरवर्ती क्षेत्र टोंटो प्रखंड को विधायक निधि से एम्बुलेंस जल्द मिलने वाली है। बुधवार को प्रखंड परिसर में आयोजित प्रखंड स्तरीय स्वस्थ मेला का उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक दीपक बिरुवा ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि सुदूरवर्ती क्षेत्र होने के कारण जरूरत के हिसाब से लोगों का समुचित इलाज नहीं हो पा रहा है। यहां तैनात चिकित्सकों के लिए भी यह चुनौती बनी हुई है। इसे देखते हुए बहुत जल्द सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को विधायक निधि से एक एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाएगी। ताकि यहां के लोगों को इसका लाभ मिल सके। जर्जर प्रखंड कार्यालय को देखते हुए नए प्रखंड भवन निर्माण के लिए जल्द ही मुख्यमंत्री को पत्र लिखने की बात कही।

वहीं विधायक जी ने ग्रामीणों से कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को उनका हक मिल सके, इसके लिए हमारी सरकार प्रखंड स्तर पर स्वस्थ मेला का आयोजन कर रही है। इसका लाभ अधिक से अधिक लोगों को लेना चाहिए। चूंकि गरीबी व जागरूकता की कमी के कारण कई लोग गंभीर रोग से ग्रसित होने के बावजूद अपना जांच व इलाज करवाने अस्पताल तक नहीं पहुंच पाते हैं। माननीय विधायक ने फीता काटकर स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन किया। तत्पश्चात विधिवत दीप जलाकर इसकी शुरूआत की। इसके पूर्व पहले प्रखंड विकास पदाधिकारी अनुप्रिया ने विधायक का पौधा देकर स्वागत किया।

मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बलराम माझी, जिला परिषद सदस्य राज नारायण तुबिद, प्रखंड प्रमुख अनीता बारी, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष मुन्ना सुंडी, बीपीएम रतन देवगम, झामुमो नेता तुराम बिरुली समेत सभी पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, मानकी मुंडा व अन्य उपस्थित थे।

मुजफ्फरपुर में सर्च ऑपरेशन जारी

4 लापता हैं: छठे दिन मिला 8वां शव, समस्तीपुर बॉर्डर तक बढ़ा सर्च ऑपरेशन

मुजफ्फरपुर। नाव हादसे में 6 दिनों में अब तक 8 शव ही बरामद किया जा सका है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है। हादसे में डूबने वालों में 4 लोग अब भी लापता हैं। सभी की तलाश के लिए 7वें दिन भी सर्च ऑपरेशन जारी है। सर्च ऑपरेशन को अब समस्तीपुर बॉर्डर तक बढ़ा दिया गया है।

अब तक के सर्च ऑपरेशन जिनके शव मिले हैं उनमें चार साल का अजमत, 11 साल का वसीम, पिंटू (20), शमसुल (40), सुष्मिता(16), राधा और बेबी कुमारी शामिल हैं। पांचवें दिन शाम होने के बाद रेस्क्यू अभियान रोक दिया गया था। 6वें दिन सुबह-सुबह शिवजी चौपाल का डेड बॉडी मिली है। ये 4 लोग अब भी लापता हैं- कामिनी कुमारी (16), सजदा बानो (16), गीता देवी, रितेश कुमार भटगामा में गुरुवार को हुए नाव हादसे के बाद लापता 12 लोगों की खोज में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। पहले दिन एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम नाकाम रही। दूसरे दिन घटनास्थल के पास ही पिंटू और शमसुल का शव नदी मिला। इसके बाद, घटनास्थल से तीन किमी दूर अजमत का शव बरामद हुआ। शाम करीब चार बजे पांच किमी दूर दरभंगा जिले के रुपौली से वसीम का शव बरामद किया गया। इसके बाद तीसरे दिन सुबह से सर्च अभियान चलाया गया। इसमें सुष्मिता का शव बरामद किया गया। जबकि, चौथे दिन घटनास्थल से करीब 20 किमी की दूरी पर राधा का शव बरामद किया गया। वहीं, पांचवे दिन बेबी का शव बरामद हुआ।

सभी शवों का पोस्टमॉर्टम गायघाट पीएचसी में कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम मौके पर कैंप कर रही है। सर्च ऑपरेशन लेख सभी लापता लोगों की तलाश तक जारी रखने का निर्णय लिया गया है। पीड़ित परिजनों को सीओ राघवेंद्र कुमार राघवन ने चार-चार लाख रुपए के चेक दिए। लापता सभी लोगों के मिलने तक सर्च ऑपरेशन जारी रखा जाएगा। बताते चले कि घटना के बाद से सिविल सर्जन डॉ यूसी शर्मा इलाके की पल पल की रिपोर्ट ले रहे है। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया। उनके साथ मेडिकल की अन्य टीम भी शामिल थी। साथ में मेडिकल किट भी लाया गया। उन्होंने बताया की घटनास्थल पर दो टीम लगाई गई है। मेडिकल किट उपलब्ध कराया गया है। 24 घंटे एंबुलेंस की भी व्यवस्था है। पीएचसी को भी अलर्ट पर रहने को कहा गया है। घटना के 6वें दिन भी मधुरपट्टी घाट के तरफ सैकड़ों लोगों की भीड़ जमी रही। बीच- बीच में शव मिलने की अफवाह पर लोग दौड़ने लगते थे। पीड़ित परिवारों को यह डर सता रहा है कि अपने घर की लक्ष्मी या चिराग का अंतिम बार चेहरा भी देख पाएंगे या नहीं। हालांकि, उनको अभी भी ग्रामीण ढांढस बंधा रहे हैं।

महिला को देखने को लेकर खूनी संघर्ष

भोजपुर । महिला को देखने के विवाद में मंगलवार देर शाम एक परिवार के पांच लोगों की बेहरमी से पिटाई कर दी गई । मारपीट के दौरान के एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष के घर में जमकर रोड़ेबाजी की गई। जिसके बाद मामला शांत होने के बाद सभी जख्मियों को इलाज के लिए जगदीशपुर रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद सभी को आरा रेफर कर दिया गया । मामला जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर वार्डझ1 का है। जख्मियों में जगदीशपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर वार्ड एक निवासी मोहन सिंह के 40 वर्षीय पत्नी सुनीता देवी,21 वर्षीय पुत्री कंचन कुमारी,18 वर्षीय पुत्र कृष्ण कुमार और बक्सर जिले नवानगर थाना क्षेत्र के सलसला गांव निवासी कुश कुमार की 35 वर्षीय पत्नी राज कुमारी देवी समेत पांच लोग शामिल है । जख्मी महिला सुनीता देवी के सगी बहन है । इधर,जख्मी युवक कृष्ण कुमार ने बताया की उनकी मां बारिश होने के बाद छत के रेलिंग पर खड़े होकर साफ कर रही थी। इसी बीच पड़ोसी के एक वहां खड़ा होकर मां को देख रहा था,तभी मां ने उस लड़के को टोका तो ।उसी के गुस्से में आकर अपना पूरा परिवार और अन्य साथियों को बुलाकर गालीझगलौज करना शुरू कर दी ।जब हम लोगों ने इसका विरोध किया तो ।उक्त लोगों के द्वारा घर पर ईंट बाजी करना शुरू कर दिया । ईंट लगने के मेरी बहन कंचन कुमारी के आंख में गंभीर चोटे आई है । जबकि पड़ोसियों के द्वारा घर में जबरन घुसकर लाठीझडंडे से मां,मौसी और मुझे पिटाई कर दी है। इस घटना में मांझबेटी को काफी गंभीर चोटे है है । आरा सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टरों की देखरेख में इलाज कराया जा रहा है ।

बिहार के 33 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट

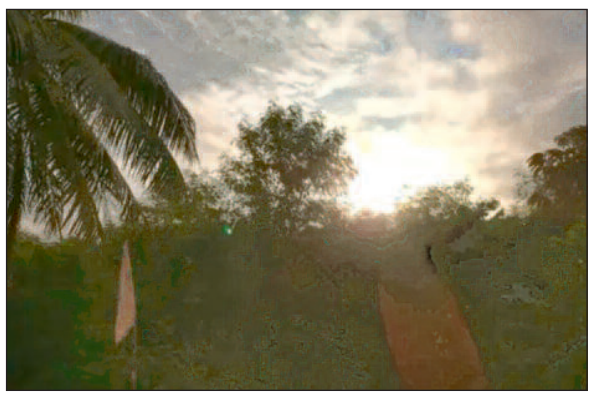

पटना। बिहार में मानसून एक बार फिर से एक्टिव होने जा रहा है। मौसम विभाग ने इस हफ्ते प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने आज 33 जिलों में आकाशीय बिजली के साथ हल्की बारिश की भी संभावना जताई है। पटना, गया, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, सुपौल, सहरसा, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार समेत 33 जिलों में आकाशीय बिजली के साथ-साथ बारिश की संभावना जताई गई है। 21 से 23 सितंबर तक राज्य के लगभग सभी जिलों में बारिश हो सकती है। 21 से 23 सितंबर को अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार और भागलपुर में भारी बारिश की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो राज्य में अगले 48 घंटे में बारिश संबंधित गतिविधियों में एक बार फिर से इजाफा देखने को मिलेगा। गुरुवार से प्रदेश के कई जिलों में मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग ने गुरुवार को सीमांचल और पूर्वी बिहार के पांच जिलों तो शुक्रवार को चार जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान राजधानी पटना और आसपास के इलाकों में भी अच्छी बारिश की संभावना है। बिहार में 1 जून से 19 सितंबर तक सामान्य से 30 प्रतिशत कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार मानसून की इस अवधि में राज्य में सामान्य रूप से 919.9 मिलीमीटर बारिश का रिकॉर्ड है, लेकिन इस वर्ष अब तक सिर्फ 640.2 मिलीमीटर बारिश ही हुई है। राज्य में पिछले 24 घंटे में 37 डिग्री सेल्सियस के साथ सीतामढ़ी सबसे गर्म रहा। इस दौरान पटना का अधिकतम तापमान 35.2, मुजफ्फरपुर का 33, गया का 34.7, औरंगाबाद का 33.3, बक्सर का 34.8, कटिहार का 35.1 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं पूर्णिया का 35.7, भागलपुर का 35.6, शेखपुरा का 34.1,दरभंगा का 36.6, मोतिहारी का 36.3, वाल्मीकिनगर का 26 और सुपौल का 36.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पटना में आज दिन भर बादलों की आवाजाही लगी रहेगी और हल्की बारिश की भी संभावना जताई गई है।

संक्षिप्त डायरी

ग्रामीण डाक सेवक की 100 सीट पर 98 का चयन

मोतिहारी । भारतीय डाक विभाग द्वारा चंपारण प्रमंडल के लिए निकाले गए ग्रामीण डाक सेवक की वैकेंसी में चयनित अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों की जांच की गई, जिसके बाद सभी अधिकारियों के होश उड़ गए। अधिकतर अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्र एक हीं पैटर्न के देखने को मिले जिसके कारण अधिकारियों के कान खड़े हो गए हैं। अधिकतर अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्र जम्मू कश्मीर स्टेट ओपन स्कूल और द वेस्ट बंगाल काउंसिल ऑफ रविंद्र ओपन स्कूलिंग के हैं। जांच के दौरान पता चला की जितने भी अभ्यर्थी चयन हुए हैं, सभी को 98 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक मार्कस हैं। कई के गणित में 100 प्रतिशत, तो हिंदी, एसएसटी, विज्ञान और अंग्रेजी में 99 प्रतिशत अंक हैं। यही नहीं चयनित अभ्यर्थियों में कई ने अपने अपने शपथ पत्र में थाना, तो कई ने अपने गांव और जिला का नाम गलत भरा था। ऐसे चयनित अभ्यर्थी मंगलवार को प्रमाणपत्रों की जांच कराने डाक अधीक्षक के कार्यालय पहुंचे थे। उनके प्रमाणपत्रों पर डाक अधीक्षक ने भी शंका जाहिर की है। चंपारण प्रमंडल के डाक अधीक्षक डॉ.आशुतोष आदित्य ने बताया कि अधिकतर चयनित अभ्यर्थियों की योग्यता को देखते हुए इनके प्रमाण पत्र प्रथम द्दष्ट्या फर्जी प्रतीत हो रहे हैं। वरीय अधिकारियों से दिशा निर्देश मांगा जा रहा है। साथ ही अविलंब इसकी जांच कराई जाएगी। जिला में ग्रामीण डाक सेवक के 100 पदों पर वैकेंसी निकली थी। 98 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। अभी जो इन अभ्यर्थियों से शपथ पत्र लिया गया तो शपथ पत्र में नाम और पता आदि लिखने में गड़बड़ी हुई। यह जांच का विषय है। इससे पहले भी एक फर्जी प्रमाणपत्र पर बहाल हुए ग्रामीण डाक पर एफआईआर कराई गई है। अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्रों की जांच की जा रही है। फर्जी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

नालंदा में क्लीनिक संचालक को गोली मारने का मामला: पत्नी ने नर्स और उसके परिवार को बनाया आरोपी

नालंदा । हिलसा थाना क्षेत्र अंतर्गत पैंदापुर गांव में सोमवार की रात निजी क्लीनिक के संचालक (आरएमपी डॉक्टर) की गोलीमार हत्या कर दी गई थी। मृतक की पहचान बेन थाना क्षेत्र के कौआकोल निवासी मिथिलेश प्रसाद का (30) वर्षीय पुत्र निरंजन पाल के रूप में किया गया है। निरंजन पाल बेन बाजार में जीवन ज्योति नामक क्लिनिक चलाता था। इस मामले में मृतका की पत्नी मुस्कान कुमारी के द्वारा दिये गए फर्द बयान के आधार पर हिलसा थाना में क्लीनिक में कार्यरत नर्स हिलसा के पैंदापुर निवासी वर्षा कुमारी और उसके परिवार वालों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार क्लीनिक के संचालक निरंजन पाल ने नर्स को 5 लाख रुपए दिए थे। इसी विवाद में निरंजन पाल को घर बुलाकर नर्स एवं उसके परिवार वालों ने गोलीमार हत्या कर दी। चर्चा है कि प्रेम प्रसंग में निरंजन पाल की गोलीमार हत्या कर दी गई है। 6 महीने से दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसका अक्सर निरंजन की पत्नी विरोध करती थी। हालांकि क्लीनिक के संचालक को गोली मारने की खबर नर्स के पिता ने ही पुलिस को दिया था। जिसमें उसने बताया कि कोई बाहरी व्यक्ति आकर गोली मार हत्या कर दिया, और शव को खलिहान के पास फेंक कर फरार हो गया। हालांकि गोली किसने और क्यों मारी है यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

बिहार में बढ़ा डेंगू का प्रकोप, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

मुजफ्फरपुर में डेंगू केस में इजाफा: मरीजों की संख्या 57 पहुंची, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

मुजफ्फरपुर। जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मंगलवार को भी डेंगू के दो मरीज मिले है। इसके साथ ही जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़कर 57 हो गई है। बता दें कि शहरी क्षेत्रों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों से भी डेंगू के मरीज मिल रहे है। इनके कुछ दूसरे प्रदेश से भी आए हुए है। साथ ही कुछ बच्चे कोटा से भी आए हुए है। जिले के मुशहरी प्रखंड में सबसे ज्यादा डेंगू के मरीज मिले है। स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम के द्वारा जगह जगह फॉगिंग भी करवाई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। 500 जांच किट राज्य मुख्यालय से आई है। सभी पीएचसी अस्तर पर भी जांच की सुविधा उपलब्ध है। डेंगू की जांच के लिए स्टैंडर्ड दर 950 रुपया रखा गया है। जो की पिछले साल 800 रुपया था। इस बार केमिकल की कीमत में उछाल के कारण कीट का दाम बढ़ा है। सिविल सर्जन डॉ उमेश चंद्र शर्मा ने बताया कि डेंगू मरीजों की संख्या बढ़कर 57 हो गई है। जांच बढ़ा दिया गया है। जो भी फीवर का मामला अस्पताल में आ रहा है, उनको इंस्ट्रक्शन दिया जा रहा है कि उनका रैपिड जांच करना है। अगर रैपिड जांच पॉजिटिव आता है तो उनको भर्ती कर लेना है। हर एक जगह दवा का उपाय कर दिया गया है। सभी प्रखंड के अस्पतालों और जिला अस्पताल में सभी दवाई उपलब्ध है। सभी पीएचसी में डेंगू के लिए बेड डेडिकेट करवा दिया गया है। साथ भी मच्छरदानी भी उपलब्ध करवाया गया है। मेडिकल कॉलेज में भी 20 बेड उपलब्ध करवाया गया है। जो लोग गंभीर रूप से बीमार पर रहे है, वैसे ही लोग अस्पताल में भर्ती हो रहे है। जिनको सिर्फ बुखार लग रहा है, वैसे लोग घर पर ही उपचार करवा रहे है। जगह जगह फॉगिंग भी करवाया जा रहा है। शहरी क्षेत्र के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों से भी मामला सामने आ रहा है। जिसमे सबसे ज्यादा मुशहरी प्रखंड से मामला सामने आया है। हमलोग पूरी तरह से अलर्ट है। अब माइकिंग भी स्टार्ट करवा दिया गया है। भीड़ भाड़ वाले इलाकों में माइक के माध्यम से लोगो को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही एंटी लारवा फॉगिंग में भी तेजी लाई जा रही है। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि डेंगू से बचाव के लिए 5 नई फॉगिंग मशीन खरीदने की स्वीकृति मिली थी। मंगलवार को खरीद कर ली गई। ये फॉगिंग मशीनें मीनापुर, कांटी, साहेबगंज, मुशहरी और सकरा पीएचसी को दी गई हैं। इन पीएचसी में जहां के मरीज पीड़ित हो रहे हैं, वहां लिस्ट बनाकर फॉगिंग कराई जाएगी। बताया कि 6 फॉगिंग मशीन खराब हैं जिसकी मरम्मत के लिए पटना भेजा गया है। मुख्यालय में एक ही मशीन से फॉगिंग कराई जा रही है। जिले में नियमित टीकाकरण 92 फीसदी से घटकर 55 फीसदी पर पहुंच गया है। चार माह से प्रतिरक्षण कार्य नहीं होने से अब बच्चे बीमार भी होने लगे हैं। प्रतिरक्षित नहीं होने के कारण बच्चे डायरिया, बुखार व अन्य बीमारियों की चपेट में आने लगे हैं। मंगलवार को जूरन छपरा स्थित केजरीवाल अस्पताल में करीब दो सौ बच्चे ओपीडी में आए। वहीं, सदर अस्पताल में 30 और एसकेएमसीएच में 120 बच्चे ओपीडी में इलाज के लिए आए। जो बच्चे ओपीडी में इलाज के लिए आए, उनमें 20 फीसदी बच्चे बुखार, डायरिया व निमोनिया से पीड़ित बताए गए। केजरीवाल अस्पताल में 30 बच्चे गंभीर होने पर भर्ती भी हुए। इधर, जिले में टीकाकरण की दर में लगातार गिरावट होने से पटना से दिल्ली तक हड़कंप मच गया है। जिला स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि आशा और वैक्सीन कुरियर की हड़ताल के कारण टीकाकरण बाधित हुआ। इससे टीकाकरण के आंकड़े में कमी आई। विगत दिनों डीएम प्रणव कुमार की समीक्षा के दौरान इसका खुलासा हुआ। इस पर सिविल सर्जन डॉ. यूसी शर्मा ने भी हड़ताल को कारण बताया। डीएम ने टीकाकरण होने पर संबंधित अधिकारियों व कर्मियों पर जिम्मेवारी तय करने का निर्देश दिया है। वहीं, अभियान चलाकर इसे पूरा करने के लिए कहा है। 37 फीसदी नियमित टीकाकरण कम हुआ है। इस कारण 5 वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जानकारों का कहना है कि निर्धारित तिथि के एक माह तक यदि टीका नहीं दिया जाए तो कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता है, लेकिन जैसे ही एक माह से अधिक समय होता है तो पहले से जो प्रतिरक्षित होते है, उसका प्रभाव धीरे-धीरे कम हो जाता है। इससे बच्चे बीमार होने लगते हैं। अप्रैल से अगस्त 2023 तक जिले में औसतन मात्र 55 प्रतिशत ही टीकाकरण किया गया। आंकड़े के अनुसार सबसे अधिक बंदरा में 73, मीनापुर में 72, बोचहां में 61 और मोतीपुर में 59 फीसदी है। अन्य सभी पीएचसी में इससे काफी कम है। रिपोर्ट के मुताबिक सबसे कम सदर अस्पताल में मात्र 6 फीसदी बच्चे को ही टीका दिया गया। सबसे खराब स्थिति अगस्त माह में रही। इस माह में लक्ष्य के महज 15 फीसदी बच्चों को ही टीका दिया गया।

दरभागा में डेंगू मरीजों की में बढ़ोतरी, भागलपुर में डेंगू से 8 साल के बच्चे की मौत

दरभंगा । लगातार डेंगू अपना पांव पसारता जा रहा है। लगातार इस मामले में नए-नए के सामने आ रहे हैं। इस बीमारी के मद्दे नजर अस्पताल प्रशासन सहित डेंगू वार्ड के सभी डॉक्टरों को अलर्ट मोड में रखा गया है।

बता दें कि 17 सितंबर को डेंगू से एक महिला की मौत हो गई थी। अब तक जितने भी डेंगू मरीज डीएमसीएच में आ रहे थे, वह या तो किसी बाहर के जिले के थे या कहीं से बाहर से यात्रा कर यहां आ रहे थे। पर अब डेंगू दरभंगा में भी पांव पसारने लगा है। 24 घंटे में डेंगू के डीएमसीएच में चार नए कैसे आए हैं, जिसमें से दो दरभंगा शहर के हैं तथा दो समस्तीपुर जिले से आए हैं। समस्तीपुर जिले के किसी निजी अस्पताल में इनका इलाज चल रहा था जहां से बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच ने रेफर किया गया है। वहीं दो नए डेंगू के केस जो दरभंगा से आए हैं उनकी कहीं बाहर आने जाने की पुष्टि नहीं है ऐसे में यह प्रयास लगाए जा रहे हैं कि अब डेंगू दरभंगा में भी फैल रहा है। डीएमसीएच के उपाध्यक्ष डॉक्टर हरेंद्र कुमार ने बताया कि हम लोगों के पास डेंगू से संबंधित इलाज के लिए सभी तरह की व्यवस्थाएं उपलब्ध है।

जैसे ही कोई मरीज आता है हम उसे बेहतर इलाज देने की व्यवस्था में जुड़ जाते हैं तथा वार्ड के सभी डॉक्टरों को अलर्ट मोड में रखा गया है। उन्होंने कहा कि लोग अपने घर के आसपास साफ सफाई पर ध्यान दें पानी जमा ना होने दे। आगे उन्होंने कहा कि अभी तक सिर्फ बाहर से यात्रा करने वाले लोगों में डेंगू के लक्षण या पुष्टि हुई थी लेकिन अब दरभंगा के लोगों में भी ऐसा हो रहा है और ज्यादातर मामले शहर के हैं। और उन्होंने कहा कि डेंगू जांच के पर्याप्त किट डीएमसीएच में उपलब्ध हैं। भागलपुर जिले में डेंगू के मामले काफी तेजी से बढ़ रहे है। जिले में डेंगू के डंक की चपेट में आने से एक आठ साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। सुर्खीकल के साढ़े 8 वर्षीय बच्ची डॉल्बी कुमारी के डेंगू पॉजिटिव होने के बाद उसे इलाज के लिए जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं उसे एचडीयू वार्ड में शिफ्ट कराकर ऑक्सीजन लगाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। जिले में अब तक मरीजों की संख्या 450 के पार पहुंच चुकी है।

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल की अधीक्षक डॉक्टर उदय नारायण सिंह ने कहा कि डेंगू को लेकर अस्पताल में 25 मरीजों को ठीक होने पर डिस्चार्ज किया गया है। अभी 105 मरीज का इलाज चल रहा है। दिन में 84 मरीज का फैब्रिकेटेड अस्पताल में, 5 का एचडीयू में और 14 टउल्र में इलाज चल रहा है। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल के डॉक्टर के के सिन्हा ने बताया कि उक्त बच्ची को डेंगू पॉजिटिव होने के बाद जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसकी मौत हो गई।

गणेश भी पिता की भांति भोले रहे!

गणेश कथा हम श्रमजीवी पत्रकारों के लिये रुचिकर है। सृष्टि के सर्वप्रथम लेखक और उप सम्पादक गणेश हैं। यूं तो देवर्षि नारद को प्रथम घुमन्तू संवाददाता और संजय को सर्वप्रथम टीवी एंकर कहा जा सकता है, मगर गणेश का रिपोर्ताज में अवदान अनूठा है। मध्य एशियाई इतिहासकार, गणितज्ञ, चिन्तक और लेखक अल बरूनी ने एक हजार वर्ष पूर्व लिखा था कि वेद व्यास ने ब्रह्मा से आग्रह किया था कि किसी को तलाशे जो उनसे महाभारत का इमला ले सके। ब्रह्मा ने हाथी मुख वाले गणेश को नियुक्त किया। वेद व्यास की शर्त यह थी कि गणेश लिखते वक्त रुकेंगे नहीं और वही लिखेंगे जो वे समझ पायेंगे। इससे गणेश सोचते हुए, समझते हुये लिखते रहे और व्यास भी बीच-बीच में विश्राम करते रहे। (एडवार्ड सी.सचान, अलबरूनीज इंडिया, मुद्रक एस. चान्द, दिल्ली, 1964, भाग एक, पृष्ट 134)। जब एडोल्फ हिटलर ने अपनी नेशनल सोशलिस्ट (नाजी) पार्टी का निशान (1930) स्वस्तिक बनाया था तो प्राच्य के मनीषियों का व्यग्र होना सहज था। ओमकार स्वरूप गणेश के इस सौर प्रतीक वाले शुभ संकेत को हिटलर ने वीभत्स बना डाला था। उसने अपने अमांगलिक और अमानुषिक कार्ययोजना में इस वैदिक प्रतीक का जुगुप्सित प्रयोग किया था। स्वस्तिक को गणेश पुराण के अनुसार गजानन का स्वरूप तथा हर कार्यों में मांगलिक स्थापना हेतु शुरूआत को मानते हैं। श्रीगणेशाय नमः के उच्चारण के पूर्व स्वस्तिक चिन्ह बनाकर स्वस्ति न इन्द्रो बुद्धश्रवाः स्वस्तिवचन करने का विधान है। अपने स्वराष्ट्रवासी प्राच्यशास्त्री मेक्सम्यूलर को पढ़कर इस जर्मन नाजी तानाशाह ने अपने पैशाचिक अभीष्ट को हासिल करने हेतु स्वस्तिक को अपनाया था। लेकिन हिटलर का वही हश्र हुआ जो सूर्यपुत्र अहंतासुर का हुआ जिसका भगवान गजानन ने धूम्रवर्ण के अवतार में जगद् कल्याणार्थ वध किया। ब्रह्मा द्वारा कर्माध्यक्ष पद पाकर सूर्य को अहंकार हो गया था और तभी उनके नथुनों के वायु से अहंतासुर का जन्म हुआ था। वह भी अभिमानी होकर समस्त ब्रह्माण्ड का शासक, अमर तथा अजेय होना चाहता था। दैत्यगुरू शुक्राचार्य से गणेश मंत्र की दीक्षा प्राप्त कर इस अहन्तासुर राक्षस ने पार्वतीपुत्र की घोर उपासना की। भोले बाबा के आत्मज ने इस दैत्य को तथास्तु कहकर वर दे डाला। फिर वही हुआ जो हर दैत्य करता आया है। वही जो हिटलर ने गत सदी में किया था। पापाचार, नरसंहार, तबाही आदि। लाचार, निरीह देवताओं तथा मानवों ने गणेश की उपासना की। अपने भक्तों की रक्षा में गजानन ने उग्रपाश फेंक कर सभी असुरों का वध कर दिया। घमण्ड तज कर अहंतासुर गणेश का शरणागत हो गया। उसे आदेश मिला कि जहां गणेश की आराधना न होती हो वहीं जा कर वास करे। राजनीतिक रूप में गणेश का राष्ट्रवादी तथा जनकल्याणकारी उपयोग स्वाधीनता सेनानी, महाराष्ट्र केसरी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने पुणे में सर्वप्रथम किया था। हिटलर के आविर्भाव के पैंतीस वर्ष पूर्व यह हुआ था। अंग्रेजी साम्राज्यवादियों ने अपने भारतीय उपनिवेश में हर प्रकार की सार्वजनिक क्रियाशीलता पर प्रतिबंध लगा दिया था। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857) कुचल दिया गया था। शासकों ने भारतीयों को जाति तथा मजहब के आधार पर विभाजित कर दिया था। महाराष्ट्र के पेशवा शासक 1893 के पूर्व तक गणेश चतुर्थी भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को मनाते थे। लोकमान्य तिलक ने इस धार्मिक उत्सव के जनवादी पहलू को पहचाना। उसे जनान्दोलन बनाया। तब तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना मुम्बई में हुये आठ वर्ष हो चुके थे मगर इसके सार्वजनिक आयोजन पर रोक बरकरार थी। हिन्दू चेतना को तिलक ने जगाया और जनपदीय स्तर से उठाकर गणेश चतुर्थी को राष्ट्रीय रूप दिया। चूंकि अन्य ईश्वरों की तुलना में गणेश किसी जाति या वर्ग विशेष के नहीं थे, अतः सर्वजन के इष्ट बन गये। गणेशोत्सव में सभी हिन्दू शरीक हो गये। उन्हीं दिनों तिलक के उग्र संपादकीय (समाचारपत्र-द्वय मराठा तथा केसरी में) छपते थे, जिनसे साम्राज्यवाद-विरोधी भावना को बल मिलता था। उनका सिंहनाद कि स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, मैं इसे लेकर रहूंगा काफी ख्यात हुआ। गणेश चतुर्थी को तिलक ने जनविरोध का माध्यम बनाया। बौद्धिक चचार्यें, नुक्कड़ नाटक, कविता पाठ, संगीत आदि माध्यम अपना कर गणेश चतुर्थी को मात्र लोकरंजन ही नहीं, लोकराज के संघर्ष का मंच भी बनाया गया। स्वतंत्रता के बाद तो गणेश चतुर्थी को राष्ट्रीय पर्व की मान्यता मिल गई। जब गणेश से जुड़े विविध प्रतीकों का जिक्र होता है तो दो और अनूठे निशान हैं जिनका संबंध आज की विश्व राजनीति से अत्यन्त दिलचस्प है। पिता शंकर महादेव की जटा पर शोभित बालेन्दु (अर्धचन्द्र) को गणेश ने भी संवारा है। आज यह अर्धचन्द्र इस्लामी राष्ट्रों में हिलाल के रूप में दिखता है। गणेश के भ्राता कार्तिकेय का चिन्ह है षडभुजीय सितारे को यहूदी मतावलम्बियों ने अपने स्टार ऑफ डेविड के रूप में इस्त्राइल का राष्ट्र प्रतीक बनाया है। हालांकि अर्धचन्द्र के उपासक इस्लामी जन और षडभुज के आराधक यहूदी आपस में कट्टर शत्रु हैं। अतः गणेश परिवार इस समन्वय का द्योतक है। यूं शिव ने देवताओं के शुभकार्य हेतु गणेश की सृष्टि की मगर अन्य गमनीय विभूतियां और विलक्षणतायें भी गणेश में हैं। शिव के रौद्ररूप की धार कम करना हो तो गणेशोपासना कीजिए। निर्विघ्नता, कर्मनाश और धर्मप्रवर्तन के अलावा गणेश ललित कलाओं और संस्कृति के संरक्षक हैं।

सनातन है जीवन का आमंत्रण

ANALYSIS

गिरीश्वर मिश्र

भौतिक और आध्यात्मिक की दो श्रेणियाँ बनाई गई। इसके साथ यथार्थ और कल्पित का भेद किया गया। शरीर और आत्मा के रिश्ते को विच्छिन्न कर दिया गया। हो होता है उसका एक ही स्वरूप है। वह सिर्फ. वस्तु है । फलतः सब कुछ को वस्तु की श्रेणी में रखा गया । अब राजनीति की सहूलियत देखते हुए उसमें अनेक दूसरे दोष देखे जा रहे हैं। सनातन धर्म को लेकर उसे उसके मूल भाव से काट कर उस पर तोहमत जड़ कर उसकी छवि धूमिल करने की कोशिश हो रही है। इस तरह की कोशिश स्वस्थ और परिपक्व मानसिकता की जगह संकुचित मनोवृत्ति और धर्म तथा सनातन धर्म के वास्तविक विचार से अपरिचय को ही व्यक्त कर रही हैं। नई पीढ़ी के प्रबुद्ध और सुशिक्षित राजनेताओं से कदापि ऐसी आशा न थी। कदाचित यह हमारी शिक्षा से उपजी उस सतही सोच-विचार को व्यक्त करने वाली प्रवृत्ति का फल है जो सुनी-सुनाई बातों और नकल के भरोसे अपना काम चलाती है । उससे निकले महत्वाकांक्षी राजनीति के नए किरदारों को शब्दों के सही अर्थ और सही प्रयोग से कोई खास सरोकार नहीं है। इसकी कोई दरकार नहीं है।

यह भारत का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि सनातन और धर्म जैसे अत्यंत व्यापक आशय वाले सदाशायी विचारों को लेकर अर्थ का अनर्थ करने वाली चचाएँ चल रही हैं। इन अवधारणाओं का अवमूल्यन हो रहा है। पहले बिना जाने बूझे इन्हें विज्ञान विरोधी कहा गया था और उसे आडम्बर और ढोंग की श्रेणी में रख व्यर्थ मान लिया गया। भौतिक और आध्यात्मिक की दो श्रेणियाँ बनाई गई। इसके साथ यथार्थ और कल्पित का भेद किया गया। शरीर और आत्मा के रिश्ते को विच्छिन्न कर दिया गया। हो होता है उसका एक ही स्वरूप है। वह सिर्फ. वस्तु है । फलतः सब कुछ को वस्तु की श्रेणी में रखा गया । अब राजनीति की सहूलियत देखते हुए उसमें अनेक दूसरे दोष देखे जा रहे हैं। सनातन धर्म को लेकर उसे उसके मूल भाव से काट कर उस पर तोहमत जड़ कर उसकी छवि धूमिल करने की कोशिश हो रही है। इस तरह की कोशिश स्वस्थ और परिपक्व मानसिकता की जगह संकुचित मनोवृत्ति और धर्म तथा सनातन धर्म के वास्तविक विचार से अपरिचय को ही व्यक्त कर रही हैं। नई पीढ़ी के प्रबुद्ध और सुशिक्षित राजनेताओं से कदापि ऐसी आशा न थी। कदाचित यह हमारी शिक्षा से उपजी उस सतही सोच-विचार को व्यक्त करने वाली प्रवृत्ति का फल है जो सुनी-सुनाई बातों और नकल के भरोसे अपना काम चलाती है । उससे निकले महत्वाकांक्षी राजनीति के नए किरदारों को शब्दों के सही अर्थ और सही प्रयोग से कोई खास सरोकार नहीं है। इसकी कोई दरकार नहीं है। उनको इस बात की कोई चिंता नहीं है कि कही-सुनी जा रही बात में सत्य कितना है। उन्हें संभवतः जल्दी है क्योंकि राजनीति में जगह बनाने की हड़बड़ी है। उनकी दृष्टि सिर्फ मतदाताओं पर टिकी है और उनके तर्क का प्रयोजन सीमित और क्षणिक है। ऐसे में तात्कालिक हस्तक्षेप के लिए नेताओं द्वारा शब्दों और विचारों का मनचाहा अर्थ गढ़ने और अपने मनचाहे अर्थ को थोपने की तमाम चेष्टाएँ होती रहती हैं। आज की भाषाई गतिविधियों में राजनीति के गलियारों में शब्दों के मनचाहा प्रयोग और दुष्प्रयोग का चलन सबका ध्यान आकर्षित कर रहा है। साल में लगभग लगातार होते रहने चुनाव टी वी चैनलों और दूसरे मीडिया के उपक्रमों पर ऐसे प्रयोग ज्यादा ही बढ़ते जा रहे हैं। कभी-कभी ये वातालाॅप निराधार आरोप प्रत्यारोप के बीच अवांछित अभिव्यक्तियों का रूप ले लेते हैं चाहे बाद में उसके लिए क्षमा-याचना ही क्यों न करनी पड़े। कहने के बाद वही लोग मुकरने लगाते हैं और यह कह कर अपना पिंड छुड़ाने लगते हैं कि ह्यमेरे वक्तव्य को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है या फिर मेरे कहने का यह आशय नहीं था, या उसे गलत संदर्भ में रख कर पेश किया गया है आदि आदि। बहरहाल शब्द और भाषा को लेकर जन प्रतिनिधियों के बीच गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाने की घटनाएँ आज एक आम बात होती जा रही है। चूँकि भाषा एक बेहद लचीला संवाद-माध्यम है इसलिए बोलने में अनपेक्षित छूट ले लेना आसान होता है। भारतीय संविधान अपने नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। उस स्वतंत्रता का अभेद्य कवच सबकी मदद के लिए उपलब्ध रहता है और उसकी परिधि की व्याख्या की कोई सीमा भी तय नहीं है न हो सकती है। उसका लाभ उठा कर कई नेता और मंत्री अनर्गल प्रलाप करते रहते हैं। वाद विवाद की ऐसी घटनाओं में जनता के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों और देश की समस्याओं को छोड़ कर अब एक दूसरे का चरित्र-हनन भी शामिल हो गया है। देश और समाज को पीछे छोड़ व्यक्तियों की सत्तादौड़ राजनैतिक विमर्श का केंद्र होता जा रहा है। इसी पृष्ठभूमि में राजनैतिक वर्चस्व की स्थापना में बढ़त पाने के लिए कुछ नेताओं ने मीडिया में सनातन के विचार से असंतोष जाहिर किया है और उसमें सभी दोषों का दर्शन करते हुए उसे निकृष्ट दशार्ने की चेष्टा की है। यदि उसी को मानें तो सनातन के विचार को अपनाने वाले भी उसी निकृष्ट कोटि में पहुँच जाते हैं। परंतु उनकी यह चेष्टा इस अर्थ में बेमानी हो जाती है कि यह उसी भेद-भाव को प्रदर्शित और पोषित करती है जिसके लिए गैर सनातनी महाशय सनातन को जिम्मेदार ठहराते हुए उसकी भर्त्सना करते नहीं अघा रहे हैं। अपनी घोषणा करते हुए वे भूल जाते हैं कि सनातन का आशय नित्य, निरंतर, अखंड और समग्र होता है और जो सार्वभौमिक हो। चाह कर भी कोई उससे पीछा नही छुड़ा सकता। सनातन सबका है और सबके लिए है । सनातन का विचार समावेशी और सर्वव्यापी अस्तित्व है। जो ऐसा नहीं सोचते या करते वे इस सृष्टि और मनुष्यता के ही विरुद्ध नहीं हैं बल्कि खुद अपने विरुद्ध भी हैं। वृक्ष जंगल नहीं होता और समग्र के बिना अंश की समझ अधुरी ही रहेगी। सनातन का आशय निरंतर अस्तित्व के चैतन्य की संवेदना है। जहां तक धर्म शब्द की बात है तो उसका सीधा अर्थ वस्तु विशेष के गुण धर्म के वर्णन से जुड़ा है। उदाहरण के लिए पानी शीतल होता है इसलिए शीतलता पानी का धर्म है। इस तरह धर्म स्वभाव को बतलाता है। मनुष्यता के स्तर पर धर्म का तात्पर्य जीवन को धारण करने और पारस्परिक सद्भाव और उन्नति के आधारभूत सिद्धांत से है। इसे मत, अनुष्ठान, विश्वास और पूजा-पाठ के रूप में देखना अन्याय है। वह बड़ा सीमित अर्थ व्यक्त करता है जैसा कि अंग्रेजी के रेलीजन से प्रकट होता है। धर्म को रेलीजन के अनुवाद के रूप में ग्रहण करना सर्वथा असंगत है। वस्तुतः धर्म जीवन के लिए अभीष्ट मूल्य को अभिव्यक्त करता है। चार पुरुषार्थों के केंद्र के रूप में धर्म का उल्लेख इसी का संकेत देता है। एक प्रचलित और स्थापित विचार है कि धर्म वह है जिससे अभ्युदय (लौकिक समृद्धि) और पारमार्थिक कल्याण दोनों ही प्राप्त होता है : यतोभ्युदय निःश्रेयस सिद्धिः स धर्मः। अब सनातन धर्म पर भी विचार कर लिया जाय। सनातन धर्म क्या है? यह धर्म के ही आशय को व्यक्त करा है। इसका अर्थ मनुस्मृति में बड़े ही स्पष्ट शब्दों में इस तरह समझाया गया है : सत्यं ब्रूयात प्रियंब्रू यात मा ब्रूयात सत्यमप्रियम् । प्रियं च नानृतं ब्रूयात एष धर्मः सनातनः ।। (मनुस्मृति 4,138) अर्थात सत्य बोलो, प्रिय बोलो पर अप्रिय सत्य न बोलो। प्रिय और सत्य बोलो। यही सनातन धर्म है। यह पारस्परिक आचरण के आधार को बताता है और सामाजिक जीवन की समरसता को रेखांकित करता है । महाभारत में कहा गया है : अक्रोधं सत्यवचनं संविभागः क्षमा तथा। प्रजनः स्वेषु दारेषु, शौचमद्रोह एव च।। आर्जवं भृत्यभरणम् नवैते सार्ववर्णिका : (शांतिपर्व 60, 7-8) अर्थात सनातन धर्म यही है कि आदमी सत्य बोले, क्रोध न करे, लोगों के साथ मिल बाँट कर रहे, क्षमाशील हो, अपनी पत्नी से ही बच्चा पैदा करे, पवित्रता रखे , दूसरों से द्वेष न करे, व्यवहार में सीधापन हो, अपने ऊपर निर्भर सभी वर्णों के लोगों का ख़्याल करे । महाभारत के शांति पर्व में सनातन धर्म कुछ इस तरह से समझाया गया है : अद्रोहः सर्वभूतेषु कर्मणा मनसा गिरा। अनुग्रहश्च दानं च सतां धर्मः सनातनः ।। शांति पर्व 162-2 समस्त प्राणियों के साथ मन, वचन , कर्म और वाणी तीनों से द्रोह न रखना, दया करना, दान करना यही सज्जनों का स्वभाव है। यही सनातन धर्म है। सनातन धर्म नित्य धर्म है, सबका धर्म है और इसी से जीवन चलता है। सत्य, अहिंसा और दान को अनेक बार धर्म के रूप स्थापित किया गया है। सत्य वस्तुतः टिकने की क्षमता होती है। गतिशीलता दूसरा पक्ष है जिसे ऋत कहा गया था। नित्य होते हुए भी प्रवाह के सात्य को स्वाकार करने वाला सनातन धर्म का एक ही आग्रह है कि अपने सीमित अहं और स्वार्थ का अतिक्रमण करना ही मनुष्य का अभीष्ट है। सबके दुःख को देखना और सबकी पीड़ा को दूर करना उसका अभीष्ट है। सनातन धर्म उपेक्षा नहीं सबके हित की बात करता है। आत्मा का विचार जीवंत अस्तित्व के रूप में चैतन्य का स्वीकार है। वह वस्तु के रूप में सृष्टि पर कब्जा जमाने की बात नहीं करता। वह सृष्टि के साथ तादात्म्य स्थापित करने पर जोर देता है। वह सांसारिक जगत की उपेक्षा नहीं करता पर वह बड़े सत्य को भी देखता है। वह जड़ और चेतन जगत के पारस्परिक अवलम्बन को पहचानता है। वह इस सृष्टि पर स्वामित्व नही चाहता बल्कि सबको सहचर के रूप में ग्रहण करता है।

लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।

उदय कोटक और नरेश गोयल का फर्क समझिए

कुछ समय पहले अखबारों में एक ही दिन दो खबरें बिजनेस संसार से जुड़ी छपीं। पहली खबर थी कि उदय कोटक ने अपना कार्यकाल पूरा किए बिना ही कोटक महिन्द्रा बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पद छोड़ने का फैसला किया। दूसरी खबर जेट एयरवेज के संस्थापक चेयरमैन नरेश गोयल की गिरफ्तारी से जुड़ी थी। पर पहले बात कर लें उदय कोटक की। बकौल कोटक, एक्सिस बैंक में लीडरशिप का बदलाव सबसे जरूरी हो गया था और उन्होंने एमडी व सीईओ पद से इस्तीफा देकर बदलाव की प्रक्रिया की शुरूआत कर दी है। उनका मौजूदा कार्यकाल इस साल 31 दिसंबर तक था, लेकिन अब उनका इस्तीफा 1 सितंबर से ही प्रभावी हो गया। जब शिखर पर बैठे लोग अपना पद छोड़ने के लिए आसानी से तैयार नहीं होते हैं, तब उदय कोटक ने एक उदाहरण पेश किया है। दरअसल भारत में आर्थिक उदारीकरण ने सैकड़ों नौजवानों को आगे आने का मौका दिया। उनमें एक उदय कोटक भी थे। हालांकि उन्होंने सन 1985 में 25 वर्ष की उम्र में ही मुंबई में तीन कर्मचारियों के साथ कोटक कैपिटल मैनेजमेंट फाइनेंस की स्थापना कर दी थी। हां, आर्थिक उदारीकरण ने उन्हें और उनके जैसे तमाम उद्यमियों को अपने जौहर दिखाने के अवसर दिए। उदय कोटक जब बैंकिंग संबंधी किसी मसले पर अपनी राय रखते हैं तो उसे सुना जाता है। उदय कोटक कहते थे कि मोदी सरकार को पर्यावरण के कारण अटके हुए प्रोजेक्ट को मंजूरी देनी चाहिए। प्रोजेक्ट को मंजूरी से आपूर्ति की दिक्कतें कम होंगी। वहीं, सरकारी कंपनियों में गवर्नेंस को सुधारने पर जोर देना चाहिए। उदय कोटक के मुताबिक सरकार को जहां कारोबार चलाने में मुश्किल हैं, वहां हिस्सेदारी बेच देनी चाहिए। भारत अब भी पीएसयू बैंकों के निजीकरण के लिए तैयार नहीं है लेकिन, पीएसयू बैंकों के कामकाज के तरीके और गवर्नेंस में भी आमूलचूल बदलाव की जरूरत है। उदय कोटक के लिए साल 1985 खास रहा था। उदय कोटक को अपना बिजनेस पार्टनर मिला। उनकी मुलाकात महिन्द्रा समूह के प्रमुख आनंद महिन्द्रा से हुई। वे उनकी फाइनेंशियल सूझबूझ से ऐसे प्रभावित हुए कि उन्होंने चार लाख रुपए उन्हें निवेश के लिए सौंप दिए। उस दौर में चार लाख रुपये बड़ी राशि होती थी। उदय कोटक सन् 1991 में कोटक महिन्द्रा बैंक का पब्लिक इश्यू लेकर पूंजी मार्केट में आए। सन् 1998 में एसेट मैनेजमेंट कंपनी और जीवन बीमा क्षेत्र में कारोबार करने के लिए ओल्ड म्यूचुअल के साथ स्वतंत्र कंपनी स्थापित की। उदय कोटक को मुंबई के स्कूली जीवन के दौरान आभास हो गया था कि मैथ्स उनका सबसे प्रिय सब्जेक्ट है। उदय ने पढ़ाई पूरी करने के बाद पारिवारिक कारोबार से जुड़ने के बजाय हिन्दुस्तान लीवर ज्वॉइन करने का निर्णय लिया। उनके पिता नहीं चाहते थे कि गुजराती वैश्य परिवार का शिक्षित युवा अपना कारोबार करने के बजाय किसी दूसरे की नौकरी करे। उन्होंने अपने भाइयों से बात की। परिवार ने उदय कोटक को 300 वर्गफीट का छोटा-सा ऑफिस स्वतंत्र कारोबार के लिए सौंप दिया। उदय कोटक चाहते तो अपने पुत्र को भी बैंक के बोर्ड में रखवा सकते थे, पर उन्होंने ये नहीं किया। इन सब वजहों से उदय कोटक भारत के सबसे खास उद्यमी के रूप में जगह बना सके। बेशक, वे भविष्य में भी देश को बैंकिंग सेक्टर को दिशा देते रहेंगे। अब बात उस नरेश गोयल की जिन्होंने जेट एयरवेज स्थापित की थी। उन्हें भारत के एविएशन सेक्टर का सबसे खास चेहरा माना जाता था। नरेश गोयल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेजे जाने से वे सब उदास हैं जो उन्हें जानते रहे हैं। जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल को मुंबई की एक विशेष अदालत ने शनिवार को 11 सितंबर तक हिरासत में भेज दिया। उन्हें केनरा बैंक की शिकायत पर दर्ज 538 करोड़ रुपये के कथित बैंक फ्रॉड मामले में हिरासत में भेजा गया है। 74 वर्षीय गोयल को लंबी पूछताछ के बाद प्रिवेंशन ऑफ मनीलॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था। नरेश गोयल पंजाब के शहर संगरूर से दिल्ली आए थे। वे दिल्ली में बंगाली मार्केट की एक बरसाती में रहने लगे। उन दिनों तक दिल्ली में बरसाती कल्चर था। वहां पर रहते वे एक मिठाई की दुकान में पार्ट टाइम काम भी करने लगे। वे नरेश गोयल के लिए संघर्ष के दिन थे। नरेश गोयल दिल्ली में नौकरी करने के इरादे से तो नहीं आये थे। उनके कई बड़े ख्वाब थे। वे आकाश छूने का इरादा रखते थे। इसलिए कुछ दिनों तक नौकरी के बाद नरेश गोयल ने इराक और कुवैत एयरलाइंस की टिकट बेचने का काम चालू कर दिया। नरेश गोयल का धंधा चमकने लगा। नरेश गोयल ने चार्टर फ्लाइट के काम में भी जल्दी ही हाथ आजमाया। उसमें उन्हें जमकर कमाई होने लगी। नरेश गोयल और उनका एक दोस्त अमृतसर से चार्टर फ्लाइट लेकर लंदन जाने लगे। फिर नरेश गोयल ने पीछे मुड़ कर नहीं देखा। नरेश गोयल दोस्त बनाने में माहिर थे। उन्हें ये पता चल गया था कि बिना दोस्त बनाए बिजनेस नहीं किया जा सकता। केन्द्र सरकार ने 1990 के दशक में एविएशन सेक्टर में एफडीआई का रास्ता खोला। उसके फौरन बाद नरेश गोयल ने छोड़ दी दिल्ली। उन्हें समझ आ गया था कि असली उड़ान तो मुंबई में ही भरी जायेगी। मुंबई में जाकर वे आसमान से बातें करने लगे। वे वहां भी दोस्त बनाने लगे। उनके दोस्तों या कहें कि अच्छे परिचितों में जेआरडी टाटा भी थे। नरेश गोयल ने बॉलीवुड हस्तियों से भी खूब दोस्ती की। उन्होंने शाहरुख खान, जावेद अख्तर और यश चोपड़ा को अपनी जेट एयरवेज का निदेशक बनाया। वे रोज ताज या ओबराय होटल में शाम को बैठते। पर अंत में नरेश गोयल को लालच ले डूबा। वर्ना वे शुरू में तो बहुत मेहनती और सच्चे कारोबारी थे। अब जब देश का एविएशन सेक्टर लंबी छलाँगे लगा रहा है, तब वे जेल में हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

मैं आपका ध्यान लोकतांत्रिक मूल्यों और व्यक्तिगत अधिकारों के साथ भारत के ऐतिहासिक अनुभव की ओर आकर्षित करना चाहूंगीं। पश्चिमी दुनिया के मैग्ना कार्टा के माध्यम से समान मानव अधिकारों की अवधारणा से परिचित होने से बहुत पहले, दक्षिणी भारत के एक श्रद्धेय संत और दार्शनिक बसवन्ना ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और समानता की अवधारणा को बढ़ावा दिया था।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ट्विटर अकाउंट से)

कोलेबिरा में संकल्प यात्रा की सभा को संबोधित किया। आदरणीय नरेंद्र मोदी जी जबसे देश के प्रधानमंत्री बने हैं, उन्होंने सरकार की योजनाओं को समाज के निचले स्तर तक पहुंचाने का कार्य किया है। पहले संचार सेवाएं महंगी होने के कारण गरीब तबके के लोग इस सुविधा से वंचित रहते थे, लेकिन मोदी जी ने डिजिटल क्रांति और संचार क्रांति के माध्यम से लाभान्वित करने का काम किया है। किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से प्रति वर्ष किसानों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली लोक कल्याणकारी भाजपा सरकार पुनः केंद्र और राज्य दोनों जगह स्थापित करने का संकल्प लेना है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

इंडिया अऊर भारत का फरक बाबूराव बताएंगा

उदर दादर का भाजी मार्केट का पास अपुन टपरी पे चा पीने का वास्ता रुकेला। एक पेशल चा का आडर मार के अपुन मोबाइल पे इदर-उदर का सोशल मीडिया पे टाइम खोटी किएलाए, कि अपुन को बाबूराव दिखेला। बोले तो अपुन का पक्का फ्रेंड। वो बी अपुन कूं देखके नजीक आया। पूछा अपुन को कि इदर क्या करताए? अपुन बी बोला वईच जो अक्खा लाइफ किएला। बाबूराव का माइंड टोटल सरकेला। कहताए- तुमारा हिशेब अपुन कूं कदी बी समज में नईं आएला। तुम कहताए कि तुम इदर वोईच करताए, जो तुम अक्खा लाइफ किएलाए। थोड़ा खुलासा करेंगा क्या? अपुन हंसके बोला- अरे भिडू, अक्खा लाइफ अपुन इदर टोटल वेस्ट किएला। वईच अबी बी करताए। बोले तो टाइम खोटी करताए। तुमकूं बी करना मांगताए तो अपुन का बाजू में खड़ा होने का, चा पीने का, दादर का प्लाजा से लगके शीड़ी उतर के लोकल पकड़ने का। जिदर बी तुमारा मरजी होएंगा, उदर निकल जाने का। इदर बांद्रा तलक नईं तो उदर सेंट्रल मुंबई तलक जाने का। खीसा में पईसा होएंगा तो उदर महालक्ष्मी रेस कोर्स पे जाके किस्मत आजमाने का, अऊर खीसा खाली होएंगा तो बी वांदा नईं। उदरईच धोबी घाट पे जाके कापड़ का धुलाई देखने का। बस, अईसा टाइम पे जाना, जबी गर्दी कम होएंगा। नईं तो उदरईच तुमारा भाजी-पाला बन जाएंगा। फिर हाप चा का ग्लास बाबूराव को पकड़ाके अपुन उसकूं पूछेलाके वो किदर से आताए? पैले तो बाबूराव गिलास का तरफ देखेला, फिर अपुन को देखेला। अईसा देखा, जईसा साक्रेटिज उस आदमी का थोबड़ा देखा होएंगा जो उसकूं प्वाइजन का ग्लास दिएला। फिर आर्ट मूवी का जईसा फुल्ल फिलासफी वाला थोबड़ा बनाके बाबूराव बोला कि वो बी टाइम खोटी करके आएला। पैले अपुन खुश हुएला कि अपुन का माफिक अऊर बी कोई होताए जिसका फुल टाइम अऊर बिन पगारी एकईच काम होताए- टाइम खोटी करने का। आई शप्पथ बावा, अईसा लगा जईसा वाट लगेला कंपनी का, कामगार यूनियन का भीतर कोई नवा मेंबर आएला तबी लीडर कूं कईसा खुशी होताए न, बस वईसाइच। चा खतम करके अपुन पेमेंट किएला अऊर बोला कि बाबूराव, तुम कहताए कि तुम बी टाइम खालीपीली करके आएला। बोले तो? बाबूराव- ह्यबॉस, अपुन वो हार्निमन सर्किल पे बड़ा लाइब्रेरी गएला। तुम पूछेंगा कि काएंकू। तुम तो पूछेगा नईं। अपुनईच बताताए। अपुन उदर इंडिया अऊर भारत का बीच कईसा फरक होताए, वो समजने को गएला। अपुन का दिमाग राऊंड एंड राऊंड, राऊंड एंड राऊंड चक्कर खाएला। अपुन बोला- ह्यतो तुम दो-चार पुस्तक जरूर पढ़ा होएंगा। फिर कोई फरक दिखेला क्या? बाबूराव- पढ़ेंगा नईं? इत्ता सीरियस मैटर होताए तो पढ़ना मांगताईच न! अपुन बोला- ह्यतुम बरोब्बर बोलताए, पन बाबूराव, तुम सच्ची में टाइम खोटी किएला। तुमारा पास वाट्सएप नईं है क्या? बाबूराव अपुन कूं जो कहानी बताएला न भिडू, सच्ची कहताए- अपुन कूं ढस-ढस रोना आएला। वो क्या बताएला कि जबी वो इंडिया अऊर भारत का बीच फरक का शोध करने गएला, तबी वो जाना कि दोनों के बीच कोई फरक नईं होताए। पन तबी उसकूं नवां बातमी मिलताए कि एक तीसरा आईटम बी इदर होताए। बोले तो- हिंदुस्तान। अबी ये नवा लफड़ा में कांएकूं पड़ना, इस करके बाबूराव खुद को बोला कि, ह्यदया पता करना। कुछ तो गड़बड़ होताए। अक्खा मुंबई में सिलेंडर लेके घूम आएला। इंडिया का भीतर रेट बोले तो नौ सौ रुपया का अऊर भारत का भीतर बी नौ सो रुपया काईच। भाजी-पाला, दूध, बैदा, मसाला, कापड़, बांगड़ी, कोंबड़ी, मच्छी सबका रेट बोले तो सेम टू सेम। इंडिया का भीतर बी दवाई महाग अऊर भारत का भीतर बी। दोनों बाजू बच्चा लोक का स्कूल-कॉलेज का फीस बोले तो हैवी।

आधी आबादी का हक

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने वाला ह्यनारी शक्ति वंदन विधेयकह्न स्वागत योग्य तो है ही, इस मायने में भी ऐतिहासिक है कि यह नए संसद भवन के पहले दिन की कार्यवाही का हिस्सा बना। नए संसद भवन की इससे शानदार कोई और शुरूआत हो भी नहीं सकती थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उचित ही कहा है कि इससे भारतीय लोकतंत्र मजबूत होगा। चूंकि लोकसभा में एनडीए सरकार को भारी बहुमत हासिल है और राज्यसभा में भी उसका फ्लोर प्रबंधन अच्छा है, ऐसे में इस विधेयक को कानून बनने में कोई अड़चन नहीं आनी चाहिए। काफी लंबे समय से देश की आधी आबादी को ऐसे कानून की प्रतीक्षा थी और अब जब महिला मतदाता 18वीं लोकसभा को चुनने के बहुत करीब हैं, तब यह विधेयक उन्हें बेहतर कल की आश्वस्ति देता है।निस्संदेह, इस मुकर्रर नुमाइंदगी के लिए उन्हें कुछ साल इंतजार करना होगा, मगर इससे स्त्री सशक्तीकरण की प्रक्रिया को एक पुख्ता आधार मिल गया है। हमारे संविधान-निमार्ताओं ने देश के नागरिकों को मताधिकार देते समय उनमें किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं किया था, और तथ्य यह भी है कि आजादी के पिछले साढ़े सात दशकों में देश के तमाम महत्वपूर्ण पदों को महिलाएं सुशोभित कर चुकी हैं, मगर यह उपलब्धि हमारे लोकतंत्र की स्वाभाविक परिणति के बजाय प्रतीकवाद की ही देन अधिक रही। यही कारण है कि तमाम शैक्षणिक-भौतिक तरक्की के बावजूद जन-प्रतिनिधित्व के मामले में महिलाओं में खास प्रगति नहीं हुई। प्रधानमंत्री ने सोमवार को जब पिछले संसद भवन के आखिरी दिन अब तक के माननीयों की संख्या बताई, तब महिला और पुरुष सांसदों का वैषम्य हमारे लोकतंत्र को मुंह चिढ़ाता हुआ दिखा। दोनों सदनों में कुल मिलाकर 7,500 सांसदों ने अपना योगदान दिया है, मगर उनमें महिला सांसदों की संख्या कितनी रही?

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सज गए मंदिर मनेगा उत्सव

मथुरा। तीर्थनगरी मथुरा के बलदेव नगर में बुधवार से ही चंहुओर खुशी का माहौल है। यह माहौल गुरुवार को श्रीदाऊजी महाराज के जन्मोत्सव के उत्सव को लेकर है। 21 सितंबर को बलदेव जन्मोत्सव मनाया जाएगा। दर्शनार्थी विशेष हर्षोल्लास व श्रद्धा भक्ति से ओतप्रोत उस क्षण का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नंद के आनंद भयो जय दाऊ दयाल की...मंदिरों में यहीं गूंजने वाला है। इसका इंतजार समस्त ब्रजवासी बेसब्री से कर रहे हैं। भगवान के 19वें अवतारों में यदुवंश में बलराम जी का प्राकट्य हुआ। इन्होंने दुष्टों का संहार किया और पृथ्वी का भार उतारा। गर्ग संहिता के बलदेव खंड में शेषावतार श्री बलदेव के जन्म की कथा रोचक है। देवकी के सातवें गर्भ में भगवान अनंत का आगमन हुआ। वसुदेव की दूसरी पत्नी रोहिणी कंस के भय से गोकुल में रहती थी। योगमाया ने भगवान को देवकी के उदर से खींचकर रोहिणी के गर्भ में स्थापित किया। पांच दिन बाद भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष षष्ठी को स्वाति नक्षत्र, गुरुवार, मध्याह्न, तुला लग्न, पांच ग्रह उच्च स्थित थे। उस समय रोहिणी के गर्भ से शेषावतार बलदेव जी का अवतरण हुआ। मेघों ने जल बरसाये, देवताओं ने पुष्प वर्षा की। श्री बलराम जी की प्रतिमा श्री कृष्ण के पौत्र श्री ब्रजनाभ ने पूर्वजों की पुण्य स्मृति में स्थापित की थी। बलदेव जी का यह विग्रह द्वापर के बाद भूमिस्थ था। बलदेव नगर में स्थापित मूर्ति पूर्वकुषाण कालीन है। निर्माण काल तीन सहस्त्र से अधिक है। कहा जाता है कि गोकुल में श्री मद्वल्लभाचार्य महाप्रभु के पौत्र गोस्वामी गोकुलनाथ जी को बलदेव जी ने स्वप्न दिया। कहा कि श्यामा गाय जिस स्थान पर दूध स्त्रवित करती है। भूमि में उनकी प्रतिमा दबी है। भूमि की खुदाई की गई तो श्री विग्रह को मिला। यह विग्रह श्री कल्याण देवजी को पूजा-अर्चना के लिए सौंप दिया गया। इसके बाद मंदिर का निर्माण किया गया। तब से कल्याण देव जी के वंशज पूजा कर रहे हैं। मथुरा जिला मुख्यालय से पूर्वी छोर पर 20 किमी दूर बलरामजी का विशाल विग्रह स्थित है। जो आठ फीट ऊंचा, साढ़े तीन फुट चौड़ा है। श्याम वर्ण है। पीछे शेषनाग छाया करते हैं। विग्रह नृत्य मुद्रा में है। दाहिना हाथ सिर से ऊपर वरद मुद्रा में है। बाएं हाथ में चषक है। विशाल नेत्र, भुजाएं, भुजाओं में आभूषण, कलाई में कड़ूला उत्कीर्णित है। पैरों में आभूषण, कटि प्रदेश में धोती पहने हैं। मूर्ति के कान में कुंडल, कंठ में बैजंती माला उत्कीर्ण है। मूर्ति के सिर के ऊपर के तीन बलय हैं, जो विग्रह की शोभा को बढ़ा रहे हैं। माना जाता है कि बलराम जी शेषावतार हैं। रामावतार में वह लघु भ्राता लक्ष्मण के रूप में अवतरित हुए हैं। वहीं श्रीकृष्णावतार में ज्येष्ठ भ्राता बलदेव के रूप में अवतरित हुए हैं। दाऊजी को प्रतिदिन भोग प्रसाद में माखन-मिश्री, खीर-पूरी, भांग, दूध, पेड़ा लगाया जाता है। मथुरा के बलदेव में एक विशाल क्षीर सागर बनाया गया है।

वकीलों के साथ आया भारतीय किसान संगठन

संवाददाता
गाजियाबाद। आज दिनांक 20-09-2023 को भारतीय किसान संगठन ने बार ऐसोसिएशन हापुड़ के अधिवक्ताओं की मांगों को लेकर उनका पूर्ण रूप से समर्थन किया। और अधिवक्ताओं के कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ खड़े होने का भारतीय किसान संगठन ने पूर्ण आश्वाशन दिया। मामला अधिवक्ताओं पर हिंसक तरीके से लाठीचार्ज का। जिसमें आज हापुड़ जिलाध्यक्ष अजय यादव , मेरठ मंडल सचिव राजेश यादव , गाजियाबाद जिला उपाध्यक्ष मनोज यादव , कालू , नरेंद्र , विरेन्द्र , सुन्दर आदि पदाधिकारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त डायरी

कृषि गोष्ठी/मेला में कृषि विभाग ने किसानों को दी गयी योजनाओं की जानकारी

संवाददाता
कुशीनगर। कृषि विभाग जनपद कुशीनगर द्वारा कृषि गोष्ठी/मेला का आयोजन कर किसानों को बहुपयोगी विभिन्न तरह की जानकारी दी गयी। गोष्ठी की शुरूआत मोटे अनाज (मिलेट) पर चर्चा से हुयी। जिसमें किसानों से बाजरा, कोदो, सांवा, टांगून, मक्का, मडुआ (रागी) बोने की सलाह दी गयी। जिसके खाने से लोग कई बीमारियों से बच सकते हैं। मुख्य अतिथि नगर मण्डल कसया उपाध्यक्ष आद्या पाण्डेय ने केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश व प्रदेश के हर क्षेत्र का विकास हो रहा है। अपर जिला कृषि अधिकारी ने विभाग की चल रही योजनाओं की चर्चा करते हुए कृषि उत्पादन, वृद्धि के लिए कृषि प्रसार, कृषि निवेश, तकनीकी प्रबन्धन योजना के तहत कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम, नेशनल मिशन आन एग्रीकल्चरएक्सटेंशन आन टेक्नोलॉजी (आत्मा) पर चर्चा की गई। इसी क्रम में भाजपा नेता वीरेंद्र मिश्रा, नगर मण्डल महामंत्री विपुल दुबे, किसान मोर्चा अध्यक्ष मंगेश राय, संजय सिंह कौशिक, सभासद धर्मेंद्र यादव ने संबोधित किया। इससे पूर्व संचालन करते हुए खण्ड तकनीकि प्रबन्धक राजकुमार भाटिया ने कृषि के लाभदायक पहलुओं पर चर्चा की। इस दौरान सहायक विकास अधिकारी मनेंद्र सिंह, परीक्षित सिंह, सपना शर्मा, प्रीति सिंह, नवीन कुमार कृषि कर्मी के अलावे किसान भारी संख्या में मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर पोस्ट एक खबर ने बदला नगर की तस्वीर

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। नगर के मुख्य मार्ग कसया देवरिया मार्ग काफी दिनों से बीच बीच में टूट कर गड्ढों में तब्दील हो गया था। बरसात होने पर इन गड्ढों में बरसात का पानी भर जाने से गड्ढों का सही आकलन न कर पाने से कई मोटरसाइकिल सवार, साइकिल सवार, पैदल चलने वालो के लिए मुसीबत का सबब बन गया था। जबकि मुख्य मार्ग और नगरपालिका का ऑफिस, विधायक कार्यक्षेत्र भी इसी रास्ते होकर जाया जाता था वावजूद इसके कोई भी जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी का ध्यान इस तरफ नही पड़ा। सोशल मीडिया फेसबुक पर कसया जिला कुशीनगर का एक ग्रुप है जो काफी सक्रिय रहता है जिसका संचालन कसया निवासी एडवोकेट पुनीत श्रीवास्तव के द्वारा होता रहा है। मुख्य मार्ग पर बने गड्ढों तथा इसमें भरे बरसात के पानी से होने वाले आम जनमानस को तकलीफ से मुक्ति दिलवाने के लिए एक सार्वजनिक अपील श्रीवास्तव की के द्वारा किया गया। जिसे कसया के वर्तमान नगरपालिका चेयरमैन प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने संज्ञान लेते हुए गड्ढों को भरवाकर लोगो को हो रही असुविधा से मुक्ति दिलाई। जिसकी भूरी भूरी प्रसंसा नगर के लोगो द्वारा किया जा रहा।

अगौता ब्लॉक के बीहरा बबूपुर बागबाला के गवर्मेंट सेंटर पर किया गया गया फीवर कैंप का आयोजन

(संवाददाता)
बुलंदशहर । अगौता ब्लॉक के गांव बीहरा एबम बबूपुर व बागबाला के गवर्मेंट हॉस्पिटल पर फीवर कैंप का आयोजन किया गया,जिसमे कैंप में डॉक्टर के द्वारा मलेरिया टाइफाइड एवं डेंगू व चल रहे बुखार की जांच की गई,एवं दवा का वितरण किया गया, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगौता एक बहुत ही सराहनीय पहल कर रहा है जो प्रत्येक दिन चार से पांच कैंप का आयोजन कर रहा है और ग्रामीणों को घर-घर जाकर इलाज महिया कर रहा है कैंप के चलते गांव-गांव में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा सर्वे किया जा रहा है यह सर्वे आशाओं द्वारा और संगिनी द्वारा किया जा रहा है जिसमें बढ़ रहे डेंगू के मरीज व उनकी रोकथाम के लिए और उनके उपचार की व्यवस्थाओं को लेकर उन्हें जानकारी मुहैया कराई जा रही है, वह उनके सफल उपचार किया जा रहा है आज की सर्वे के अनुसार ग्राम बिसुन्धरा में आशा द्वारा सर्वे किया गया जिसमें 16 मरीज बुखार से पीड़ित मिले,व ग्राम अगौता में आशा द्वारा सर्वे किया गया तो पता चला कि,एक मरीज डेंगू का शिवा पिता किरणपाल सिंह उम्र 20 साल पीड़ित व्यक्ति मिला, एवं 15 बुखार के मरीज मिले, दिन प्रतिदिन आशाएं दिन निकलते ही सर्वे अभियान शुरू कर देती हैं,और ग्राम बासियों के मरीज ने इस कैंप का लाभ बड़ी कुशलतापूर्वक प्राप्त किया, कैंप में उपस्थित डॉक्टरों की टीम द्वारा गांव में बढ़ रही बीमारियों से बचाव एवं देखभाल की सुविधाओं के लिए दवा छिड़कवाने के भी निर्देश दिए गए, एवं और अन्य बीमारियों के बारे में भी ग्राम वासियों को जागरूक किया गया,कैंप में उपस्थित डॉक्टर की टीम डॉक्टर परविंदर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी वबूपुर मौजूद रहे,डॉ प्रिया रानी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी व डॉक्टर शीनू सागर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी वीहरा मौजूद रहे,डॉक्टर अमित कुमार सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी व डॉक्टर शिखा गौड़ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी बागबाला मौजूद रहे,विशेष सहयोग डॉक्टर पुष्पेंद्र यादव एमोआइशी अगौता बुलंदशहर द्वारा किया गया व लग रहे कैंपो का निरीक्षण भी डॉक्टर पुष्पेंद्र यादव जी द्वारा किया गया।

प्रदेश के मुख्य चुनाव आयुक्त ने बुद्ध का किया दर्शन, पूजन, चढाया चीवर

संवाददाता
कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मंगलवार की शाम बौद्ध स्थली पर पहुंचे और मुख्य मंदिर में पूजन अर्चन किया और राष्ट्रीय स्मारकों का अवलोकन किया तथा धरोहरों के पुरातत्विक, ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त की। मुख्य चुनाव आयुक्त उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा ने महापरिनिर्वाण मंदिर में बुद्ध लेती प्रतिमा पर चीवर चढ़ाया। पूजन किया। माथा कुंवर मंदिर और रामा भार स्तूप गए जहाँ उन्हें टूर गाइड डा0 अभय कुमार राय ने कुशीनगर के पर्यटकीय, पुरातत्विक, ऐतिहासिक महत्व की जानकारी दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इंटरप्रिटेशन सेंटर में बुद्ध के जीवन चरित्र पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म देखी। इसके पूर्व होटल इंपीरियल में डीएम उमेश मिश्र व एसपी धवल जायसवाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा का स्वागत किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एक अक्तूबर से प्रारंभ हो रहे नवीन पर्यटन वर्ष में पर्यटकों के लिए ई - कार्ट सेवा का शुभारंभ किया। चुनाव आयुक्त लोकसभा चुनाव 2023 के चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करने गोरखपुर आए थे। इस दौरान अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्र, उपजिलाधिकारी कसया योगेश्वर सिंह, नायब तहसीलदार शैलेश कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

प. विजय कुमार शर्मा को बनाया गया रास्ट्रीय उपाध्यक्ष

संवाददाता
हापुड़। जनपद हापुड़ मैं मेरठ रोड पर लव कुश ज्वेलर्स के मालिक पंडित विजय कुमार शर्मा को उनकी कार्य कुशलता संगठन में सक्रियता को देखते हुए कोर कमेटी की सर्व सहमति से, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा के दायित्व पर मनोनीत किया राष्ट्रीय अध्यक्ष सतपाल सिंह यादव पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष जी ने कहा विजय शर्मा जी जुझारू कर्मठ सक्रिय व्यक्ति हैं तथा सभी के साथ हर परिस्थिति में खड़े रहते हैं कोरोना काल में भी निशुल्क जरूरतमंदों को राशन आदि उपलब्ध कराया था बहादुर के लिए भी विजय शर्मा जी को D.M, S.P, मंत्री जी आदि के द्वारा बहादुरी के लिए प्रशासनीय पत्र दिए जा चुके हैं राष्ट्रीय महासचिव कर्नल सुधीर कुमार ने कहा विजय शर्मा संगठन में रहकर पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चे को मजबूती देने का कार्य करेंगे विजय कुमार शर्मा जी ने सभी का धन्यवाद दिया कार्यक्रम में राजेंद्र पाराशर जिला अध्यक्ष गाजियाबाद, संजय गिरी सचिव गाजियाबाद , गौरव यादव, सुभाष चंद्र प्रधान , सचिन शर्मा, कुश सर्राफ, वीरेंद्र प्रधान, आदि गणमान्य लोग रहे ।

गौशाला से 23 गाय गायब, आठ कार्मिकों में से केवल दो कार्मिक काम करते मिले

संवाददाता
हापुड़। आपको बता दे जनपद हापुड़ में नगर पालिका परिषद द्वारा संचालित गौशाला का मंगलवार की शाम को नगर पालिका परिषद हापुड कीअध्यक्ष पुष्पा देवी ने नगर पालिका परिषद हापुड़ के अधिकारिओ के साथ मिलकर किया औचक निरीक्षण निरीक्षण में गाय मिली भूखी प्यासी गौशाला में गायों को भूखी प्यासी देख वहां पर कार्य कर रहे कर्मियों को पुष्पा देवी ने लगाई जमकर फटकार गौशाला में गायों की सेवा में लगे 8 कार्मिकों में से वहा पर केवल 2 ही कार्मिक गायों की सेवा करते नजर आए तो उन पर भी फटकार लगाती नजर आई हापुड़ नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष पुष्पा देवी पुष्पा देवी ने गौ सेवा कर रहे कर्मियों से पूछा बाकी कार्मिक कहा हैं तो कार्मिकों ने बताया की दोफहर से ही गायब हैं। अब सोचने वाली बात हैं 210 गाय में से 187 गाय मिली हैं आखिर गौशाला में से 23 गाय कहा गायब हो गई । और गोशाला में गाय की सेवा करने वाले छह कार्मिक कहा गए अब यहां भी सोचने वाली बात हैं की यह छह कार्मिक काम करने आते भी हैं या नहीं। या कागजों में ही हों रही है खानापूर्ति

विशिष्ट लोगों के क्लब में शामिल हुए राजपाल यादव

यूएई ने दिया गोल्डन वीजा

संवाददाता
प्रयागराज । भारतीय सिनेमा जगत में अपनी हास्य अदाकारी से हर दिल मे जगह बना चुके हास्य कलाकार राजपाल यादव किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं । उन्हें सिर्फ अपने देश मे ही नहीं बल्कि विदेशों में भी तगड़ी संख्या में लोग पसंद करते हैं । इसी लोकप्रियता को भुनाते हुए संयुक्त अरब अमीरात ने राजपाल यादव को गोल्डन वीजा देकर सम्मानित किया है । आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस देश मे सिर्फ कुछ चुनिंदा लोगों के पास ही यह गोल्डन वीजा उपलब्ध है जिसमें शाहरुख खान, सलमान खान, संजय दत्त, बोनी कपूर, संजय कपूर, अर्जुन कपूर, जान्हवी कपूर व खुशी कपूर शामिल हैं । और अब इनलोगों के साथ आज से राजपाल यादव का नाम भी गोल्डन वीजा धारक के रूप में लिया जाएगा जो कि अपनेआप में काफी सम्मान की बात है । अपने फिल्मी कैरियर में अब तक सैकड़ों फिल्मों में एक से बढ़कर एक चरित्र के जरिये आमजनमानस के स्ट्रेस को दूर भगाने वाले राजपाल यादव अब स्थायी रूप से यूएई के लोगों का भी खुलकर मनोरंजन कर सकेंगे । विगत 16 सितम्बर को दुबई के फॉर्च्यून एट्रियम होटल में अब्दुल्लाह ग्रुप द्वारा आयोजित एक भव्य पार्टी में राजपाल यादव को यह सम्मान यूएई सरकार की ओर से दिया गया ।

इस समारोह में भारी मात्रा में राजपाल यादव के चाहने वाले भी उपस्थित रहे । राजपाल यादव ने इस मौके पर संयुक्त अरब अमीरात सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा की यह वाकई उनके लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है जो उन्हें विशिष्ट लोगों की श्रेणी में ला खड़ा किया है । राजपाल यादव ने बताया कि अब वे चाहें तो अगले 10 सालों तक निर्विवाद रूप से वो यूएई में स्थायी रूप से रह सकते हैं । यह उनके परिवार के लिए गौरवशाली पल है । आपको पता होना चाहिए कि यूएई का गोल्डन वीजा मिलना बहुत कठिन है , और यह विशेषकर उन्हीं लोगों को मिलता है जो स्थायी रूप से वहाँ अपना व्यवसाय करना चाहें, या वहां की सरकार को आपसे कोई आर्थिक लाभ की स्थिति दिखती हो । अन्यथा आपको यूएई का गोल्डन वीजा लेने के लिए अपने देश से किसी बड़े स्पॉन्सर की जरूरत पड़ेगी जो वाकई अपनेआप में एक कठिन कार्य है । और यह सब किये बिना यदि आपको गोल्डन वीजा मिलता है तो यह अपनेआप में किसी बड़े सम्मान से जरा सा भी कम नहीं है । और आज से राजपाल यादव उन चुनिंदा लोगों में शुमार हो गए हैं जिन्हें यूएई सरकार का गोल्डन वीजा उपलब्ध है ।

भगवती जागरण: भक्ति गीतों की सरिता में पूरी रात गोता लगाते रहे श्रोता

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के अहिरौली राजा में मंगलवार की रात में आयोजित मां भगवती जागरण में कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भक्ति गीतों की सरिता में श्रोता पूरी रात गोता लगाते रहे। आयोजित देवी जागरण के मुख्य अतिथि थाना प्रभारी निरीक्षक डाक्टर आशुतोष कुमार तिवारी के द्वारा गायक शल्लू सलमान को चुनरी ओढ़ाकर व विधिविधान से मंत्रोच्चारण के साथ मां भगवती की पूजा अर्चना कर मां ज्वाला की जोत प्रज्जवलित की। प्रभारी निरीक्षक डाक्टर आशुतोष कुमार तिवारी को अच्छे कार्य करने से प्रभावित होकर टीम के सदस्यों द्वारा उनको मंच पर अंग बस्त्र देकर सम्मानित किया गया तत्पश्चात शल्लू सलमान ने तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं का आव्हान कर गणेश वंदना प्रस्तुत की। उसके बाद गायक सन्नी सवारियां ने देखो मेरी मैया का दरबार निराला है तथा मां मुरादें पूरी कर दे हलुआ बाटूंगी आदि भेंटे प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायक बिबेक राव ने चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है आदि गीत पेश कर श्रोताओं को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। गायिका रोबिना ने मां काली का तांडव नृत्य, छप्पन भोग, गणेश आदि की झांकियां प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि डाक्टर आशुतोष कुमार तिवारी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवती जागरण में मां भगवती की महिमा का गुण सुनकर हम सभी को असमरण करनी चाहिए और सदभावना सबके साथ रखनी चाहिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सतवंत यादव, ग्राम प्रधान डिम्पल यादव, अमित राव, शिवम मदेशिया, प्रमोद मदेशिया, अमन जयसवाल, कृष्णा जयसवाल, अजय कुमार जयसवाल, नितिश गोंड, अमित मदेशिया आदि मौजूद रहे।

जीवक धम्मार्थ चिकित्सालय का हुआ शुभारंभ

संवादाता
गाजियाबाद। जीवक धम्मार्थ चिकित्सालय का एलजीएफ 105 शुभमंगलम बिल्डिंग आरडीसी राज नगर गाजियाबाद में मुख्य अतिथि नगर निगम पार्षद नीरज गोयल के द्वारा रिबन काटकर एवं दीप प्रज्वलित करके और भंतेजी के द्वारा बुद्ध वंदना के साथ शुभारंभ हुआ। जिसका संचालन जीवक विद्यापीठ ट्रस्ट (रजिस्टर्ड) के द्वारा किया जाएगा। नीरज गोयल ने जीवक विद्यापीठ ट्रस्ट के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चिकित्सालय का शुभारंभ किया है यह बहुत ही सराहनीय कार्य किया है और इस तरह के कार्य के लिए मैं संस्था अध्यक्ष और समस्त टीम सदस्यों को शुभकामनाएं बधाई देता हूं कि आप लोगों ने जरूरतमंद गरीब लोगों के लिए इस तरह की चिकित्सालय सेवा शुरू की। जीवक विद्यापीठ ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ अशोक राज विमल ने बताया कि विश्वस्तरीय मानको से परिपूर्ण आधुनिक उपकरणों से युक्त जीवक धम्मार्थ चिकित्सालय में जहां समस्त पुरानी से पुरानी एवं सामान्य बीमारियों का इलाज वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति सक्षम एवं अनुभवी विशेषज्ञो द्वारा विशेष इलाज बिना किसी दुष्परिणाम के सफलता पूर्वक किया जाएगा। जिसमें मरीज को आयुर्वेद, होम्योपैथी, कपिंग थेरेपी, एक्यूप्रेशर, आहार चिकित्सा, रैकी थेरेपी, नेचुरोपैथी, योगा, मसाज थेरेपी, विपश्यना ध्यान, फिजियोथैरेपी द्वारा उपचार दिया जाएगा। इस अवसर पर डॉक्टर टीम डॉ रोहित देव, डॉक्टर सुशील राणा, डॉक्टर अवधेश कुमार, डॉक्टर सौरभ सिंह, के द्वारा लोगों का स्वास्थ्य चेकअप किया गया। मंच संचालन कर रहे विजय बौद्ध ने मंच के माध्यम से सभी अतिथि गणों का हार्दिक अभिनंदन किया और चिकित्सालय के बारे मेंअवगत करते हुए बताया कि चिकित्सालय में प्रत्येक रविवार को बीपी, शुगर, हाइट, वेट और हीमोग्लोबिन की जांच निःशुल्क की जाएगी और मरिज सुविधा हेतु पंजीकरण शुल्क 10 रुपए थेरेपी शुल्क मात्र 50 रुपए और एक सप्ताह की दवाई मात्र ₹30 रखी गई है। और डॉक्टर रोहित देव ने सभी को चिकित्सालय में होने वाली बीमारियों के इलाज के बारे में बताया मुख्य रूप अश्वनी गौतम, सुशील गौतम, अजय प्रधान, प्रवेश कुमार, हेमंत कुमार, योगेश कुमार, प्रनवीर सिंह व्यास, जेपी वर्मा, शांति स्वरूप बौद्ध, नरेंद्र दीप, बृजगौतम, तरुण कुमार, राकेश कोरी, जगदीश प्रसाद ,अशोक कुमार, मनोज कुमार, देवेंद्र कुमार, सीमा राज, मोनिका गौतम, संतोष देवी, गर्गी गौतम ,काजल राज, खजानी बौद्ध, कुसुम लता पन्ना आदि सम्मिलित हुए

खूबसूरत ऐतिहासिक शहर

कच्छ

गुजरात विकास के लिए ही नहीं पर्यटन के लिए भी मशहूर है और यहां के कच्छ के बारे में तो कहा जाता है कि कच्छ नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा। कच्छ गुजारात का एक खूबसूरत ऐतिहासिक शहर है। कहा जाता है कि अगर कच्छ नहीं देखा तो गुजरात की यात्रा अधूरी है। पर्यटकों को लुभाने के लिए यहां बहुत कुछ है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। यहां का ज्यादातर भाग रेतीला और दलदली है।

कच्छ मांडवी बीच

कच्छ गुजरात का सबसे मशहूर पर्यटक स्थल है। कच्छ में आपको गुजरात की असली छाप देखने को मिलेगी। कच्छ में आपको ऐतिहासिक इमारतें जखाऊ, कांडला और मुन्द्रा बंदरगाह है। जिले में अनेक ऐतिहासिक इमारतें, मंदिर, मस्जिद, हिल स्टेशन और कई खूबसूरत पर्यटन स्थल है। कच्छ में हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। कच्छ का ज्यादातर हिस्सा रेतीला और दलदली है। यहां की सफेद रेत पर चलने का एक अलग ही मजा है।

कच्छ बीच-भुज से करीब 60 किमी। दूर स्थित यह बीच गुजरात के सबसे आकर्षक बीचों में एक माना जाता है। दूर-दूर फैले नीले पानी को देखना और यहां की रेत पर टलहना पर्यटकों को खूब भाता है। साथ की अनेक प्रकार के जलपक्षियों को भी यहां देखा जा सकता है। सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा यहां से बड़ा आकर्षक प्रतीत होता हैं।

कंठकोट किला

एक अलग-थलग पहाड़ी के शिखर पर बने इस किले का निर्माण 8वीं शताब्दी में हुआ था। कहा जाता है कि 1816 में अंग्रेजों ने इस पर अधिकार कर लिया और इसका अधिकांश हिस्सा नष्ट कर दिया। किले के पास ही जैन मंदिर, कंथडनाथ मंदिर और सूर्य मंदिर है।

नारायण सरोवर मंदिर

ये मंदिर भगवान विष्णु के सरोवर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान में पांच पवित्र झीलें हैं। इन तालाबों को भारत के सबसे पवित्र तालाबों में गिना जाता है। नारायण सरोवर को हिन्दुओं के अति प्राचीन और पवित्र तीर्थस्थलों में शुमार किया जाता है। श्री त्रिकमरायजी, लक्ष्मीनारायण, गोवर्धननाथजी, द्वारकानाथ, आदिनारायण, रणछोडरायजी और लक्ष्मीजी के मंदिर आकर्षक मंदिरों को यहां देखा जा सकता है।

भद्रेश्वर जैन मंदिर

ये प्राचीन जैन मंदिर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए अति पवित्र माना जाता है। भद्रावती में 449 ईसा पूर्व राजा सिद्धसेन का शासन था। बाद में यहां सोलंकियों का अधिकार हो गया जो जैन मतावलंबी थे। उन्होंनें इस स्थान का नाम बदलकर भद्रेश्वर रख दिया।

कांडला बंदरगाह

यह राष्ट्रीय बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। यह बंदरगाह कांडला नदी पर बना है। मांडवी बंदरगाह यह बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। वर्तमान में मात्र मछली पकडने के उद्देश्य से इसका प्रयोग किया जाता है। यह बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। इस बंदरगाह को महाराव श्री खेनगरजी तृतीय और ब्रिटिश सरकार के सहयोग से 19वीं शताब्दी में विकसित किया गया था।

जखऊ बंदरगाह

ये बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। अब इस बंदरगाह का इस्तेमाल केवल मछली पकडने के लिए किया जाता है।

धौलावीरा

यहां का पुरातात्विक स्थल हडप्पा संस्कृति का प्रमुख केन्द्र था। भुज से करीब 250 किमी दूर धौलावीरा में हडप्पा संस्कृति फली-फूली थी। यह संस्कृति 2900 ईसा पूर्व से 2500 ईसा पूर्व की मानी जाती है। सिंधु घाटी सभ्यता के अनेक अवशेषों को यहां देखा जा सकता है।

पश्चिमोत्तर कच्छ

यहां कई धार्मिक स्थले हैं। हिन्दू धर्म के पवित्र सरोवरों में से एक नरायण सरोवर, उससे थोड़ी ही दूर पर प्रसिद्ध भगवान शिव और रावण का कोटेश्वर मंदिर

कैसे पहुंचें-

सड़क मार्ग से कच्छ आसानी से जाया जा सकता है। सड़क मार्ग से गुजरात और पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां के लिए राज्य परिवहन और प्राईवेट डीलक्स बसें अनेक शहरों से चलती हैं।

वायु मार्ग- भुज और कांदला दो महत्वपूर्ण एयरपोर्ट हैं।

रेल मार्ग- यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन गांधीधाम और भुज जिले के पास है।

सड़क मार्ग- गुजरात पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां पर जाने के लिए आसानी से बस मिल जाती है।

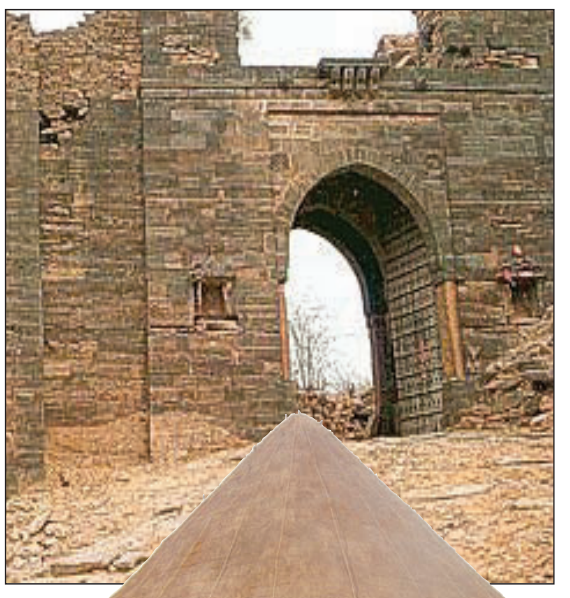

सुखद अहसास कराता है

गुरुदेव का शांति निकेतन

कोलकाता से 210 किलोमीटर दूर वीरभूम जिले में पड़ने वाला शांतिनिकेतन अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय विश्व भारती के लिए प्रसिद्ध है जिसकी स्थापना गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने की थी। 1863 में महर्षि देवेंद्र नाथ टैगोर द्वारा एक आश्रम के रूप में स्थापित किये गये इस विश्वविद्यालय में देश-विदेश के छात्र कला व संस्कृति की नई ऊंचाइयां छूते हैं।

शांतिनिकेतन में टैगोर की चित्रकला व मूर्तिकला के साथ ही बोस, रामकिंकर, विनोद बिहारी मुखोपाध्याय की कलाकृतियों के दर्शन करना सचमुच एक सुखद अहसास करता है। शांति निकेतन के दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आईए आपको सबसे पहले लिए चलते हैं उत्तरायण परिसर में, जहां कि कविगुरु स्वयं रहा करते थे। इसमें उदयन, श्यामली, कोणार्क, पुनश्च तथा उदीचि जैसे कई भवन मौजूद हैं साथ ही इनके अलावा आप ललित कला का कालेज, कला भवन, संगीत भवन, नृत्व व संगीत के कालेज, विद्या भवन, शिक्षा भवन, विनय भवन, हिंदी भवन, चीना भवन आदि भी देख सकते हैं।

शांतिनिकेतन से लगभग तीन किलोमीटर दूर डियर पार्क है। जिसमें आपको हिरण विचरते हुए नजर आएंगे। लोग यहां पिकनिक का आनंद उठाने आते रहते हैं। यहां से 78 किलोमीटर की दूरी पर मासनजोर स्थित है। मयूराक्षी नदी पर बना यहां का बांध आसपास के पहाड़ी सौंदर्य के कारण बहुत ही सुन्दर दिखता है, दूर से आए सैलानियों को तो यह स्थल बहुत ही भाता है। यहां के यूथ होस्टल में ठहरने की भी व्यवस्था है। यहां से लगभग 23 किलोमीटर की दूरी पर ननूर है, जोकि 14वीं सदी के वैष्णव कवि चंडीदास का जन्मस्थल है। यदि आप यहां जाना चाहें तो बोलपुर रेलवे स्टेशन से बस द्वारा यहां एक घंटे में पहुंचा जा सकता है। शांतिनिकेतन से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तारापीठ जाने के लिए बोलपुर से रामपुरहाट बस या ट्रेन से जाना पड़ेगा। वैस रामपुरहाट से तारापीठ केवल पांच किलोमीटर दूर है। यहां रामकनाई धर्मशाला भी है जहां आप रूक सकते हैं। तारापीठ के बारे में आपको एक बात बता दें कि यह तांत्रिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध स्थल है।

यहां की प्रसिद्ध वस्तुओं की बात करें तो आप पाएंगे कि यहां हथकरघा के वस्त्र अपनी कलात्मक डिजाइनों के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। बोलपुर, सर्वोदय आश्रम, विश्व भारती शिल्प सदन एवं शांतिनिकेतन कोआपरेटिव स्टोर्स से आप इन वस्त्रों की खरीददारी कर सकते हैं।

मौसम के हिसाब से देखें तो इस स्थल की सबसे खास बात यह है कि यहां वर्ष भर में कभी भी जाया जा सकता है। वैसे विश्व भारती विश्वविद्यालय मई-जून तथा सितंबर-अक्टूबर में पूजा की छुट्टियों में बंद रहता है। यदि आप यहां जाने का कार्यक्रम बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको बताए देते हैं कि पश्चिम बंगाल सरकार का पर्यटन विभाग एक रात व दो दिन का पैकेज टुअर पौष मेला के लिए विशेष तौर पर चलाती है। आप इन टुअर पैकेजों के लिए बोलपुर स्टेशन के पर्यटन कार्यालय से संपर्क साध सकते हैं।

शांतिनिकेतन में आपके ठहरने की व्यवस्था भी आराम से हो सकती है। आप यहां के होटलों में फोन करके एडवांस बुकिंग भी करा सकते हैं या फिर चाहें तो शांतिनिकेतन व बोलपुर में मौजूद सस्ते डाक बंगलों में भी ठहर सकते हैं। इन डाक बंगलों में ठहरने का खर्च प्रति व्यक्ति लगभग पचास से सौ रूपये आता है।

शांतिनिकेतन तक पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन बोलपुर है जो कि यहां से दो किलोमीटर दूर है। आपको बोलपुर तक आने के लिए हावड़ा, सियालदाह व गुवाहाटी से रेल सेवाएं मिल सकती हैं यदि आप सड़क मार्ग से आना चाहें तो कोलकाता के अतिरिक्त दुर्गापुर व सारनाथ से भी सड़क मार्ग से जा सकते हैं। वैसे कोलकाता से शांतिनिकेतन के लिए सरकारी बस सुबह आठ बजे चलती है।

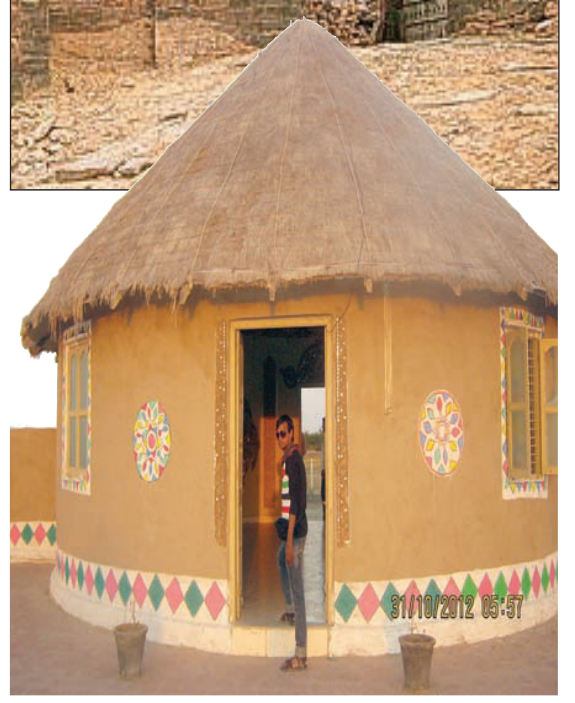

मरे चुके पुलिसकर्मी को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाते समय हुई हलचल

लुधियाना । पंजाब पुलिस कर्मचारी मनप्रीत इस वक्त सुर्खियों में है। दरअसल मनप्रीत को परिवार वाले इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में लेकर आए थे। परिजनों के अनुसा मनप्रीत को जहरीले कीड़े द्वारा काट लिया गया था और डॉक्टरों द्वारा मनप्रीत को लगातार 2 से 3 दिन तक वैंटिलेटर पर भी रखा गया। फिर अस्पताल स्टाफ ने उन्हें बताया कि मनप्रीत की मौत हो गई है। मगर जिस वक्त मनप्रीत के शव को एम्बुलेंस में पोस्टमॉर्टम के लिए ले जा रहे थे, तब मनप्रीत के शरीर में हलचल महसूस हुई नब्ज चेक की गई तब वह चल रही थी। पिता रामजी के मुताबिक डॉक्टर ने कहा कि मनप्रीत की हालत इतनी नाजुक है कि अगर वेंटिलेटर से उतारा गया, तब 3 मिनट बाद ही उसकी मौत हो जाएगी। पिता ने बताया कि रात करीब ढाई बजे उन्हें अस्पताल के स्टाफ ने बताया कि उनके बेटे की मौत हो गई है और अस्पताल प्रशासन ने उन्हें सुबह 9 बजे शव देने की बात कही। सुबह जब मनप्रीत के शव को एंबुलेंस में पोस्टमार्टम के लिए ले जाया जा रहा था, तब मनप्रीत के साथी पुलिस कर्मीयों ने महसूस किया कि मनप्रीत की नब्ज चल रही है। जिसके बाद मनप्रीत को तुरंत डीएमसी अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। जब एम्स बस्सी अस्पताल के डॉ.साहिल से बात की गई, तब उन्होंने बताया कि मनप्रीत जब उनके पास आया था, तब उसकी किडनी फेल थी। बीपी में भी लगातार गड़बड़ होने के कारण उसकी हालत बहुत खराब थी। मनप्रीत के परिवार ने उन्हें नहीं बताया था कि बेटे को किसी जहरीले कीड़े ने काटा है। उन्होंने सिर्फ यही कहा था कि उनके बेटे की लात और बाजू पर जख्म है। देर रात उन्होंने मनप्रीत के पिता से कह दिया था कि उनका बेटा बचने की हालत में नहीं है। जिसके बाद परिवार ने सुबह मरीज को ले जाने की बात कही। डॉक्टर साहिल के अनुसार उन्होंने या उनके स्टाफ में से किसी ने भी परिवार से मनप्रीत की मौत होने की बात नहीं बोली। अस्पताल से मरीज को जिंदा ही भेजा गया था उनका स्टाफ ही मरीज को ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ डीएमसी में छोड़कर आया है। अगर मनप्रीत की मौत हुई होती,तब डेथ समरी भी जारी की जाती। लिहाजा यह आरोप झूठे और बेबुनियाद है।

राजनेता जनता की रोटी कपड़े के लिए सोचें, सनातन, धर्म गुरुओं का विषय : उमा

सीहोर । पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने सनातन धर्म पर उठे विवाद पर कहा,सनातन धर्म को लेकर जो भी बोलना है। वह धर्म गुरु बोलें। उन्होंने राजनेताओं से कहा है कि वह जनता के लिए रोटी कपड़ा और मकान की चिंता करें। सनातन धर्म के बारे में विचार रखना और उसकी रक्षा करने का काम धर्मगुरु करेंगे। उमा भारती सीहोर के प्राचीन गणेश मंदिर पहुंची थी जहां पर उन्होंने यह बयान दिया। उमा भारती ने महिला आरक्षण विधेयक पर बोलते हुए कहा कि यह विधेयक 1996 में तत्कालीन प्रधानमंत्री देवगोड़ा ने प्रस्तुत किया था। हमने उस समय इस बिल का स्वागत किया था। इसके बाद यह बिल स्टैंडिंग कमेटी में चला गया था। उमा भारती ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बिल को उस संशोधन के साथ पारित करेंगे। जो संशोधन उन्होंने उस समय दिया था। कमजोर और गरीब वर्ग की महिलाओं को आरक्षण का लाभ मिले। उमा भारती ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है। सभी वर्गों को महिलाओं को आरक्षण प्राप्त होना चाहिए।

हर साल 10 मिलियन कैंसर के नए मामले आते हैं सामने

नई दिल्ली । वर्तमान समय में दुनिया भर में हर साल 10 मिलियन कैंसर के नए मामले सामने आते हैं। बीमारी के प्रति जागरुकता न होने के कारण कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। यह कहना है विश्व स्वास्थ्य संगठन का। कैंसर के शुरुआती लक्षण थकान, खांसी, सांस लेने में परेशानी होना, निगलने में दिक्कत होना, त्वचा पर गांठ महसूस होना, वजन बढ़ना या फिर कम होना, त्वचा का रंग बदलना और रात में पसीना आना, मांसपेशियों में दर्द होते रहना, मल में खून आना जैसे कई कारण हो सकते हैं। इसके बढ़ने के कई कारण होते हैं। शरीर में कुछ सेल जब अनियंत्रित रुप से बढ़ने लगे तो कैंसर की शुरुआत होती है। अनियंत्रित तौर पर बढ़ने वाली यह कोशिकाएं पूरे शरीर में फैलकर शरीर के बाकी सेल्स को भी नुकसान पहुंचाती हैं। इसके शुरुआती लक्षणों पर गौर करके बीमारी से काफी हद तक बचा जा सकता है हालांकि कुछ अनुवांशिक कारणों से भी यह हो सकता है। ऐसे में यदि आपके घर में किसी को कैंसर है तो समय रहते अपना टेस्ट जरुर करवाएं। इसके अलावा तंबाकू और सिगरेट मुंह का कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, पैंक्रियाटिक कैंसर का कारण बनते हैं। दिनचर्या में हम जो भी खाते-पीते हैं जिस हवा में सांस लेते हैं उनमें ऐसे कई तरह के तत्व मौजूद होते हैं जो कैंसर का कारण बनते हैं। आजकल मार्केट में पाए जाने वाला ज्यादा फल और सब्जियां कीटनाशकों से दूषित होती है जिनका सेवन करने से शरीर पर गलत असर पड़ता है। ऐसे में कुछ फूड्स भी कैंसर का कारण बनते हैं। ऑफिस, घर के चलते जो लोग खुद को एक्टिव नहीं रख पाते हैं उन्हें कैंसर की संभावना ज्यादा होती है। शोध की मानें तो जो लोग एक्सरसाइज करते हैं उनमें इस खतरनाक बीमारी का जोखिम कम होता है। हर हफ्ते में 150 मिनट एक्सरसाइज या योग जरुर करना चाहिए। कैंसर से बचाव के लिए खुद को फिट रखना जरुरी है। इसके अलावा जो लोग धूम्रपान या कैंसर का सेवन करते हैं वह भी इस खतरनाक बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। एल्कोहल का सेवन करने वाले लोग भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। धूम्रपान और एल्कोहल का सेवन करने से लिवर कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर का जोखिम काफी हद तक बढ़ता है। इसलिए कैंसर से बचने के लिए इन सारे पदार्थों से दूरी बनाकर रखें।

चेन्नई जा रहे विमान का आपात गेट खोलने से मची हड़कम्प के बाद आरोपी गिरफ्तार

नईदिल्ली। दिल्ली से चेन्नई जा रही 6ई 6341 इंडिगो विमान उस समय अफरा-तफरी मच गयी जब एक यात्री ने इमरजेंसी गेट खोलने की कोशिश की। यात्री की पहचान मणिकंदन के रूप में हुई है। यात्रियों की जान जाखिम में डालने वाले इस यात्री को एयरपोर्ट अधिकारियों को सौंप दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, आगे की जांच के लिए आरोपी को सीआईएसएफ को सौंप दिया गया है। इंडिगो कंपनी भी यात्री के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराएगी क्योंकि उसने अपनी ही नहीं बल्कि दूसरों की जान भी जोखिम में डाली। बता दें कि इससे पहले भी 8 जुलाई को हैदराबाद से दिल्ली जा रही इंडिगो फ्लाइट में एक यात्री ने टेक ऑफ के दौरान विमान के इमरजेंसी गेट का कवर खोल दिया था। इसकी शिकायत दिल्ली एयरपोर्ट पर की गई थी। फ्लाइट लैंड होते ही आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर हिरासत में ले लिया गया था।

बुजुर्ग आदिवासी को भाजपा मंडल अध्यक्ष ने चप्पलों से पीटा

अनूपपुर । अनूपपुर जिले के मंडल भाजपा अध्यक्ष की गुंडागर्दी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में भाजपा मंडल अध्यक्ष जय गणेश दीक्षित एक बुजुर्ग आदिवासी को चप्पलों से पीट रहे हैं। मंडल अध्यक्ष के साथ जो अन्य लोग हैं। वह भी आदिवासी बुजुर्ग के साथ बदसलूकी वीडियो में करते हुए दिख रहे हैं। घटना जिले के बेरीबांध और जुमड़ी के बीच की बताई जा रही है। अनूपपुर-अमरकंटक रोड पर एक पिकअप ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी। जिसमें बाइक सवार आदिवासी बुजुर्ग भोम सिंह उम्र 60 वर्ष की मौत हो गई थी। 57 साल का सह सवार घायल हो गया था। एक्सीडेंट की सूचना मिलने के बाद भाजपा नेता जय गणेश दीक्षित मौके पर पहुंचे। आदिवासी से वह दुर्घटना के बारे में जानकारी ले रहे थे। उसको कोई जानकारी नहीं थी। इससे नाराज होकर दीक्षित ने उसे चप्पलों से पीट दिया। मंगलवार से यह वीडियो बड़ी तेजी के साथ वायरल हो रहा है। पुलिस ने बुजुर्ग के साथ मारपीट के मामले में दो आरोपी जितेंद्र कुशवाहा और जय गणेश दीक्षित के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की अभी तक जांच कर रही है।

11 राज्यों में पुष्पराज पटेल के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज

नर्मदापुरम । कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पुष्पराज पटेल पर मध्य प्रदेश सहित 11 राज्यों में मानहानि का मामला दर्ज कराया गया है। किसान मोर्चा संगठन के राष्ट्रीय संयोजक शिवकुमार कक्का जी के ऊपर पुष्पराज सिंह ने ढाई लाख किसानों के हितों को बेचने का आरोप लगाया था। पुष्पराज के इस बयान से नाराज होकर मध्य प्रदेश सहित 11 राज्यों में पुष्पराज के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज हुये है।

बीजेपी के जय पांडा ने कनाडा पर निशाना साधा निशाना, कहा-

भारत को क्यूबेक जनमत संग्रह में भी करनी चाहिए सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा ने बुधवार को कहा कि क्यूबेक स्वतंत्रता आंदोलन को सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय धरती की पेशकश की जानी चाहिए, जैसे कनाडा खालिस्तानियों को अनुमति देने के लिए विचारशील रहा है। उनकी यह टिप्पणी खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच चल रही तनातनी के बीच आई है। उन्होंने कहा कि शायद हमें क्यूबेक स्वतंत्रता आंदोलन के कार्यक्रमों के लिए भारतीय मिट्टी की पेशकश भी करनी चाहिए।

पांडा ने सिफारिश की कि भारतीय नेताओं को निर्वाचित कनाडाई नेताओं से मिलना चाहिए जो क्यूबेक की स्वतंत्रता के लिए समर्थन व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें उनसे मिलना चाहिए और उनके विचारों को समझना चाहिए। भारत-कनाडाई मित्रता और सहयोग की भावना मे, मुझे यहां दिल्ली में उनके लिए एक बातचीत की मेजबानी करने में खुशी होगी। कनाडा में खालिस्तानी आंदोलन और भारत विरोधी गतिविधियों को लेकर भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक विवाद चल रहा है। हालिया विवाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के आरोपों से उपजा है। भारत ने इससे पहले ओटावा में मामले को लेकर एक भारतीय अधिकारी को निष्कासित करने के बदले में एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को बाहर कर दिया था, जिससे दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव बढ़ गया था।

क्यूबेक स्वतंत्रता आंदोलन, जिसे क्यूबेक संप्रभुता आंदोलन के रूप में भी जाना जाता है। इसका उद्देश्य कनाडा से क्यूबेक की स्वतंत्रता प्राप्त करना है। आंदोलन के उन हिस्सों का मानना है कि क्यूबेक अपने आर्थिक, सामाजिक, पारिस्थितिक और सांस्कृतिक विकास के लिए और अधिक अच्छा करने में सक्षम होगा यदि यह कनाडा का हिस्सा नहीं है। यह 'क्यूबेक राष्ट्रवाद' के विचार पर आधारित है, जिसका उद्देश्य क्यूबेक को एक स्वतंत्र राज्य बनाना है।

अखिलेश ने भाजपा सरकार पर 'महाझूठ' से चर्चा शुरू करने का लगाया आरोप

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर महाझूठ से चर्चा शुरु करने का आरोप लगाया है। उन्होंने महिला आरक्षण को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नयी संसद के पहले दिन ही भाजपा सरकार ने 'महाझूठ' से अपनी पारी शुरू की है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि नयी संसद के पहले दिन ही भाजपा सरकार ने 'महाझूठ' से अपनी पारी शुरू करी है। जनगणना और परिसीमन के बिना महिला आरक्षण बिल लागू हो ही नहीं सकता, जिसमें कई साल लग जाएँगे, तो भाजपा सरकार को इस आपाधापी में महिलाओं से झूठ बोलने की क्या ज़रूरत थी। भाजपा सरकार न जनगणना के पक्ष में है न जातिगत गणना के, इनके बिना तो महिला आरक्षण संभव ही नहीं है। उन्होंने कहा कि आधा-अधूरा बिल 'महिला आरक्षण' जैसे गंभीर विषय का उपहास है। इसका जवाब महिलाएं आगामी चुनावों में भाजपा के विरूद्ध वोट डालकर देंगी।

इससे पहले उन्होंने लिखा था कि महिला आरक्षण लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन होना चाहिए। इसमें पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी (पीडीए) की महिलाओं का आरक्षण निश्चित प्रतिशत रूप में स्पष्ट होना चाहिए। गौरतलब है कि नए संसद भवन में पहले दिन की कार्यवाही के दौरान महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा में पेश हो गया। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इसे सदन के पटल पर रखा। लोकसभा में विधेयक पास होने के बाद इसे राज्य में पेश किया जाएगा। गुरुवार को ही इस पर राज्यसभा में चर्चा भी हो सकती है।

संविधान की प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द हटाने का आरोप

-कांग्रेस के अधीर रंजन ने किया दावा, संविधान की नई प्रतियों से गायब हुए ये शब्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाया है कि संविधान की नई प्रतियों में प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द हटा दिए गए हैं। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने इस तरह का दावा किया है। मीडिया से बात करते हुए चौधरी ने दावा किया कि संविधान की जो नई प्रतियां आज 19 सितंबर को हमें दी गईं, जिसे हम हाथ में लेकर नए संसद भवन में प्रवेश कर गए, उसमें प्रस्तावना में समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं हैं। कांग्रेस नेता चौधरी ने कहा कि भले ही 1976 में एक संशोधन के बाद इन दो शब्दों को प्रस्तावना में शामिल किया गया था, लेकिन आज कोई हमें संविधान की प्रति देता है और उसमें ये शब्द नहीं हैं, तो यह चिंता का विषय है। कांग्रेस नेता ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी मंशा संदिग्ध है। यह बड़ी चतुराई से किया गया है। यह मेरे लिए चिंता का विषय है। मैंने इस मुद्दे को उठाने की कोशिश की लेकिन मुझे मौका नहीं मिला। गौरतलब है ?कि नया संसद भवन मंगलवार को कामकाज के लिए खुल गया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुराने परिसर से नए भवन तक सांसदों के मार्च का नेतृत्व किया।

इस प्रक्रिया में संसद सदस्यों को संविधान की नई प्रतियां सौंपी गईं। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि उन्हें संविधान की जो प्रति मिली थी उसकी प्रस्तावना में उन्होंने खुद 'समाजवाद' और धर्मनिरपेक्ष शब्द लिखे। चौधरी ने कहा, 'मैंने राहुल गांधी को भी इस बारे में बताया।' अब अधीर रंजन के दावे पर सरकार की प्रतिक्रिया भी आ गई है। बीजेपी नेता और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि 'जब संविधान बना था तो ऐसा ही था। उसके बाद 42वां संशोधन हुआ। ये मूल संविधान की प्रतियां हैं, जो सभी सांसदों को वितरित की गई हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अधीर रंजन के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब संविधान का मसौदा तैयार किया गया था, तो यह ऐसा ही था। बाद में एक संशोधन किया गया था। यह मूल प्रति है। जानकारी के लिए बता दें कि 1976 में पारित संविधान के 42वें संशोधन ने प्रस्तावना में भारत के विवरण को 'संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य' से 'संप्रभु समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य' शब्दों में बदल दिया। 20 पृष्ठ लंबे इस विस्तृत दस्तावेज ने संसद को अभूतपूर्व शक्तियां प्रदान कीं।

सज्जन कुमार को मिली बड़ी राहत, 1984 के सिख विरोधी दंगे से जुड़े मामले में सबूतों के अभाव में बरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को आज तब बड़ी राहत मिली जब 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में स्थानीय अदालत ने उन्हें बरी कर दिया। हम आपको बता दें कि सिख विरोधी दंगों से जुड़े विभिन्न मामलों में दोषी ठहराये जाने के बाद से पूर्व सांसद सज्जन कुमार दिल्ली की जेल में बंद हैं। आज राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार समेत सभी आरोपियों को जिस मामले में बरी किया है वह सुल्तानपुरी इलाके में 3 लोगों की हत्या से संबंधित था। सज्जन कुमार पर आरोप था कि दंगों के दौरान वह भीड़ को भड़का रहे थे। इस मामले में अदालत ने सीबीआई के सभी गवाहों को सुनने और साक्ष्यों पर गौर करने के बाद सभी आरोपियों को बरी कर दिया। बताया जा रहा है कि पर्याप्त सबूत नहीं होने के आधार पर सभी को बरी किया गया है। हम आपको बता दें कि यह मुकदमा साल 2010 में कड़कड़डूमा कोर्ट में दर्ज किया गया था। सज्जन कुमार, ब्रह्मानंद, पेरु, कुशल सिंह और वेद प्रकाश के खिलाफ सिख विरोधी दंगों के दौरान सुल्तानपुरी में सिखों की हत्या के मामले में आरोप तय किया गया था।

बहरहाल, अदालत से सज्जन कुमार समेत सभी आरोपियों को बरी किये जाने के बाद जहां उनके वकीलों ने फैसले का स्वागत किया वहीं पीड़ित सिख परिवारों ने फैसले पर निराशा जताते हुए कहा है कि यह अन्याय है और वह हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे और सज्जन कुमार को फांसी दिलाये बिना चैन से नहीं बैठेंगे।

निपाह वायरस को लेकर राहत की खबर, केरल में पिछले चार दिनों से नहीं आया एक भी केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बुधवार को बताया कि राज्य में पिछले चार दिनों में निपाह का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। वायरस के फैलने से लोगों के लिए खतरा पैदा हो गया। उन्होंने कहा कि अब तक 323 नमूनों में से 317 का परीक्षण नकारात्मक और छह का परीक्षण पॉजिटिव रहा है। जॉर्ज के मुताबिक, 11 लोग आइसोलेशन में हैं और उनके टेस्ट नतीजे नेगेटिव हैं। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। हमारे पास छह सकारात्मक मामले थे। एक नौ वर्षीय लड़के की हालत में चिकित्सकीय सुधार हो रहा है और अन्य तीन व्यक्ति, जो पॉजिटिव हैं, उनकी भी हालत स्थिर है।

इससे पहले मंगलवार को, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा था कि कोझिकोड जिले से रिपोर्ट किया गया प्रकोप अब नियंत्रण में है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा था कि राज्य में संक्रामक बीमारी का खतरा अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, फिलहाल निपाह प्रकोप की दूसरी लहर की संभावना से इंकार करना संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह नहीं कहा जा सकता कि निपाह का खतरा पूरी तरह खत्म हो गया है, लेकिन राहत की बात है कि यह बीमारी अधिक लोगों में नहीं फैली है। उन्होंने कहा, 'आज यहां निपाह समीक्षा बैठक आयोजित की गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय है कि दूसरी लहर की संभावना बहुत कम है लेकिन इसे पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता है।' यह देखते हुए कि राज्य स्वास्थ्य प्रणाली घातक वायरस के प्रसार को प्रभावी ढंग से रोक सकती है, उन्होंने कहा कि वायरस का शीघ्र पता लगने से खतरनाक स्थिति टल गई। उन्होंने कहा कि हालांकि संक्रमण का प्रसार नियंत्रण में है, लेकिन भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) भी इस बात का स्पष्ट जवाब नहीं दे सका कि उत्तरी कोझिकोड से निपाह के मामले क्यों सामने आ रहे हैं। सीएम ने कहा कि 36 चमगादड़ों के नमूने परीक्षण के लिए भेजे गए, लेकिन कोई वायरस नहीं मिला और आने वाले दिनों में और नमूने एकत्र किए जाएंगे।

चंद्रयान के बाद गगनयान की तैयारी पर जयराम रमेश ने ली चुटकी

-पहले दी बधाई, बाद में पीयूष गोयल के बयान पर किया कटाक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में पीयूष गोयल ने बुधवार को भारत के गगनयान मिशन की चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि चंद्रयान मिशन के बाद अब भारत गगनयान मिशन की तैयारी कर रहा है। वहीं कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने इस पर चुटकी लेते हुए सरकार पर कटाक्ष किया। राज्यसभा में पीयूष गोयल ने बताया कि गगनयान मिशन आने वाले वर्ष 2024 के लिए प्लान किया गया है। पीयूष गोयल ने इस दौरान राज्यसभा में चंद्रयान-3, आदित्य एल 1 मिशन, स्पेस मिशन में इस्तेमाल हो रही स्वदेशी तकनीक और इसरो के वैज्ञानिकों एवं कार्यकलापों का जिक्र किया। इस पर जवाब देते हुए कांग्रेस की ओर जयराम रमेश ने सर्वप्रथम इसरो के वैज्ञानिकों को चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग के लिए बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा चुटकी लेतें हुए कहा कि सरकार द्वारा ऐसा प्रचारित किया जा रहा है कि मानो यह उपलब्धियां केवल 2014 के बाद शुरू हुई है और इसके सूत्रधार केवल प्रधानमंत्री मोदी हैं।

राज्यसभा में जयराम रमेश ने पंडित जवाहरलाल नेहरू व इंदिरा गांधी के विक्रम साराभाई के साथ सहयोग की बात कही। देश की आजादी के बाद किए गए स्पेस रिसर्च कार्यक्रमों का जिक्र किया। उन्होंने 1963 में किए गए पहले परीक्षण का भी उल्लेख किया। जयराम ने बताया कि पूर्व की सरकारें पूरी तरह इसरो और वैज्ञानिकों के साथ खड़ी रही हैं। इससे पहले नेता सदन पीयूष गोयल ने राज्यसभा में बोलते हुए कहा कि यह नया उत्साहित भारत है। गोयल ने कहा कि चंद्रयान-3 के बाद अब गगनयान मिशन उसको भी हम सफल बनाएंगे। उसके लिए भी हम सबको इसरो को शुभकामनाएं देनी चाहिए। हम सब मिलकर एक संदेश दें कि आगे आने वाले गगनयान के लिए भी इसरो सफल हो।

पीयूष गोयल ने कहा कि स्पेस से जुड़ी रिसर्च भारत को काफी आगे लेकर जाएगी। स्पेस से जो आप सीखेंगे, चंद्रयान-3 की जो उपलब्धियां होगी, उससे आगे चलकर भारत का डाटा स्टूक्चर डेवलप होगा। पीयूष गोयल ने इस दौरान भारत के आदित्य मिशन की भी चर्चा की। आदित्य मिशन एल 1, जो सूरज और भारत के बीच लगभग 15 लाख किलोमीटर की दूरी पर जाकर स्टेशन होगा, वहां से सूरज और सूर्य की किरणों की ताकत को स्टडी करेगा।

2024 में नहीं होंगे आम चुनाव? महिला आरक्षण लागू करने के लिए इसे 2026 तक टाला जा सकता है, पवार का बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के महाराष्ट्र विधायक रोहित पवार ने बुधवार को कहा कि उन्हें डर है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार महिला आरक्षण विधेयक और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' योजना के कार्यान्वयन का हवाला देते हुए आम चुनाव को 2024 से 2026 तक स्थगित कर देगी। जनता के बीच उनकी (भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की) छवि को देखते हुए, 2024 के चुनावों में केंद्र में सरकार बदल जाएगी। लेकिन मुझे लगता है कि केंद्र सरकार समय पर चुनाव नहीं होने देगी। महिला आरक्षण विधेयक पेश किया गया है, लेकिन इसे 2026 के बाद ही लागू किया जाएगा। इसलिए, भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार महिला कोटा विधेयक और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का हवाला देते हुए 2026 तक चुनाव स्थगित कर सकती है।

सरकारी सेवा में नियमित कर्मचारियों की जगह संविदा कर्मचारियों को लाने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले के खिलाफ महात्मा ज्योतिबा फुले काडा में सांकेतिक उपवास के दौरान पवार ने कहा कि हर कोई महिला आरक्षण विधेयक का स्वागत करता है और महाराष्ट्र ने स्थानीय नगर निकायों के चुनावों में महिलाओं को आरक्षण देने वाला पहला राज्य बनकर इसका बीज बोया है। कर्जत-जामखेड के राकांपा विधायक ने कहा कि भाजपा जानबूझकर अपने कनिष्ठ नेताओं को सार्वजनिक रूप से अपने गठबंधन दलों के नेताओं की आलोचना करवाकर अन्य राजनीतिक दलों के लोकप्रिय राज्य नेताओं के करियर को समाप्त कर रही है।

नरेंद्र मोदी सरकार ने मंगलवार को 128वां संवैधानिक संशोधन विधेयक, 2023 पेश किया, जिसे 'नारीशक्ति वंदन अधिनियम' कहा गया, जिसमें लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों पर कोटा बढ़ाकर 33 प्रतिशत आरक्षण लाया जाएगा। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति. हालाँकि, महिलाओं के लिए आरक्षण विधेयक के पारित होने के बाद आयोजित पहली जनगणना के आधार पर परिसीमन अभ्यास पूरा होने के बाद ही लागू होगा।

स्वचालित रोबोकॉल से ठगी करने के दोषियों को 41 महीने की जेल

न्यूयॉर्क । अमेरिका भर में पीड़ितों से वायर ट्रांसफर में अवैध रूप से प्राप्त 12 लाख डॉलर स्वीकार करके वायर धोखाधड़ी की साजिश में उनकी भूमिका के लिए दो भारतीय नागरिकों को 41 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। अमेरिकी अटॉर्नी फिलिप आर. सेलिंगर ने बताया कि 29 वर्षीय अरुशोबाइक मित्रा और 25 वर्षीय गरबिटा मित्रा को अमेरिकी जिला न्यायाधीश एस्थर सालास के समक्ष वायर धोखाधड़ी की साजिश के एक मामले में दोषी ठहराया गया था। न्यायाधीश सालास ने मंगलवार को नेवार्क संघीय अदालत में सजा सुनाई। अमेरिकी अटॉर्नी सेलिंगर ने कहा कि इन प्रतिवादियों और उनके साजिशकर्ताओं ने छल और धमकियों का इस्तेमाल करके हमारे कुछ सबसे कमजोर नागरिकों को अपना शिकार बनाया और उन्हें पैसे भेजने के लिए मजबूर किया। हमारी बुजुर्ग आबादी को इस प्रकार के धोखेबाज रोबोकॉल घोटालों से बचाना हमारे कार्यालय की प्राथमिकता है। जो लोग इस तरह की बुजुर्ग धोखाधड़ी योजना में शामिल हैं, वे न्याय का सामना करने के लिए तैयार रह सकते हैं। इस मामले में दायर दस्तावेजों और अदालत के बयानों के अनुसार, एक अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी योजना के हिस्से के रूप में, आपराधिक भारत-आधारित कॉल सेंटरों ने अमेरिकी निवासियों, विशेष रूप से बुजुर्गों को धोखा देने के इरादे से देश भर में पीड़ितों के लिए स्वचालित रोबोकॉल का उपयोग किया। इन स्वचालित कॉलों के माध्यम से पीड़ितों के साथ संपर्क स्थापित करने के बाद साजिश के अन्य सदस्य पीड़ितों को अपने साथी सदस्यों को नकद शिपमेंट या वायर ट्रांसफर के माध्यम से बड़ी रकम भेजने के लिए मजबूर करते थे या बरगलाते थे। इन षड्यंत्रकारियों ने पीड़ितों को पैसे भेजने के लिए राजी करने के लिए कई तरह के हथकंडों का इस्तेमाल किया, जिसमें खुद को सामाजिक सुरक्षा प्रशासन जैसी एजेंसियों के सरकारी अधिकारी बताना या एफबीआई या डीईए के कानून प्रवर्तन अधिकारी बताना शामिल था। वे पीड़ितों को पैसे न देने पर गंभीर कानूनी या वित्तीय परिणाम भुगतने की धमकी देते थे। अन्य हथकंडों में कॉल करने वाले पीड़ित को यह विश्वास दिलाते थे कि वे एक तकनीकी सहायता कंपनी के किसी व्यक्ति से बात कर रहे हैं और पीड़ित को उसके पर्सनल कंप्यूटर का रिमोट एक्सेस प्रदान करने के लिए मजबूर करते थे। इसके बाद कॉल करने वाला पीड़ित के बैंक खातों तक पहुंच बनाता था उसे यह दिखाता था कि उसने अनजाने में पीड़ित के बैंक खाते में पैसे भेज दिए हैं, जबकि वास्तव में कॉल करने वाले ने पीड़ित के ही किसी अन्य खाते से पैसे ट्रांसफर किए होते थे। फिर कॉल करने वाला पीड़ित को अन्य सदस्यों को मेल या वायर ट्रांसफर के माध्यम से पैसे वापस करने का निर्देश देगा। जेल की शर्तों के अलावा, न्यायाधीश सालास ने अरुशोबाइक और गार्बिटा को तीन साल की निगरानी में रिहाई की सजा सुनाई और उन्हें क्षतिपूर्ति के रूप में 8,35,324 डॉलर का भुगतान करने का आदेश दिया।

तुर्की राष्ट्रपति एर्दोगन से उद्योगपति मस्क की अनौपचारिक संवाद में बनी अहम सहमति

सैन फ्रांसिस्को । राष्ट्रपति तैयप एर्दोगन के साथ मीटिंग के लिए अपने पुत्र एक्स के साथ पहुंचे बिजनेसमैन एलन मस्क के बीच मनोरंजक बातचीत हुई। न्यूयॉर्क के टर्किश हाउस में हुई इस मुलाकात के दौरान, मस्क ने पुत्र को गोद में बिठा रखा था, वहीं राष्ट्रपति एक्स की ओर बार-बार बॉल उछालते रहे लेकिन उसने पकड़ने की कोशिश नहीं की। मीटिंग के दौरान, एर्दोगन ने मस्क से पूछा, 'आपकी पत्नी कहां हैं?' इस पर मस्क ने बताया कि तलाक के बाद से वह सैन फ्रांसिस्को में हैं, और वे पुत्र पर ध्यान देते हैं। मस्क के कनाडाई सिंगर ग्रिम्स से तीन संतान हैं। पती का पहला बच्चा एक्स एई ए12 मई 2020 में पैदा हुआ था दोनों से एक्सा डार्क साइडरेल मस्क नामक पुत्री भी है। तीसरा टेक्नो मैकेनिकस नामक संतान की जानकारी इसी महीने दी गई। मस्क और ग्रिम्स ने कभी शादी नहीं की, हालांकि टेक अरबपति ने पहले कनाडाई लेखिका जस्टिन विल्सन और अंग्रेज अभिनेत्री तलुलाह रिले से शादी की थी। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति एर्दोगन ने टेस्ला से तुर्की में अपना 7वां कारखाना खोलने की बात की। एर्दोगन ने बैठक के दौरान यह भी कहा कि तुर्की कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्टारलिंक पर सहयोग के लिए तैयार है। वहीं, बातचीत के दौराम मस्क ने कहा कि टेस्ला की फैक्ट्री के लिए तुर्की सबसे उपयुक्त जगहों में से एक है। जल्द ही स्पेस-एक्स स्टार लिंक की सेवाएं तुर्की को प्रदान करेगा, इसके लिए अधिकारियों से बातचीत शुरू की जाएगी। वहीं, मस्क को सितंबर के अंत में इज़मिर में तुर्की एयरोस्पेस और प्रौद्योगिकी महोत्सव 'टेक्नोफेस्ट' में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

भूकंप से तबाही के बाद मोरक्को में लड़कियों पर टूटा शोषण का कहर

रबात । अफ्रीकी देश मोरक्को में भूकंप से तबाही के बाद शोषण का कहर टूट पड़ा है। यहां 8 सितंबर को आई प्राकृतिक आपदा ने जहां सबकुछ छीन लिया है वहीं यह भूकंप महिलाओं और लड़कियों के लिए और भी ज्यादा तबाही लेकर आया है। भूकंप के बाद यहां, बेघर हुईं महिलाओं और लड़कियों के शोषण और शादी के लिए पुरुषों द्वारा ऑनलाइन पोस्ट शेयर किए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर इन पोस्टों को देखते हुए महिला अधिकार कार्यकर्ता और संगठन हाई अलर्ट पर हैं। फेसबुक पर 'सिटी गर्ल्स' नाम के एक पेज पर लड़कियों के तरह तरह के पोस्ट शेयर किए जा रहे हैं। एक पोस्ट में लिखा गया है, 'आप उस शख्स से शादी क्यों करना चाहेंगे, जो आपसे टाइट कपड़े और अपना शरीर दिखने के लिए महंगे कपड़े और आपके बच्चे को पालने के लिए पैसे मांगता हो? उन लड़कियों से शादी करो जो आपसे किसी भी चीज की डिमांड नहीं करती हैं। एक अन्य इंस्टाग्राम स्टोरी में, भूकंप के बाद बचाव कार्य में लगा स्वयंसेवी ने अपने पास में खड़ी एक 10 साल की लड़की की फोटो शेयर कर शादी के ?लिए रजमंदी की बात कह रहा है। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता यासमिना बेन्स्लिमाने ने बताया, 'यहां पुरुष जाकर इन लड़कियों से शादी करने की वकालत करते हुए धर्म के आधार पर इसे उचित ठहरा रहे हैं। और भले ही वे कम उम्र की हों, हम उनसे शादी कर उन्हें बचाएंगे। महिलाओं और लड़कियों के बारे में ऐसी आपत्तिजनक सामग्री ऑनलाइन के मामले में इस सप्ताह एराचिडिया शहर के एक 20 वर्षीय छात्र को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, इस लड़के ने ऑनलाइन पोस्ट के जरिए लोगों को भूकंप प्रभावित क्षेत्रों की यात्रा करने की सलाह दी थी, ताकि वहां से लड़कियों को जाल में फंसाया जा सके। नाबालिग लड़कियों की जबरन शादी, तस्करी और यौन उत्पीड़न के अलावा मासिक धर्म को लेकर सेनेटरी पैड भी चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां की लड़कियों को इनके इस्तेमाल के बारे में भी नहीं मालूम है, ऐसा माना जा रहा है कि आपराधिक तत्व इनको मासिक धर्म रोकने का बहाना देकर उन्हें शादी करने के लिए बरगला रहे हैं।

अजरबैजान व आर्मेनिया के बीच छिड़ी जंग, चार सैनिकों सहित दो नागरिकों की मौत

आर्मेनिया । अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच युद्ध शुरु हो गया है। ताजा जानकारी के मुताबिक इसमें चार सैनिकों तथा दो आम लोगों की जान चली गई है। यहां दोनों देशों के बीच संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि आर्मेनिया के नियंत्रण वाले नागोर्नो-काराबाख में तोपखानों से समर्थन देते हुए अपने सैनिकों को भेजा हुआ है। साथ ही इसे एक आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन बताया। अजरबैजान ने चेतावनी देते हुए कहा है कि जब तक आर्मेनियाई सेना आत्मसमर्पण नहीं करती उसका अभियान नहीं रुकेगा। अजरबैजान की ओर से सैन्य आक्रमण शुरू करने से पहले उसके चार सैनिकों की मौत हो गई, दो आम नागरिक लैंडमाइन की चपेट में आने से मारे गए। अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी।

अजरबैजान बलों ने विवादित नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र में अर्मेनियाई ठिकानों पर गोलीबारी की है। इस बीच, जातीय अर्मेनियाई अधिकारियों ने दावा किया कि क्षेत्र की राजधानी के आसपास तोपखाने की गोलीबारी में कम से कम दो नागरिक मारे गए और 11 घायल हो गए। आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच वर्षों से तनाव व्याप्त है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक क्षेत्र की राजधानी में भारी तोपखाने की गोलीबारी में कम से कम दो नागरिक मारे गए, जबकि 11 अन्य घायल हो गए। अजरबैजान मंत्रालय ने कहा कि अर्मेनिया के सशस्त्र बलों के खिलाफ और सैन्य संपत्तियों पर हाई-टेक्नोलॉजी वाले हथियारों का इस्तेमाल करते हुए केवल वैध सैन्य लक्ष्यों पर हमला किया गया था। इस मामले में नागोर्नो-काराबाख मानवाधिकार लोकपाल ने कहा कि अजरबैजान की सेना के हमलों में 2 नागरिक मारे गए और 23 घायल हो गए है।

यूक्रेन पर रूस के हमले के बीच, रूसी ड्रोन हमले से क्षतिग्रस्त एक औद्योगिक गोदाम की साइट पर काम करते अग्निशामक।

जापानियों को मिला है लंबी उम्र का वरदान, हर 10 में एक की आयु 80 साल के पार

टोक्यो । जापान दुनिया का इकलौता ऐसा देश है जहां पर बुजुर्गों की आबादी सबसे ज्यादा बताई गई है। यहां हर 10 में से 1 बुजुर्ग 80 की आयु पार कर चुका है। आंकड़ों के अनुसार यहां बुजुर्गों की आबादी का प्रतिशत सबसे अधिक है। इसके पीछे एक बड़ी वजह बर्थ रेट को बढ़ाने के लिए लगातार किए जा रहे सभी प्रयास असफल साबित होना भी है। इसके चलते ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि 2040 तक जापान में बुजुर्गों की आबादी 34.8 प्रतिशत हो जाएगी। पिछले साल जापान में जन्म लेने वाले शिशुओं की संख्या 800,000 से कम रिकॉर्ड हुई है जोकि 19वीं शताब्दी के शुरू होने के बाद पहली बार दर्ज हुई है। जापान के आंतरिक मामलों के मंत्रालय का अनुमान है कि देश में 10 में से एक व्यक्ति की उम्र 80 या उससे अधिक है क्योंकि पहली बार जापान की आबादी में 80 से अधिक उम्र के लोगों की हिस्सेदारी 10प्रतिशत से अधिक है। जापान के मंत्रालय की ओर से वृद्ध दिवस पर सालाना रिपोर्ट जारी करते हुए जन्म दर में लगातार आ रही कमी पर चिंता जाहिर की गई है। रिपोर्ट की माने तो जापान दुनिया का वह सबसे पुराना देश बन गया है जहां पर 65 साल से ज्यादा उम्र के लोगों का अनुपात ज्यादा है। जापान में इस साल 65 वर्ष के लोगों की आबादी का अनुपात 29.1 फीसदी रिकॉर्ड किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक 65 या उससे अधिक उम्र के लोगों की संख्या पिछले साल के मुकाबले 10,000 कम होकर 36.2 मिलियन रह गई है।

हिंदुओं को कनाडा से भारत भेजने वाले खालिस्तानी पन्नू की धमकी पर जस्टिन ट्रूडो ने साधी चुप्पी

ओटावा (एजेंसी)। खालिस्तान आंदोलन को आगे बढ़ाने वाले गुरवंत सिंह पन्नू ने कनाडा में रहने वाले हिंदुओं को धमकाया है। पन्नू ने साफ कहा है कि भारतीय-कनाडाई हिंदुओं को कनाडा छोड़कर चले जाने में ही भलाई है। इधर पन्नू की धमकियों के बावजूद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो चुपचाप बैठे हुए हैं। बता दें कि भारत और कनाडा के बीच खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर तनातनी जारी है। हाल ही में पन्नू का एक वीडियो सामने आया है जिसमें उसे भारत को धमकाते हुए देखा जा सकता है। इसके साथ ही उसने 29 अक्टूबर के वैंकुवर में जनमत संग्रह के लिए कनाडा में बसे सिखों से वोटिंग करने के लिए कहा है। पन्नू का वीडियो सुनकर सन् 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के साथ जो गुजरा था, वो वाकया याद आ जाएगा। गौरतलब है कि पन्नू को भारत ने आतंकी घोषित किया हुआ है। पन्नू यह को कहते हुए सुना जा सकता है, भारतीय-हिंदुओं ने कनाडा के संविधान का अपमान किया है। इसलिए कनाडा को छोड़ दो, भारत चले जाओ। खालिस्तान समर्थक सिख हमेशा कनाडा के प्रति वफादार रहे हैं और उन्होंने हमेशा कनाडा का पक्ष लिया है। उन्होंने कनाडा के संविधान और कानून का सम्मान किया है।

यहां गौरतलब है कि भारत ने एसएफजे को साल 2019 में बैन कर दिया था। वीडियो में पन्नू

कहता है, अक्टूबर 29 को किल इंडिया कैंपेन में हिस्सा लेने के लिए सभी सिखों को वैंकुवर में रहने की अपील करता हूं। वह वोट करें कि भारत के उच्चायुक्त संजय वर्मा हरदीप सिंह निज्जर के लिए जिम्मेदार हैं?वीडियो के बाद हिंदू मूल की कनाडा की मंत्री अनीता आनंद ने शांति की अपील की है। एक पोस्ट में एक्स पर, आनंद ने कहा कि दक्षिण एशियाई और भारत से आने वाले परिवार, धर्म की परवाह किए बिना, इस भावना को साझा करेंगे कि ट्रूडो के बयान को सुनना मुश्किल था। उन्होंने कहा, यह कानूनी प्रक्रिया को जारी रखने का समय है सभी शांत, एकजुट और सहानुभूतिशील रहें। बता दें कि पन्नू का यह वीडियो तब आया है जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या के लिए भारत सरकार के एजेंट्स को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रूडो ने देश की संसद में कहा कि 18 जून को हुई निज्जर की हत्या के बीच संभावित संबंध था। इन गंभीर आरोपों के कारण दोनों देशों के वरिष्ठ राजनयिकों को देश से निकाल दिया गया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में तुर्की ने फिर उठाया कश्मीर मुद्दा

जिनेवा (एजेंसी)। कश्मीर मुद्दे पर तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा है कि बातचीत के जरिए भारत और पाकिस्तान द्वारा इसे सुलझाने से क्षेत्र में स्थिरता आएगी। मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र आम सभा में एर्दोगन ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत एवं सहयोग के माध्यम से कश्मीर में न्यायसंगत और स्थायी शांति की स्थापना से ही दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। इस दिशा में उठाए जाने वाले कदमों का तुर्की समर्थन करेगा। उनकी यह टिप्पणी पिछले दो वर्षों की तरह ही हल्की थी और संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों या सीधे मध्यस्थता की पेशकश के संदर्भ से बचते हुए, यह भारत की स्थिति के करीब थी कि कश्मीर विवाद एक द्विपक्षीय मामला है।

एर्दोगन ने वर्ष 2020 में कश्मीर की स्थिति को ज्वलंत मुद्दा बताते हुये कश्मीर के लिए विशेष दर्जा समाप्त करने की आलोचना की थी। पिछले साल, उन्होंने जोर देकर कहा था कि संकल्प अपनाए जाने के बावजूद, अभी भी कश्मीर में 80 लाख लोग फंसे हुए हैं। पिछले साल, केवल एर्दोगन और तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर मुद्दे का उल्लेख किया था। एर्दोगन ने इस्लाम के नाम पर महिलाओं और लड़कियों को शिक्षा और अधिकांश काम से वंचित करने वाले तालिबान शासन की ओर संकेत दिया कि अगर वह प्रतिबंध हटा लेता है तो उसके शासन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किया जाएगा।

उन्होंने कहा, कि अंतरिम (अफगानिस्तान) सरकार का एक समावेशी प्रशासन में परिवर्तन, जिसमें समाज के सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व मिले, अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में अफगानिस्तान को सकारात्मक रूप से स्वीकार करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने उइघुर अल्पसंख्यकों, जो ज्यादातर मुस्लिम हैं, के साथ व्यवहार के लिए चीन की आलोचना करते हुए कहा कि हम उइघुर तुर्कों के मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता की सुरक्षा के संबंध में अपनी संवेदनशीलता व्यक्त करना जारी रखेंगे, जिनके साथ हमारे मजबूत ऐतिहासिक और मानवीय संबंध हैं। एर्दोगन ने कहा कि सुरक्षा परिषद विश्व सुरक्षा की गारंटर नहीं रह गई है और केवल पांच देशों की राजनीतिक रणनीतियों के लिए युद्ध का मैदान बन गई है।

भारत-कनाडा विवाद के बीच पाकिस्तान ने उठाया कुलभूषण जाधव का मामला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आतंकवादी निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच विवाद चल ही रहा है कि इधर पाकिस्तान ने कुलभूषण जाधव का मामला उठा दिया है। मिली जानकारी के अनुसार खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर चल रहे विवाद में अब पाकिस्तान भी कूद पड़ा है। पाकिस्तान के विदेश सचिव सयरुस काजी ने कुलभूषण जाधव वाला राग फिर से अलापते हुए कहा कि कनाडा के खुलासे से उसे कोई आश्चर्य नहीं है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में हिस्सा लेने न्यूयॉर्क पहुंचे काजी ने भारत पर आतंकवाद फैलाने का बेबुनियाद आरोप लगा दिया। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान ने भारतीय नौसेना के अधिकारी कुलभूषण जाधव को बलूचिस्तान से अरेस्ट किया हुआ है। कुलभूषण जाधव को पाकिस्तानी कोर्ट ने जासूसी के आरोप में मौत की सजा सुनाई है।

गौरतलब है कि खालिस्तान के हमदर्द बने कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने आरोप के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया है लेकिन पाकिस्तानी विदेश सचिव ने दावा किया कि इसमें कुछ सच्चाई जरूर है। काजी ने कहा कि कुलभूषण जाधव पाकिस्तान को अस्थिर करने में लगे हुए थे। लश्कर को पालने वाले पाकिस्तान ने कश्मीर को लेकर भी जहर उगला और आरोप लगाया कि भारत आतंकवाद फैला रहा है। एक दिन पहले ही पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भारत के खिलाफ हमला बोला था। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कहा था कि वह भारत को हिंदू और आतंकी राष्ट्र स्वीकार कर ले। बिलावल ने कहा, ट्रूडो का बयान बहुत बड़ा आरोप है। दुनिया के सामने भारत का खुलासा हो गया है। कब तब पश्चिमी देश और हमारे मित्र भारत के कृत्य की अनदेखी करते रहेंगे।

इतना ही नहीं पाकिस्तानी विदेश सचिव ने कहा कि केयरटेकर प्रधानमंत्री संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर का मुद्दा उठाएंगे। बता दें कि कुलभूषण जाधव को पाकिस्तान ने ईरान की सीमा से पकड़ लिया था। कुलभूषण जाधव को यातना देने के बाद पाकिस्तान ने जबरन उनसे वीडियो जारी कराया। पाकिस्तान भारत पर आतंकवाद फैलाने के आरोप लगा रहा है लेकिन यह सच है कि खुद कश्मीर में बड़े पैमाने पर आतंकी भेज रहा है। ये आतंकी आए दिन भारतीय सुरक्षा बलों पर हमले करते रहते हैं।

राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में भारतवंशी निक्की हेली बाइडेन से आगे निकले

-एक सर्वे में हुआ नया खुलासा, 41 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने किया हेली का समर्थन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में इन दिनों राष्ट्रपति चुनावों की तैयारी चल रही है। इस दौरान एक नए सर्वेक्षण ने सभी को चौंका दिया है। सर्वे के अनुसार भारतीय-अमेरिकी और पूर्व संयुक्त राष्ट्र राजदूत निक्की हेली राष्ट्रपति जो बाइडेन से आगे निकल गए हैं। हालांकि वह भारतीय मूल के ही विवेक रामास्वामी से आगे हैं। इस सप्ताह जारी हार्वर्ड कैप्स-हैरिस पोल सर्वेक्षण में पाया गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों में डोनाल्ड ट्रम्प, हेली और टिम स्कॉट से पीछे चल रहे हैं, लेकिन भारतीय-अमेरिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस से आगे हैं। जब 2024 में हेली और बाइडेन के बीच एक काल्पनिक मुकाबले के बारे में पूछा गया, तो 41 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे हेली का समर्थन करेंगे, जबकि 37 प्रतिशत ने कहा कि वे वर्तमान मौजूदा राष्ट्रपति का समर्थन करेंगे। इक्कीस प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे नहीं जानते या अनिश्चित हैं कि वे किसका समर्थन करेंगे, बाइडेन का या हेली।

हार्वर्ड सीएपीएस, हैरिस पोल के सह-निदेशक मार्क पेन ने बताया कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन राष्ट्रीय सर्वेक्षण संख्या में पिछड़ रहे हैं और अब कई उम्मीदवार उनसे आगे हैं। यह एक नया विकास है क्योंकि हेली जैसे गैर-ट्रम्प संभावित विरोधियों को एक्सपोज़र मिलता है। सर्वेक्षण में पाया गया कि 44 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे ट्रम्प को वोट देंगे, जबकि 40 प्रतिशत ने कहा कि वे बाइडेन का समर्थन करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, अलग-अलग 15 प्रतिशत ने कहा कि वे अनिश्चित थे या उन्हें नहीं पता था, जो जुलाई में इसी तरह के हार्वर्ड सीएपीएस-हैरिस पोल से काफी हद तक अपरिवर्तित थे, जिसमें ट्रम्प को 45 प्रतिशत और बाइडेन को 40 प्रतिशत वोट मिले थे।

जब बाइडेन और स्कॉट के बीच मुकाबले के बारे में पूछा गया, तो 12-14 सितंबर तक 2,103 पंजीकृत मतदाताओं के साथ किए गए सर्वेक्षण में बाइडेन को 37 प्रतिशत वोट मिले, जबकि स्कॉट को 39 प्रतिशत वोट मिले। बाइडेन ने दौड़ में अन्य भारतीय-अमेरिकी विवेक रामास्वामी से बेहतर प्रदर्शन किया। इस 80 वर्षीय व्यक्ति ने पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस और डेसेंटिस के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन कई नकारात्मक सर्वेक्षण राष्ट्रपति के लिए उनकी उम्र को एक मुद्दा बताते हैं। अमेरिका के अब तक के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति बाइडेन ने हाल ही में कहा था कि ऐसा लगता है कि बहुत से लोगों का ध्यान उनकी उम्र पर केंद्रित है।

पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ ने पाकिस्तान की गरीबी का रोया दुखड़ा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने देश में व्याप्त गरीबी का दुखड़ा रोया है। नवाज ने देश में आई उथल-पुथल के लिए पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और पूर्व जासूस फैज हमीद को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा ?कि आज भारत चांद पर पहुंच गया है, जी20 की बैठक भारत में हो रही है और पाकिस्तान दुनिया भर के देशों से एक अरब डॉलर की भीख मांग रहा है। शरीफ ने भारत की आर्थिक वृद्धि की सराहना करते हुए पाकिस्तान से इसकी तुलना करते हुए कहा कि, यह अफसोस की बात है कि पाकिस्तान गले तक कर्ज में डूबा हुआ है और इसे नहीं चुकाने की कगार पर है, और देश के प्रधानमंत्री को भीख का कटोरा लेकर पैसा मांगने के लिए बीजिंग और अरब देशों की राजधानियों में जाना पड़ रहा है। यहां गौर करने वाली बात यह है कि पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और पूर्व जासूस और इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (डीजी-आईएसआई) के महानिदेशक फैज हमीद को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का समर्थन प्राप्त था। बाजवा का कार्यकाल खान के शासनकाल के दौरान बढ़ाया गया था। पाकिस्तान में चुनाव एक विवादास्पद मुद्दा बन गया है क्योंकि न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका चुनाव की तारीखों को लेकर खींचतान में उलझे हुए हैं। इससे पहले अगस्त में, पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने कहा था कि चुनाव जनवरी 2024 में हो सकते हैं, लेकिन पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी, जो इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी से हैं, ने कहा कि चुनाव संवैधानिक आदेश के अनुसार, नवंबर में होंगे।

बाढ से लीबिया हुआ परेशान, 2 और डैम ला सकते हैं तबाही

-3,958 से अधिक लोगों की मौत के बाद यूएन ने दी महामारी की भी चेतावनी

ट्राईपोलि (एजेंसी)। अफ्रीकी देश लीबिया में इन दिनों बाढ़ से भयंकर तबाही बची हुई है। बता दें कि पिछले 10 सितंबर को आई 'महाविनाशकारी' बाढ़ में 3,958 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। अब फिर यहां के 2 डैम तबाही ला सकते हैं। बता दें कि भूमध्यसागर में आए चक्रवाती तूफ़ान 'डेनियल' की वजह से 2 बांध टूट गए थे, जिससे डर्ना शहर में भयंकर बाढ़ आ गई थी। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों की समन्वय एजेंसी ने चेतवानी जारी की है कि लीबिया में दो अन्य बांध टूट सकते है। हालांकि, अपने विरोधाभासी बयान में यूएन की इस एजेंसी ने कहा कि ऐसा तत्काल नहीं होगा, लेकिन इनका सही से रखरखाव नहीं हुआ तो भविष्य में कुछ ऐसी ही तबाही आ सकती हैं। उधर, यूएन ने एक अन्य बयान में बताया कि बाढ़ से मची तबाही से जल-जनित बीमारियां भी लीबिया में 'महामारी' फैला सकती हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी लीबिया के दो अन्य बांध जाजा और कतरा के बारे में बात कर रही थी। लेकिन उन्होंने इन दोनों बांधों के बारे में अस्पष्ट बयान दिया है। पहले कहा ?कि इन दोनों बांधों से खतरा है, लेकिन आगे उन्होंने बताया कि ये सुचारू रूप से चल रहे हैं।

जाजा बांध बाढ़ प्रभावित शहर डर्ना और बेंगाजी शहर के बीच स्थित है। वहीं बेंगाजी शहर के पास ही स्थित कतरा बांध है। ओसीएचए के अधिकारियों ने बताया कि जाजा बांध का दबाव कम करने और सुचारू रूप से संचालन के लिए पंप लगाए जा रहे हैं। मालूम हो कि 10 सितंबर को लीबिया में बांध टूटने की वजह से भयंकर बाढ़ आई थी। लेकिन डर्ना सबसे ज्यादा प्रभवित शहर था। यूएन ने इस तबाही में सबसे पहले 11,000 लोगों के मारे जाने की बात कही थी, लेकिन सोमवार को नए आंकड़ों के मुताबिक 3,958 लोगों की मरने की खबर है।

संयुक्त राष्ट्र और सहायता समूहों ने डर्ना और पूर्वी लीबिया के अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को दूषित पानी के कारण हैजा, दस्त, निर्जलीकरण जैसी गंभीर बीमारी के खतरे की चेतावनी दी है। सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर अब्देलवानीस अशूर ने यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड के अपने पिछले साल के पेपर में इस बांध के खतरे के बारे में सरकार और संबंधित अधिकारियों को आगाह किया था।

आईआरसी ने कहा कि पूर्वी शहर डर्ना में पहले से ही कम से कम 55 बीमार बच्चों के ममले सामने आए हैं, जो दूषित पानी पीने के कारण बीमार हो गए हैं। आईआरसी के लीबिया में डायरेक्टर एली अबौओन ने कहा कि डर्ना और अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति गंभीर है, बुनियादी मानवाधिकार के तहत लोगों तक स्वच्छ पानी पहुंचाने की कोशिश जारी है।

सिराज बने नम्बर 1 गेंदबाज, आईसीसी रैंकिंग में बोल्ट, राशिद और स्टार्क जैसे दिग्गजों को पछाड़ा

हांगझाऊ (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज बुधवार को 5 अक्टूबर से शुरू होने वाले आईसीसी विश्व कप से पहले वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 8 पायदान ऊपर चढ़कर नंबर एक स्थान पर पहुंच गए। एशिया कप फाइनल में श्रीलंका को 50 रन पर समेटने के लिए सिराज ने 21/6 के आंकड़े के साथ शानदार गेंदबाजी की थी जिससे ना सिर्फ भारत ने एशिया कप का खिताब जीता बल्कि सिराज को गेंदबाजी रैंकिंग चार्ट में शीर्ष पर पहुंचने में भी मदद की।

सिराज ने 12.2 की औसत से 10 विकेट लेकर टूर्नामेंट का समापन किया। उन्होंने रैंकिंग में ट्रेंट बोल्ट, राशिद खान और मिशेल स्टार्क जैसे गेंदबाजों को पीछे छोड़ दिया है। मुजीब उर रहमान और राशिद खान की अफगान स्पिन जोड़ी भी अपनी रैंकिंग में सुधार करके क्रमशः नंबर 4 और नंबर 5 पर पहुंच गई है। वे शीर्ष 10 में जाने वाले एकमात्र अन्य व्यक्ति थे।

दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज ने अपनी चोट से वापसी के बाद जबरदस्त प्रदर्शन किया। महाराज ने प्रोटियाज को 'बैगी ग्रीन्स' के खिलाफ पहले दो मैच हारने के बाद पांच मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला जीतने वाली पांचवीं टीम बनने में मदद की। पांचवें एकदिवसीय मैच में बाएं हाथ के स्पिनर के 4-33 रन ने उन्हें श्रृंखला में 16.87 की औसत और केवल 4.07 प्रति ओवर की इकॉनमी से 8 विकेट दिलाए। वह इस समय अपने पिछले करियर के उच्चतम स्तर से 10 स्थान ऊपर 15वें स्थान पर हैं।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप : अंतिम पंघाल की शानदार शुरूआत, मौजूदा विश्व चैंपियन को हराया

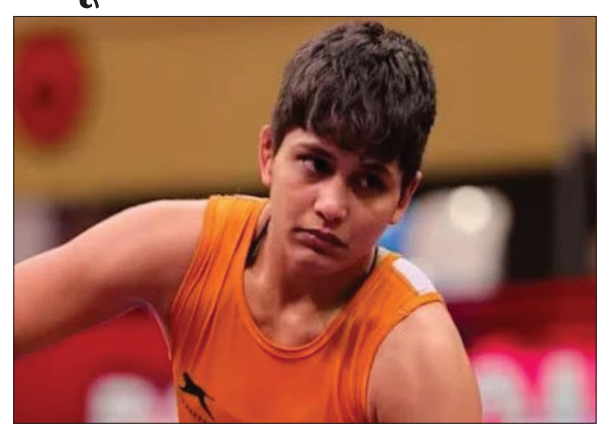

बेलग्रेड (सर्बिया) (एजेंसी)। भारत की युवा पहलवान अंतिम पंघाल ने क्वालीफिकेशन दौर में बुधवार को यहां अमेरिका की मौजूदा विश्व चैंपियन ओलिविया डोमिनिक पैरिश को हराकर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

पंघाल पहले दौर के इस मुकाबले में एक समय 0-2 से पीछे चल रही थी लेकिन उन्होंने इसके बाद जबरदस्त वापसी करके 3-2 से जीत दर्ज की। अमेरिकी पहलवान शुरू में ही हावी हो गई थी। उन्होंने पंघाल के दाएं पांव को पकड़कर भारतीय पहलवान को नीचे गिराकर दो अंक हासिल किए। इसके बाद भारत की 19 वर्षीय पहलवान का रक्षण हालांकि काफी मजबूत था और उन्होंने इस तरह के दो अन्य प्रयासों को नाकाम कर के पहले पीरियड में आगे कोई अंक नहीं गंवाया।

पंघाल ने इसके बाद भी अपना मजबूत रक्षण बरकरार रखा और पैरिश को किसी तरह से हमला नहीं करने दिया। भारतीय पहलवान ने इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी का बायां पांव पकड़ कर उन्हें नीचे गिराया और दो अंक हासिल करके मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। पैरिश ने इसके बाद निष्क्रिय बने रहने के लिए एक अंक गंवाया। पंघाल ने अपनी इस मामूली बढ़त हो आखिर तक बरकरार रखा और जीत हासिल की।

भारत की पांच महिला पहलवान और 10 पुरुष फ्री स्टाइल पहलवान पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वे ओलंपिक कोटा हासिल करने या गैर ओलंपिक वर्गों में पदक जीतने में नाकाम रहे।

इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती मैच से पहले टीम उत्साहित: पॉल स्टर्लिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के अंतरिम कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के शुरुआती मैच से पहले टीम उत्साहित है। स्टर्लिंग के पास पिछली बार एकदिवसीय मैच में दोनों टीमों के बीच हुई अच्छी यादें हैं। उन्होंने 2020 में साउथेम्प्टन में आयरलैंड के लिए 7 विकेट की जीत में 142 रन बनाए और उस एक रोमांचक खेल में आयरलैंड ने जीत के लिए 329 रनों का सफलतापूर्वक पीछा किया था। स्टर्लिंग ने कहा, यह बहुत समय पहले जैसा महसूस होता है, विशेष रूप से जब यह कोविड ??परिस्थितियों में था, लेकिन मुझे लगता है कि साउथेम्प्टन में उस दिन से वहां मौजूद खिलाड़ियों के लिए जीत की भावना है। मुझे पता है कि जब भी हम इंग्लैंड जाते हैं, आकर देखते हैं कि दुनिया में क्रिकेट के लिए सबसे अच्छे देशों में से एक में क्रिकेट क्या है, यह वास्तव में हमारे खिलाड़ियों को उत्साहित करता है। मुझे लगता है कि इंग्लैंड हाल ही में इतनी अच्छी टीम इसलिए रही है क्योंकि गहराई में उनकी ताकत इतनी अधिक है। मुझे लगता है कि वे संभवतः अपने शीर्ष एकादश में से किसी एक की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को ले सकते हैं और यह बहुत भिन्न नहीं होगा कि वे अपना काम कैसे करते हैं।

32 वर्षीय ने 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के लिए क्वालीफाइ ना कर पाने के लिए निराशा के बाद एंडी बालबर्नी से पदभार संभाला है। उनका मानना है कि जैक क्रॉली के नेतृत्व वाले इंग्लैंड के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए आयरलैंड की टीम में काफी क्षमता है। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि हम जिसके खिलाफ आ रहे हैं वह मजबूत होगा। उन्होंने कहा, यह वह प्रारूप है जिस हम सभी खेलना पसंद करते हैं, और व्यक्तिगत रूप से मैं बहुत उत्साहित हूं, यह शायद मेरा पसंदीदा प्रारूप है। हम वास्तव में परिचित परिस्थितियों में वहां जाने के लिए उत्सुक हैं भले ही कैलेंडर वर्ष में काफी देर हो चुकी है, हर कोई वास्तव में वहां जाने और खेलने के लिए उत्साहित है।

आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 का एंथम सांग दिल जश्न बोले जारी

मुंबई (एजेंसी)। आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 को महज 15 दिन शेष हैं। करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों ने मैच देखने की पूरी तैयारी कर ली है। इस बीच वर्ल्ड कप के आयोजन का आधिकारिक गीत यानी एंथम सांग जारी कर दिया गया है, वह है, दिल जश्न बोले'। आईसीसी ने बताया कि काफी मशहूर और लोगों के पंसदीदा रणवीर सिंह और बॉलीवुड सिंगर प्रीतम के सहयोग से बनाया गया यह एंथम प्रशंसकों को अब तक के सबसे बड़े क्रिकेट विश्व कप का एंथम सांग होने वाला है।

इस एंथम सांग में आप इंटरनैशनल फ्लेवर के साथ भारत की ट्रेडिशनल म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट का मजा ले सकते है। आईसीसी ने बताया कि इस धुन का उद्देश्य दुनिया भर में क्रिकेट कम्युनिटी की भावनाओं को पकड़ना है, एक मैचिंग म्यूजिक वीडियो के साथ उसे प्ले करना है। इससे कई कल्चर वाले देशों के लोग और प्रशंसक एकसाथ म्यूजिक का मजा ले सकते हैं। एंथम सांग के लांच होने के मौके पर रणवीर सिंह काफी खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि इस गाने को क्रिकेट की दुनिया में लोगों तक पहुंचाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है,

और यह सम्मान की बात है। रणवीर ने कहा, 'यह उस खेल का उत्सव है जिसे हम सभी प्यार करते हैं।'

एंथम सांग के लॉन्चिंग के मौके पर सिंगर प्रीतम भी मौजूद रहे। वे पूरी दुनिया में प्रीतम दा के नाम से मशहूर हैं। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट भारत का सबसे बड़ा जुनून है और अब तक के सबसे बड़े विश्व कप के लिए 'दिल जश्न बोले' की रचना करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात रही है।'यह गाना सिर्फ 1.4 अरब भारतीय प्रशंसकों के लिए नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए भारत आने और अब तक के सबसे बड़े उत्सव का हिस्सा बनने के लिए है।'

बता दें कि 'दिल जश्न बोले' एंथम का म्यूजिक जाने-माने म्यूजिक डॉयरेक्टर प्रीतम ने दिया है। इस गाने की लिरिक्स को श्लोक लाल और सावेरी शर्मा ने लिखा है और इस गाने में कई फेमस गायकों ने आवाज है जिसमें जोनिता गांधी, अमित मिश्रा, नकाश अजीज, श्रीराम चंद्रा और चरण शामिल हैं। इस गाने में जो रैप गाया गया है उसे चरण ने लिखा है और गाया भी है। आईसीसी के एंथम सॉन्ग जहां एक तरफ धमाल मचा रहा है, रणवीर सिंह जैसे परफॉर्मर लॉन्च कर रहे हैं, वहीं इसमें युजवेंद्र चहल की पत्नी धनश्री वर्मा भी डांस करती नजर आ रही है। उन्होंने इस गाने के लिए कोरियोग्राफी की है।

आईसीसी ने बताया कि प्रशंसकों को कलेक्टिव फैन एंथम के जरिये गाने के हुक-स्टेप के माध्यम से अपना जुनून दिखाने का अवसर मिलेगा, जो ट्यून और टूर्नामेंट के लिए दुनिया के उत्साह को प्रदर्शित करेगा। बस इसके लिए आपको अपने एक दोस्त के साथ टीम बनाना होगा और अपने यूनिक हुक-स्टेप परफॉर्मेंस को कैप्चर करना होगा।

आईसीसी 2024 पुरुष टी20 विश्व कप के आयोजन स्थलों में न्यूयॉर्क का नाम शामिल

न्यूयॉर्क । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में होने वाले बहुप्रतीक्षित 2024 पुरुष टी20 विश्व कप के आयोजन स्थलों में से एक के रूप में न्यूयॉर्क की घोषणा करने के लिए तैयार है। समझा जा सकता है कि यह स्थान भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले अहम मुकाबले की मेजबानी करेगा। ऐसा ही एक स्थल ब्रोंक्स के वान कॉर्टलैंड पार्क में बनाया जाना था। लेकिन पड़ोस के कुछ निवासियों और पास की एक क्रिकेट लीग ने योजनाओं का कड़ा विरोध किया, जिससे शहर के अधिकारियों और आईसीसी को योजना को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। रिपोर्ट में बताया गया है कि परिणामस्वरूप, आइजनहावर पार्क के संचालन की देखरेख करने वाले नासाउ काउंटी के अधिकारी बातचीत में शामिल हो गए, इस पर अब 2024 पुरुष टी20 विश्व कप से पहले गंभीरता से विचार किया जा रहा है। अमेरिका में क्रिकेट के बुनियादी ढांचे की कमी हमेशा आईसीसी के लिए बड़ी चिंता का विषय रही है। मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के उद्घाटन सत्र में डलास में 15 हजार सीटों वाले ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम का अनावरण हुआ, लेकिन इसके अलावा और मियामी के पास सेंट्रल ब्रोवार्ड पार्क के अलावा, देश में सभी सुविधाओं के साथ एक और स्थायी फ्लडलाइट स्टेडियम का अभाव है।

स्पेन की महिला फुटबॉल टीम बहिष्कार खत्म करने को राजी

मैड्रिड - चुंबन विवाद के कारण खेल का बहिष्कार कर रही स्पेन की महिला फुटबाल टीम की अधिकतर सदस्य मैदान पर लौटने को राजी हो गई हैं। यह दावा स्पेन के खेल सचिव विक्टर फ्रैंकोस ने बुधवार को किया। उनका कहना है कि महिला फुटबाल टीम की अधिकतर खिलाड़ी बहिष्कार समाप्त करने पर सहमत हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फ्रैंकोस ने कहा कि सात घंटे से अधिक समय तक चली बैठकों के बाद यह समझौता हुआ है। इस महीने के नेशंस लीग खेल के लिए बुलायी गयी 23 खिलाड़ियों में से दो ने टीम से बाहर होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा 'स्पेनिश फुटबॉल महासंघ (आरएफईएफ) ने 'तत्काल और गहन बदलाव' के लिए प्रतिबद्धता जताई है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने महिला विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड पर स्पेन की जीत के बाद तत्कालीन आरएफईएफ अध्यक्ष लुइस रुबियल्स द्वारा फॉरवर्ड खिलाड़ी जेनी हर्मोसो को चूमने के बाद खिलाड़ियों ने खेल का बहिष्कार शुरू कर दिया था। हालांकि चुंबन विवाद के कारण रुबियल्स को इस्तीफा देना पड़ा, जबकि स्पेन के मैनेजर जॉर्ज विल्डा को बर्खास्त कर दिया गया था।

रविचंद्रन अश्विन के टीम में चयन पर पठान ने उठाए सवाल, सब कुछ भाग्य के भरोसे

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली भारतीय वनडे सीरीज में ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को अचानक शामिल किए जाने से खुश नहीं हैं और उन्होंने इस पर सवाल उठाए हैं। पठान का मानना है कि प्लानिंग की कमी थी और अश्विन को ज्यादा मौके दिए जाने चाहिए थे।

पठान ने कहा, आपको पूरी दुनिया में अश्विन से बेहतर स्पिनर मिलता है। लेकिन विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में जहां अत्यधिक दबाव होता है, आप एक वरिष्ठ खिलाड़ी से उस प्रारूप में टीम के लिए खेलने की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। अश्विन ने लंबे समय से नहीं खेला है और अपनी योग्यता साबित नहीं की है। इसलिए आप पूरी तरह से भाग्य पर छोड़ रहे हैं। यहां कोई प्लानिंग नहीं है। अगर अश्विन के लिए कोई योजना थी, तब उन्हें विश्व कप से पहले कुछ खेल का समय देना था। हां, वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने वाले हैं, लेकिन क्या यह काफी है? आपको 10 ओवर गेंदबाजी करनी होगी, टीम में भी तालमेल बिठाना होगा और भारत को वैसा परिणाम देना होगा। यह इतना आसान नहीं है। योजना बेहतर होनी चाहिए थी। अश्विन को वापस टीम में लाने का निर्णय 2023 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप से पहले लिया गया है, जो अगले महीने शुरू होने वाला है। अश्विन को अस्थायी एकदिवसीय विश्व कप टीम में नहीं चुना गया था, न ही वह एशिया कप का हिस्सा थे। हालांकि अक्षर पटेल के चोटिल होने से अश्विन की वनडे फॉर्मेट में वापसी संभव दिख रही है। बीसीसीआई के चयन अध्यक्ष अजीत अगरकर ने सुझाव दिया कि पटेल के पास विश्व कप के लिए समय पर स्वस्थ होने का अच्छा मौका है।

एशियाई खेल: चीन के खिलाफ हार के बाद करो या मरो के मुकाबले में बांग्लादेश से भिड़ेगा भारत

हांगझोउ (एजेंसी)। मेजबान चीन के खिलाफ पहले मैच में करारी हार के बाद भारत गुरुवार को यहां एशियाई खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता के करो या मरो के ग्रुप मैच में बांग्लादेश के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगा। भारतीय टीम सोमवार देर शाम यहां पहुंची थी और उचित आराम और नींद के बिना उसने मंगलवार को चीन के खिलाफ अपना पहला मैच खेला जिसमें टीम को 1-5 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

नॉकआउट की दौड़ में बने रहने के लिए इगोर स्टिमक की टीम को ग्रुप ए मैच में बांग्लादेश को हर हाल में हराना होगा। बांग्लादेश के खिलाफ हार से भारत टूर्नामेंट से बाहर नहीं होगा क्योंकि छह ग्रुप से तीसरे स्थान पर रहने वाली चार सर्वश्रेष्ठ टीम भी प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी

लेकिन ऐसी स्थिति में अंतिम मैच से पहले काफी अनिश्चितता रहेगी। तीसरे स्थान पर रहने वाली चार सर्वश्रेष्ठ टीम में से एक के रूप में क्वालीफाई करने से भारत को प्री क्वार्टर फाइनल में मजबूत टीम का सामना करना पड़ सकता है।

बांग्लादेश की टीम किसी भी स्तर पर भारत के लिए आसान टीम नहीं रही है और वे भी पहले मैच में म्यांमार के खिलाफ 0-1 की हार के बाद वापसी करने की कोशिश करेंगे। डिफेंडर कोनसैम चिंगलेनसाना सिंह वीजा में विलंब के कारण टीम के साथ यात्रा नहीं कर पाए। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने उनके लिए 'एक्सप्रेस वीजा' का इंतजाम किया और वह यहां अलग से पहुंचे। एक्सप्रेस वीजा दो से तीन दिन में मिल जाता है।

सुनील छेत्री की अगुआई वाली टीम के लिए बांग्लादेश को हराकर प्रतियोगिता की पहली जीत दर्ज करना आसान नहीं होगा क्योंकि इंडियन सुपर लीग क्लबों के खिलाड़ियों को छोड़ने से इनकार करने के बाद अंतिम समय में टीम तैयार की गई और इसमें अधिकतर अंजान चेहरे हैं। भारत ने हालांकि चीन को पहले हाफ में कड़ी टक्कर दी थी लेकिन दूसरे हाफ में खिलाड़ियों पर थकान हावी दिखी।

घरेलू हिंसा के मामले में मोहम्मद शमी को मिली जमानत

कोलकाता । भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और उनके भाई को उनकी पत्नी हसीन जहां द्वारा उनके खिलाफ दायर घरेलू हिंसा के मामले में कोलकाता की एक निचली अदालत ने जमानत दे दी। शमी के बड़े भाई मोहम्मद हसीब को भी इसी अदालत ने जमानत दी थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मार्च 2018 में भारत के तेज गेंदबाज की पत्नी ने घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था। अपनी शिकायत में उन्होंने शमी के कथित विवाहेतर संबंधों का विरोध करने के बाद शमी पर शारीरिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने इस मामले में शमी और उनके बड़े भाई से भी पूछताछ की थी और दोनों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया था। हालांकि कोलकाता की एक निचली अदालत ने उस वारंट पर रोक लगा दी थी। इसके बाद जहां ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

एशिया कप फुटबॉल चैंपियनशिप में ज्योति चौहान का मैच आज

-भारत का पहला मुकाबला चीनी ताइपे से होगा

धार । धार जिले की सरदारपुर की अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी ज्योति चौहान एशिया कप महिला फुटबॉल चैंपियनशिप में आज भारत देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। डीएफए धार के सचिव सुभाष डेविड ने बताया भारत का पहला मुकाबला

चीनी ताइपे से गुरुवार 21 सितंबर 2023 कोभारतीय समयानुसार शाम 5:00 बजे से खेला जाएगा। ज्योति चौहान के कोच शैलेंद्र पाल ने बताया की ज्योति चौहान पहली बार भारत की ओर से एशिया कप में भाग ले रही है, इस चैंपियनशिप में वह अपना श्रेष्ठतम खेल का प्रदर्शन करेंगी। वरिष्ठ प्रशिक्षक शमशेर सिंह यादव ने कहा कि ज्योति चौहान का एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करना धार जिले के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। एशिया कप फुटबॉल चैंपियनशिप में ज्योति चौहान को श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्र, एसपी श्री मनोज कुमार सिंह, आर आई श्री पुरुषोत्तम बिश्नोई, खेल एवं युवा कल्याण विभाग धार, जिला फुटबॉल संघ धार, एथलेटिक्स एसोसिएशन धार, नेहरू युवा केंद्र धार, सरदारपुर स्पोर्ट्स क्लब सरदारपुर, यूथ स्पोर्ट्स क्लब बदनावर, प्राइम स्पोर्ट्स क्लब धार, ब्लू बाइज़ फुटबॉल क्लब धार, मालवा क्लब धार ,डायमंड क्लब धार, रॉयल क्लब धार, आदिवासी फुटबॉल क्लब धार, यूनाइटेड क्लब धार, तथा अनेक खेल संगठनों और खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

विरुष्का के घर पर हुआ गजानन का भव्य स्वागत

मुंबई । बी-टाउन इंडस्ट्री में इनदिनों गणेशोत्सव की धूम है। बॉलीवुड स्टार्स हर बार की तरह धूमधाम से अपने घरों में गणपति बप्पा का स्वागत कर रहे हैं। इसी बीच पावर कपल अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के घर भी बप्पा पधारे हैं। कपल ने हर्षोल्लास से गजानन का स्वागत किया है, जिसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। अनुष्का द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि उन्होंने पति संग बड़े ही हर्षोल्लास से बप्पा का वेलकम किया। मंदिर को बड़े खूबसूरत तरीके से सजाया। इस दौरान विरुष्का का ट्रेडिशनल लुक देखने को मिला। अनुष्का रेड येलो कलर की सिल्क साड़ी में गजब ढा रही हैं। इस लुक को उन्होंने गले में हार, कानों में इयररिंग्स और माथे पर बिंदी से पूरा किया है। ओवरऑल लुक में अनुष्का का अंदाज देखते ही बन रहा है। वहीं उनके क्रिकेटर पति व्हाइट कुर्ता पैजामा में परफेक्ट लग रहे हैं। इन तस्वीरों में कहीं कपल मंदिर में पूजा की तैयारियों में व्यस्त दिख रहा है, तब कहीं दोनों एक साथ जबरदस्त पोज दे रहे हैं।

मेरे खाते में केवल 900 यूरो बचे हैं, अच्छी जिंदगी नहीं जी पा रहा हूं: सुमित नागल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एटीपी टूर में खेलने के लिए एक करोड़ रुपए के बजट की व्यवस्था करने के बाद भारत के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल के बैंक खाते में अब एक लाख रुपए से भी कम की धनराशि बची है और अच्छी जिंदगी नहीं जी पाने के कारण वह उदास हैं। वह पिछले कुछ वर्षों से जर्मनी की नानसेल टेनिस अकादमी में अभ्यास कर रहे थे लेकिन पैसों की कमी के कारण वह 2023 के सत्र के शुरुआती तीन महीनों में अपने पसंदीदा स्थान पर अभ्यास नहीं कर पाए। उनके मित्र सोमदेव देववर्मन और क्रिस्टोफर मार्कुइस ने जनवरी और फरवरी में उनकी मदद की थी।

वित्तीय समस्याओं से जूझना शायद प्रत्येक भारतीय टेनिस खिलाड़ी की कहानी है लेकिन सच्चाई यह है कि देश का नंबर एक एकल खिलाड़ी अपने और अपने परिवार के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं जुटा पा रहा है जिससे अप्रभावी प्रणाली और एटीपी टूर से जुड़े संघर्ष का पता चलता है जहां खिलाड़ी को अपनी लड़ाई खुद लड़नी पड़ती है। एटीपी टूर में खेलने के लिए नागल ने अपनी सारी पुरस्कार राशि, आईओसीएल से मिलने वाला अपना वेतन और महा टेनिस फाउंडेशन से मिलने वाली सहायता राशि को खर्च किया है। उनका यह खर्च पाइन में अभ्यास केंद्र में रुकने तथा अपने कोच या फिजियो के साथ टूर्नामेंट के लिए यात्राओं पर होता है।

नागल ने कहा, 'अगर मैं अपने बैंक में जमा धनराशि की बात करूं तो मेरे पास इतनी ही राशि है जितनी की वर्ष के शुरुआत में थी। यह 900 यूरो (लगभग 80000 रुपए) है। मुझे थोड़ी मदद भी मिली। महा टेनिस फाउंडेशन के प्रशांत सुतार मेरी मदद कर रहे हैं तथा मुझे आईओसीएल से मासिक (वेतन) भी मिलता है लेकिन मेरे पास कोई बड़ा प्रायोजक नहीं है।' नागल ने इस साल 24 टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया जिनसे उन्होंने लगभग 65 लाख रुपए की कमाई की। उन्हें सबसे बड़ी पुरस्कार राशि अमेरिकी ओपन से मिली जहां वह क्वालीफायर के पहले दौर में हार गए थे लेकिन इसके बावजूद उन्हें 22000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 18 लाख रुपए) मिले।

उन्होंने कहा, 'मैं जो भी कमाई कर रहा हूं उसे खर्च कर दे रहा हूं। मेरा वार्षिक खर्च लगभग 80 लाख से लेकर एक करोड़ रुपए तक है और यह भी तब है जबकि मैं केवल एक कोच के साथ यात्रा करता हूं। मैंने जो भी कमाया उसे खर्च भी कर दिया।' नागल ने कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों से भारत का नंबर एक खिलाड़ी होने के बावजूद मुझे पर्याप्त सहयोग नहीं मिल रहा है। मैं ग्रैंड स्लैम के लिए क्वालीफाई करने वाला एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हूं तथा मैंने पिछले साल ओलंपिक में एक मैच भी जीता था इसके बावजूद सरकार ने मुझे टॉप्स में शामिल नहीं किया है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि चोटिल होने के कारण जब मेरी रैंकिंग गिर गई तो किसी ने भी मेरी मदद करना उचित नहीं समझा। किसी को भी विश्वास नहीं था कि मैं वापसी कर सकता हूं। यह निराशाजनक है क्योंकि मुझे लगता है कि मैं जो कुछ भी करता हूं वह पर्याप्त नहीं है। भारत में वित्तीय सहायता हासिल करना बहुत मुश्किल है। ईमानदारी से कहूं तो मुझे पता

नहीं कि क्या करना है। मैंने हार मान ली है।'

पंजाबी बाग में प्राइमरी स्कूल के शिक्षक के बेटे नागल को पिछले साल कोर्ट से बाहर की समस्याओं से भी जूझना पड़ा। उन्होंने अपने कूल्हे का ऑपरेशन करवाया और वह दो बार कोविड-19 की चपेट में भी आए। नागल ने कहा, 'मेरे पास बचत के नाम पर कुछ भी नहीं है और मैं टूट रहा हूं। मैं यह नहीं कह सकता कि मैं बहुत अच्छी जिंदगी जी रहा हूं जहां मुझे काम करने की जरूरत नहीं है। मैंने पिछले दो वर्षों में खास कमाई नहीं की है।% नागल एटीपी एकल रैंकिंग में 159वें स्थान पर हैं जो भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ है। उनके बाद शशि कुमार मुकुंद का नंबर आता है जिनकी विश्व रैंकिंग 407 है।

अक्षय फिर सिल्वर स्क्रीन पर धूम मचाने के लिए तैयार

बालीवुड के खतरों के खिलाडी यानि अक्षय कुमार फिर सिल्वर स्क्रीन पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अक्षय अपनी आगामी फिल्म मिशन रानीगंज जल्द लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म 6 अक्टूबर, 2023 को रिलीज होने जा रही है। फिल्म से ज्यादा अक्षय कुमार का एक रिप्लाई चर्चा में आ गया है, जो उन्होंने एक फैन के कमेंट पर दिया है। हाल ही में एक इंस्टाग्राम पोस्ट में, अक्षय कुमार ने फिल्म के गाने जलसा 2.0 की रिलीज का ऐलान किया। यह गाना अब यूट्यूब और बाकी सभी म्यूजिकल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। जैसे ही गाना रिलीज़ होने की खबर फैली, अक्षय कुमार का इंस्टाग्राम कमेंट सेक्शन फैंस तारीफें करने लगे और मिशन रानीगंज के लिए शुभकामनाएं और प्यार भेजने लगे।

इसी बीच देर रात की पोस्ट देखकर फैन ने पूछा, सर, क्या आप अभी तक सोए नहीं? इस पर अक्षय कुमार ने ऐसा जवाब दिया जिसकी उस फैन ने ही क्या किसी ने भी कल्पना नहीं की होगी। अक्षय ने अपने खास अंदाज में जवाब देते हुए लिखा, लंदन में हूं भाई, शाम के 6 बज रहे हैं, आप कहें तो सो जाऊं। इस फनी रिप्लाई ने इंस्टाग्राम पर हल्ला मचा दिया। कमेंट ने कई लाइक्स बटोरे और लोगों ने भी इस पर मजेदार रिप्लाई लिखे। जैसे-जैसे मिशन रानीगंज की रिलीज की तारीख नजदीक आ रही है, दुनिया भर के प्रशंसक अक्षय कुमार की एक और वास्तविक जीवन के नायक की भूमिका को देखने के अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

भारतीय सिनेमा में प्रेरक कहानियों को सबसे आगे लाने की उनकी प्रतिबद्धता के साथ, यह फिल्म निश्चित रूप से एक मार्मिक श्रद्धांजलि होगी। बता दें कि यह फिल्म 1989 के रानीगंज कोलफील्ड की वास्तविक जीवन की घटना पर आधारित है जिसने पश्चिम बंगाल को हिलाकर रख दिया था। अक्षय इन दिनों अपनी फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं।

सिने इकाई का हिस्सा बनकर गौरान्वित हैं विक्की कौशल

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल का कहना है कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री इस बात का प्रतिनिधित्व करती है कि भारत की विविधता कितनी खूबसूरत है। उन्होंने कहा कि हमारी फिल्म इंडस्ट्री भारत की खूबसूरत विविधताओं का प्रतिनिधित्व करती है। आप देखेंगे कि अलग-अलग बैकग्राउंड्स के लोग टैलेंट और वर्क एथिक के जरिए हमारे इंडस्ट्री में नाम कमा रहे हैं। एक्टर, जिन्हें नेशनल क्रश भी कहा जाता है, को इस विविधता पर बहुत गर्व है। जब हम सेट पर होते हैं, तो हम सभी लक्ष्य की ओर काम करते हुए एक यूनिट होते हैं। हमारी फिल्म इंडस्ट्री भारत का एक सूक्ष्म रूप है और ?जिसका हिस्सा बनकर स्वयं को भाग्यशाली महसूस करता हूं। विक्की की जल्द ही फिल्म द ग्रेट इंडियन फैमिली में नजर आएंगे। यह फिल्म भारत की विविधता में एकता का उत्सव है। यशराज फिल्म्स द्वारा निर्मित, विजय कृष्ण आचार्य द्वारा निर्देशित द ग्रेट इंडियन फैमिली 22 सितंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है।

करीना के साथ रोमांटिक सीन करने में नर्वस थे विजय

करीना कपूर खान, विजय वर्मा और जयदीप अहलावत स्टारर फिल्म 'जाने जान' जल्द ही रिलीज होने वाली है। ऐसे में तीनों एटर्स इन दिनों अपनी फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। वहीं हाल ही में फिल्म के प्रमोशन के दौरान विजय ने बताया कि वह करीना के साथ रोमांटिक सीन के दौरान बेहद नर्वस हो रहे थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वह उन सीन्स को कैसे करें। दरअसल, विजय हाल ही में शहनाज गिल के चैट शो में पहुंचे थे। इस दौरान उनसे करीना से साथ काम करने के एसपीरियंस को लेकर सवाल किया गया, इसपर एटर ने बताया कि करीना कपूर एक शानदार एट्रेस हैं। वह जभी भी जयदीप अहलावत या उनकी ज्यादा तारीफ करती हैं तो दोनों शर्मा जाते हैं। विजय ने आगे कहा- 'हमने हम हमेशा से उनकी फिल्में देखते आए हैं। उनकी परफॉर्मेंस पर सीटियां बजाई हैं, उनकी खूबसूरती के दीवाने रहे हैं। जब वह शस आपके काम की तारीफ करता है, जिसे आप हमेशा से पसंद करते हैंज्तो ऐसे में थोड़ा अजीब सा लगता है। लेकिन आप उन तारीफों को भी एंजॉय करते हैं।'

करीना के साथ रोमांटिक सीन करने में नर्वस था

बातचीत के दौरान शहनाज गिल ने कहा कि करीना कपूर हमेशा से कई लोगों का क्रश रही हैं। उनके साथ रोमांटिक सीन्स करने का एसपीरियंस कैसा रहा? इस पर विजय ने कहा- फिल्म में एक सीन है, जिसमें वह मुझे बेहद रोमांटिक अदाओं के साथ देखते हुए गाना रही हैं। जैसे ही वह सीन आया, मेरे तो पसीने छूट गए। उस सीन को करते वक्त मैं नर्वस हो गया था। मेरे लिए उस सीन को शूट करना वाकई मुश्किल था। शहनाज ने कहा करीना बेहद हॉट हैं। इस विजय बोले- वह बेहद करिश्माई भी हैं। जब वह परफॉर्म करती हैं, तो बहुत खूबसूरत लगती हैं। उनके पास बहुत खास अदाएं हैं।

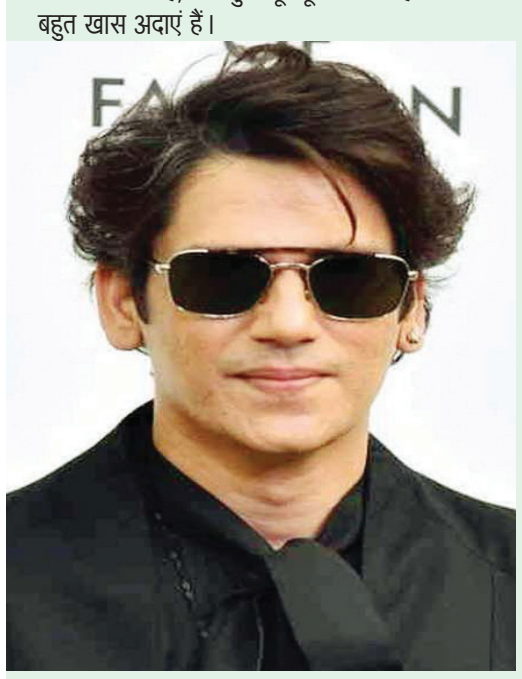

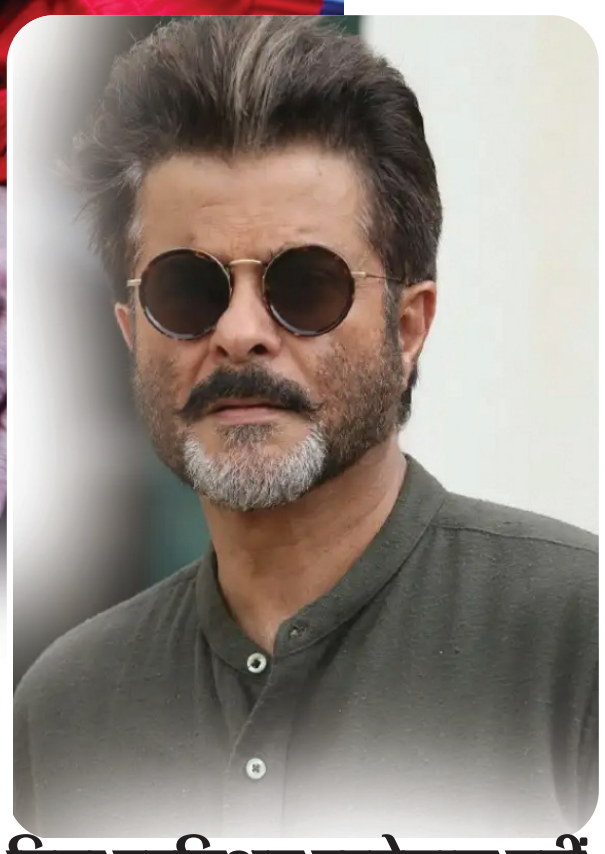

बिना परमिशन इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे अनिल कपूर का नाम, आवाज और तस्वीर

बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर ने हाल ही में अपनी पर्सनालिटी राइट्स की सुरक्षा के दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। एक्टर ने एक याचिका दाखिल करके अलग-अलग संस्थाओं को बिना उनकी सहमति के उनका नाम, आवाज, इमेजिस और निक नेम का उपयोग करने पर रोक लगाने की मांग की थी।

वहीं अब दिल्ली हाईकोर्ट ने उच्च न्यायालय ने एक्टर के व्यक्तित्व के अधिकारों की सुरक्षा और संरक्षा की याचिका पर सुनवाई करते हुए बिना उनकी सहमति के उनका मशहूर सूत्रवाक्य 'झकास' समेत उनके नाम, तस्वीर, आवाज और व्यक्तित्व की अन्य विशेषताओं का व्यवसायिक लाभ के लिए दुरुपयोग करने पर रोक लगा दी है।

न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने अनिल कपूर द्वारा कई वेबसाइट और मंचों के खिलाफ दायर एक मुकदमे पर सुनवाई के दौरान यह अंतरिम आदेश दिया। अनिल कपूर ने व्यवसायिक लाभ के लिए उनके व्यक्तित्व और सेलिब्रिटी अधिकारों के अनधिकृत शोषण का आरोप लगाते हुए यह मुकदमा दायर किया था।

अनिल कपूर की ओर से पेश वकील प्रवीण आनंद ने कहा कि कई वेबसाइट और मंच विभिन्न गतिविधियों के जरिए वादी के व्यक्तित्व के खूबियों का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने प्रेरक वक्ता के रूप में अभिनेता की तस्वीर का इस्तेमाल करके सामान की अनधिकृत बिक्री और शुल्क वसूलने, उनकी तस्वीर के साथ अपमानजनक तरीके से छेड़छाड़ करने और जाली ऑटोग्राफ तथा 'झकास' सूत्रवाक्य वाली तस्वीरें बेचने का उल्लेख किया।

याचिका में अनिल कपूर के नाम, आवाज, तस्वीर, उनके बोलने के अंदाज और हावभाव के संबंध में उनके व्यक्तित्व संबंधी अधिकारों की रक्षा करने का अनुरोध किया गया था। न्यायमूर्ति सिंह ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि अभिव्यक्ति की आजादी सुरक्षित है, लेकिन जब यह 'सीमा पार करती है' और किसी के व्यक्तित्व संबंधी अधिकारों को खतरे में डालती है, तो यह गैरकानूनी हो जाती है।

अदालत ने कहा, वादी के नाम, आवाज, संवाद और तस्वीरों का अवैध तरीके से और व्यवसायिक उद्देश्य से इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत किसी के व्यक्तित्व की विशेषताओं के ऐसे दुरुपयोग पर आंख मूंदकर नहीं बैठ सकती।

उच्च न्यायाल ने अन्य अज्ञात लोगों को आपत्तिजनक लिंक प्रसारित करने से भी रोक दिया। उसने संबंधित प्राधिकारी को इन आपत्तिजनक मंचों को ब्लॉक करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि व्यक्ति को ख्याति के साथ नुकसान भी झेलने पड़ते हैं और यह मामला दिखाता है कि 'प्रतिष्ठा एवं ख्याति नुकसान में बदल सकती है', जिससे प्रचार का उसका अधिकार प्रभावित हो सकता है।

किंक ने रियलिटी टेलीविजन की दुनिया में मचा दिया तहलका

रियलिटी टेलीविजन की दुनिया में किंक ने तहलका मचा दिया है। इस शो ने दर्शकों को ऐसा रोमांच पेश किया है, जो इससे पहले कहीं नहीं देखा गया। किंक का कॉन्सेप्ट, किस इश्क एन कनेक्शन्स दिलचस्प और साहसी दोनों है। एक रेगिस्तानी द्वीप पर फंसे एक जोड़े के प्यार और प्रतिबद्धता की यह आखरी परीक्षा है। दिव्या अग्रवाल द्वारा होस्ट किया गया यह शो प्यार और रिश्तों को एक अनूठे तरीके से फिर से परिभाषित करने का वादा करता है। क्या एक साधारण चुंबन वास्तव में दो लोगों के बीच के बंधन को मजबूत कर सकता है, या यह तीव्र दुश्मनी और संघर्ष को जन्म देगा? उसके लिए आपको शो देखना होगा।

किंक का भव्य लॉन्च मुंबई में एक ग्लैमरस शाम को हुआ जहां दिव्या अग्रवाल और रेड कार्पेट पर शानदार प्रतियोगियों ने मंच पर आग लगा दी। यह एक ऐसा दृश्य था जो उस उत्साह और ड्रामे को दर्शा रहा था जिसका शो में दर्शक इंतजार कर रहे थे। दिव्या अग्रवाल, अपने चुंबकीय आकर्षण और करिश्मा के साथ, किंक के लिए सबसे आदर्श होस्ट हैं। उनकी उपस्थिति दुनिया भर के दर्शकों के जुनून और जिज्ञासा को प्रज्वलित करने के लिए मजबूर कर देगी। जैसा कि वह कहती हैं, किंक प्यार और जुनून की गहराई की खोज के बारे में है।

प्रश्न बना हुआ है- क्या प्रेम सभी पर विजय प्राप्त करेगा, या यह एक उग्र संघर्ष की ओर ले जाएगा?पहले से ही, किंक ने समर्पित फैन क्लबों को जन्म देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। यह भावनाओं का एक सफर है, जहां प्यार, वासना और लालसा जुनून के बवंडर में टकराते हैं। दर्शक मानवीय रिश्तों की जटिलताओं में एक मनोरंजक और अविस्मरणीय यात्रा की उम्मीद कर सकते हैं। ड्रामा, रोमांस और जुनून से प्रेरित, रियलिटी टीवी के प्रशंसक इस रोमांचक शो को मिस नहीं करना चाहेंगे।

रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का हिस्सा बनीं श्वेता तिवारी

रोहित शेट्टी की हिट फ्रेंचाइजी 'सिंघम' के तीसरे पार्ट 'सिंघम अगेन' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में बाजीराव सिंघम बनकर अजय देवगन दुश्मनों से भिड़ते नजर आने वाले हैं। अजय देवगन ने इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। इस फिल्म में अजय देवगन के अलावा अक्षय कुमार, रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण भी पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आने वाले हैं। वहीं अब 'सिंघम 3' में एक और एक्ट्रेस की एंट्री हो गई है। फिल्म में श्वेता तिवारी भी नजर आने वाली हैं। श्वेता तिवारी ने सोशल मीडिया अकाउंट पर रोहित शेट्टी संग तस्वीरें शेयर करते हुए इसका खुलासा किया है। तस्वीरों में श्वेता और रोहित कैजुअल लुक में कैमरे के सामने पोज देते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों के साथ श्वेता ने कैप्शन में लिखा, 'द मैन हिमसेल्फ आपका आभार।

श्वेता तिवारी कई टीवी सीरियल और रियलिटी शोज में काम कर चुकी हैं। वह रोहित शेट्टी के शो 'खतरों के खिलाड़ी' में भी नजर आई थीं। बताया जा रहा है कि श्वेता तिवारी रोहित शेट्टी की वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' का भी हिस्सा हैं।